नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शुक्रवार, 24 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 68 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

हत्या की योजना बना रहे दो गिरफ्तार

25-30 लाख मतदाताओं के नाम हटने की संभावना

5 अगस्त को जारी होगा एसआईआर ड्राफ्ट रोल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अंतिम चरण में है। इस अभियान के तहत 29 जुलाई तक गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस दौरान बड़ी संख्या में एएसडीडी (एबसेंट, शिफ्टेड, डेड, डुप्लिकेट) श्रेणी के मतदाता चिन्हित किए गए हैं। इस श्रेणी में वे मतदाता शामिल हैं जो अपने पंजीकृत पते पर नहीं मिले, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं, मृत हैं या जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, 22 जुलाई तक 4,15,364 मृत, 1,29,803 अनुपस्थित, 6,09,542 स्थानांतरित, 1,61,926 पहले से निबंधित तथा 4,486 विदेशी नागरिक सहित कुल 13 लाख से अधिक मतदाता एएसडीडी श्रेणी में चिन्हित किए जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि 23 जुलाई की सुबह तक यह संख्या बढ़कर 14.18 लाख हो गई है। अंतिम आंकड़े 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले ड्राफ्ट मतदाता सूची के साथ जारी किए जाएंगे। एएसडीडी श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल नहीं होंगे। यदि वर्तमान रुझान जारी रहा तो एसआईआर के दौरान 25 से 30 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की संभावना है। जिलावार आंकड़ों में पश्चिमी सिंहभूम सबसे ऊपर है। यहां अब तक 50,775 मृत, 22,169 अनुपस्थित, 62,383 स्थानांतरित, 25,647 पहले से निबंधित तथा 310 विदेशी नागरिक सहित अन्य श्रेणी के मतदाता चिन्हित किए गए हैं। दूसरे स्थान पर रांची जिला है, जहां 39,684 मृत, 11,085 अनुपस्थित, 32,120 स्थानांतरित, 13,425 पहले से निबंधित और 303 अन्य श्रेणी के मतदाता दर्ज किए गए हैं।

दो आरोपित हथियार-बम के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह से जुड़ी कथित हत्या की साजिश को समय रहते विफल कर दिया। पुलिस ने वासेपुर के एक जमीन कारोबारी और एक होटल व्यवसायी की हत्या की योजना बना रहे दो आरोपियों को हथियार और विस्फोटक के साथ गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर भुली ओपी क्षेत्र स्थित बी. पॉलिटेक्निक के समीप जंगल में छापेमारी की गई। इस दौरान गुलाम गौस उर्फ छोटू कुरैशी और शोएब कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में दोनों आरोपियों के वारदात को अंजाम देने की तैयारी में होने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो जिंदा बम बरामद किए हैं। बरामद हथियारों और विस्फोटकों को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि दोनों आरोपी पिछले कुछ दिनों से वासेपुर के एक जमीन कारोबारी और एक होटल व्यवसायी की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दोनों को गिरफ्तार कर संभावित वारदात को टाल दिया। पुलिस मामले की जांच कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का भी पता लगा रही है।

बातचीत के लिए तैयार केंद्र, सीजेपी ने नड्डा के आवास पर जाने से किया इनकार

दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर जारी छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल उनके आवास या कार्यालय में आकर वार्ता कर सकता है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी, जो इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है, ने सरकार के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। संगठन का कहना है कि बातचीत या तो जंतर-मंतर स्थित प्रदर्शन स्थल पर होनी चाहिए या फिर किसी निष्पक्ष (न्यूट्रल) स्थान पर। इससे पहले सोमवार को सीजेपी के दो प्रतिनिधियों ने जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात कर अपनी मांगें रखी थी। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी शामिल थी। इसके बाद सरकार की ओर से दोबारा वार्ता का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन संगठन ने इसे स्वीकार नहीं किया। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने बुधवार को जंतर-मंतर पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि पुलिस ने उन्हें नड्डा के आवास पर बातचीत के लिए बुलाए जाने की जानकारी दी थी, लेकिन संगठन ने किसी के घर या कार्यालय में जाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "जनता की अदालत यहीं है। यदि सरकार बातचीत करना चाहती है तो प्रतिनिधि प्रदर्शन स्थल पर आएं। सुरक्षा संबंधी कोई चिंता होने पर पास के किसी निष्पक्ष स्थान पर भी वार्ता की जा सकती है।" उधर, दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान हिंसा में सीधे तौर पर शामिल लोगों की पहचान सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ उनके पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है।

रांची विश्वविद्यालय में आरटीइआई व्यवस्था होगी अधिक पारदर्शी

राज्य सूचना आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची विश्वविद्यालय में गुरुवार को सूचना का अधिकार व्यवस्था की समीक्षा और 39वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर दो महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। राज्य सूचना आयुक्त डॉ. तनुज खत्री ने आरटीइआई अधिनियम, 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए विश्वविद्यालय तथा सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, दूसरी बैठक में सितंबर 2026 तक 39वें दीक्षांत समारोह के आयोजन की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। RTI समीक्षा बैठक में कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने राज्य सूचना आयुक्त का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र का इस महत्वपूर्ण पद पर पहुंचना संस्थान के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि समय पर सूचना उपलब्ध कराना संस्थानों की जवाबदेही और पारदर्शिता का परिचायक है। बैठक में डॉ. खत्री ने निर्देश दिया कि सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालय सात दिनों के भीतर अपनी वेबसाइट पर अलग आरटीइआई टैब बनाएं। इसमें लोक सूचना पदाधिकारी, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी, आवेदन प्रक्रिया, शुल्क, आवेदन भेजने का पता तथा धारा-4 के तहत अनिवार्य सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिन कॉलेजों में अभी तक पीआईओ नियुक्त नहीं हैं, वहां तत्काल नियुक्ति कर आदेश सार्वजनिक करने को कहा गया। उन्होंने सभी आरटीइआई आवेदनों का 30 दिनों की निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण, प्रत्येक आवेदन के लिए ट्रैकिंग नंबर जारी करने, प्रभावी मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित करने तथा प्रत्येक तीन माह में अनुपालन प्रतिवेदन राज्य सूचना आयोग को भेजने का निर्देश दिया। साथ ही अभिलेखों के डिजिटलीकरण, रिकॉर्ड प्रबंधन और परीक्षा परिणाम, उत्तरपुस्तिका निरीक्षण, डिग्री, माइग्रेशन, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास से जुड़े आरटीइआई आवेदनों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। राज्य सूचना आयुक्त ने प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में आरटीइआई ओरिएंटेशन, जागरूकता सेमिनार, प्रशिक्षण, क्विज, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने, आरटीइआई हेल्प डेस्क स्थापित करने तथा वार्षिक आरटीआई अवेयरनेस वीक मनाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार केवल सूचना प्राप्त करने का कानून नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। उधर, कुलपति सम्मेलन कक्ष में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में 39वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार सितंबर 2026 तक समारोह आयोजित करने के लक्ष्य को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं, समयबद्ध तैयारियों और मितव्ययिता के साथ आयोजन सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

डॉ. मधुलिका गुप्ता को ऑक्सफोर्ड की प्रतिष्ठित श्मिट एआई साइंस फेलोशिप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के रसायन एवं रासायनिक जीवविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मधुलिका गुप्ता का चयन यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड की प्रतिष्ठित श्मिट एआई इन साइंस पोस्टडॉक्टोरल फेलोशिप के लिए हुआ है। इस वर्ष भारत से चयनित तीन वैज्ञानिकों में वह शामिल हैं और इस सूची में एकमात्र महिला वैज्ञानिक हैं। डॉ. गुप्ता ने फेलोशिप के लिए आयोजित चार चरणों वाली वैश्विक चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें प्री-प्रपोजल, विस्तृत शोध प्रस्ताव, साक्षात्कार और अंतिम मूल्यांकन शामिल था। उनका चयन "एआई-ड्रिवन मल्टीस्केल डिजाइन एंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल्स फॉर क्लाइमेट-रेजिलिएंट एनर्जी सिस्टम्स" विषय पर आधारित शोध प्रस्ताव के लिए किया गया। इस शोध का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से पर्यावरण-अनुकूल विमानन ईंधन विकसित करना और जलवायु-अनुकूल टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों के लिए प्रभावी समाधान तैयार करना है।

जलवायु अखड़ा का समापन, राज्यपाल ने भारत पंचामृत मिशन को आगे बढ़ाने पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची स्थित ऐतिहासिक ऑड्रे हाउस में सारथी झारखंड जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'जलवायु अखड़ा' का गुरुवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में राज्यभर से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और न्यायसंगत बदलाव (जस्ट ट्रांजिशन) जैसे विषयों पर मंथन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार तथा विशिष्ट अतिथि विधायक सरयू राय थे। अपने संबोधन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री के भारत पंचामृत मिशन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय जलवायु अखड़ा में सामने आए सुझावों को धरातल पर उतारना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक सरयू राय ने कहा कि झारखंड की पहचान जल, जंगल और जमीन से है। यदि इन प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण नहीं किया गया तो विकास का संतुलन प्रभावित होगा। उन्होंने सरकार, सामाजिक संगठनों और स्थानीय समुदायों से मिलकर ऐसी नीतियां बनाने का आह्वान किया, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों की आजीविका और अधिकारों की भी रक्षा करें। सारथी झारखंड जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क के प्रतिनिधि मुन्ना झा ने बताया कि यह नेटवर्क राज्य के 43 सामाजिक संगठनों का समूह है, जो जलवायु परिवर्तन और जस्ट ट्रांजिशन के मुद्दों पर लगातार कार्य कर रहा है। विशेष रूप से कोयला प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, आजीविका और सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए नीतिगत और जमीनी स्तर पर पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि जस्ट ट्रांजिशन का उद्देश्य केवल ऊर्जा परिवर्तन नहीं, बल्कि ऐसा बदलाव सुनिश्चित करना है, जिसमें स्थानीय समुदायों, विशेषकर कोयला प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की आजीविका और अधिकार सुरक्षित रहें। समापन सत्र से पूर्व असर संस्था की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनुता गोपाल ने राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सारथी नेटवर्क से जुड़े 43 सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों को पर्यावरण एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुन्ना झा, कृष्णकांत, घनश्याम, सुरेश कुमार शक्ति, गौतम सागर, जॉन्सन टोप्पो, शंकर रवानी, हेमंत कुमार सहित नेटवर्क के अनेक सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जगन्नाथ महोत्सव में डॉ. मृणालिनी अखौरी की मनमोहक प्रस्तुति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रथ मेला स्थल पर कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित जगन्नाथ महोत्सव में प्रसिद्ध गायिका डॉ. मृणालिनी अखौरी ने अपनी मधुर एवं मनमोहक प्रस्तुति से श्रोताओं का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने अपनी धुन में तैयार किए गए तथा संजय ठाकुर द्वारा लिखित भजन "शाम सुबह नाम भजो, जय हो जगन्नाथ" से की, जिसे भगवान जगन्नाथ के चरणों में समर्पित किया गया। भक्ति रस से सराबोर इस प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद डॉ. अखौरी ने श्रोताओं की पसंदीदा गजल "मेरे रश्क-ए-कमर" प्रस्तुत की। उनकी भावपूर्ण गायकी और सधी हुई प्रस्तुति पर उपस्थित दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं और उनकी सराहना की। इस अवसर पर तबला पर संजीव पाठक, ऑर्गन पर प्रिंस राज तथा ऑक्टोपैड पर सूदन कुमार ने उत्कृष्ट संगत कर कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से पद्मश्री मधु मंसूरी एवं पद्मश्री महावीर नायक के करकमलों से डॉ. मृणालिनी अखौरी को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। महोत्सव में अन्य कलाकारों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांधा। असुर कुमार एवं सुलोचना देवी ने एक से बढ़कर एक नागपुरी और मुंडारी गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं दीप्ति कुमारी एवं मनीष पाठक ने सर्वधर्म प्रार्थना और कृष्ण भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया। जगन्नाथ महोत्सव में कला, संस्कृति और भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा।

नई प्रणाली की मदद से बिहार में ग्रामीण योजनाओं की निगरानी होगी आसान

ग्रामीण विकास विभाग ने लॉन्च किया केंद्रीकृत पोर्टल, योजनाओं की ऑनलाइन ट्रैकिंग के साथ कंट्रोल रूम और व्हाट्सएप नंबर के जरिए घर बैठे सुलझेंगी समस्याएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में ग्रामीण विकास की योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। इस दिशा में विभाग ने केंद्रीयकृत ग्रामीण योजना अनुश्रवण एवं क्रियाशीलता पर्यवेक्षण प्रणाली (सीआरएसएमएफटीएस) की शुरुआत की है। इस नई एकीकृत डिजिटल प्रणाली के जरिए राज्य के आम नागरिक अब ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं से संबंधित कोई भी शिकायत, सुझाव या जानकारी सीधे विभाग तक पहुंचा सकेंगे। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सीआरएसएमएफटीएस पोर्टल के माध्यम से अब प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), जीविका, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)/ लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, वीबी-जी राम जी के साथ-साथ दूसरी योजनाओं की ऑनलाइन निगरानी हो सकेगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग वेब पोर्टल, मोबाइल एप, व्हाट्सएप और हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आसानी से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। पोर्टल के सहारे समय-समय पर उन्हें आवेदन की स्थिति की सही जानकारी भी मिल सकेगी। बता दें कि विभाग में सीआरएसएमएफटीएस को लागू किए जाने से विभागीय योजनाओं से संबंधित कमियों और समस्याओं की त्वरित पहचान कर उनका समयबद्ध तरीके से समाधान का रास्ता जहां आसान होगा वहीं क्षेत्रीय अधिकारियों के निरीक्षण और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया भी सरल होगी। रियल-टाइम डेटा उपलब्ध होने से कार्यों की सतत समीक्षा जिला और मुख्यालय स्तर पर की जाएगी और योजनाओं के तहत निर्मित बुनियादी ढांचों, परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, उनकी उपयोगिता सुनिश्चित करना भी आसान होगा। इस मामले में ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार का कहना है कि इस प्रणाली के लागू करने से शिकायतों का त्वरित निष्पादन हो सकेगा। साथ ही शिकायतों की सतत निगरानी करने में काफी मदद मिलेगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। पर्यवेक्षण करने में आसानी होने से समस्याओं का ससमय निदान हो सकेगा। यह प्रणाली काफी प्रभावी साबित होगी।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में हाईकोर्ट सख्त, बिहार सरकार से तीन सप्ताह में मांगा जवाब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पटना हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए बिहार सरकार से तीन सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। जस्टिस अरुण कुमार झा की एकलपीठ ने मामले से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने सीसीटीवी फुटेज, वीडियोग्राफी, वायरलेस लॉगबुक, स्टेशन डायरी की प्रविष्टियां, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बॉडी कैमरा फुटेज, जब्ती सूची, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य संबंधित अभिलेख संरक्षित रखने को कहा है। यह आदेश भरत तिवारी की मां आशा देवी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार ने 17 जून 2026 को हुए कथित एनकाउंटर में शामिल सभी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग की। साथ ही पोस्टमार्टम, इंक्वेस्ट और फोरेंसिक रिपोर्ट की प्रतियां उपलब्ध कराने तथा मृतक का मोबाइल फोन और जब्त सामान वापस करने का भी अनुरोध किया। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि 16-17 जून 2026 की रात पुलिस बिना किसी पूर्व सूचना और महिला पुलिसकर्मी के बिना उनके घर में दाखिल हुई। इसके अलावा 17 जून को याचिकाकर्ता के पति काशीनाथ तिवारी को शाहपुर थाना में रखे जाने की भी जांच कराने की मांग की गई है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त 2026 को होगी।

नीट-यूजी पेपर लीक : सीबीआई ने संजीव मुखिया को दी क्लीनचिट, प्रश्नपत्र चोरी या लीक के नहीं मिले सबूत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। 2024 के नीट-यूजी पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को अदालत को बताया कि जांच के दौरान संजीव मुखिया के खिलाफ प्रश्नपत्र चोरी करने या लीक करने के कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले। बिहार पुलिस ने संजीव मुखिया को इस मामले का मुख्य आरोपी बनाया था, लेकिन सीबीआई की जांच में आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी। सीबीआई के अनुसार, संजीव मुखिया को इस मामले में जमानत मिल चुकी है। हालांकि, वह फिलहाल जेल में ही रहेगा, क्योंकि उसके खिलाफ सिपाही बहाली परीक्षा पेपर लीक का एक अन्य मामला भी लंबित है। एजेंसी ने बताया कि जांच के दौरान प्रश्नपत्र की चोरी और उसके वितरण में शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है। साथ ही उन अभ्यर्थियों की भी पहचान की गई, जिन्हें लीक हुए प्रश्नपत्र का लाभ मिला था। सीबीआई ने इस मामले में अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, जिसमें कुल 45 लोगों को आरोपी बनाया गया है। देशभर में नीट पेपर लीक को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बीच सीबीआई का यह खुलासा मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

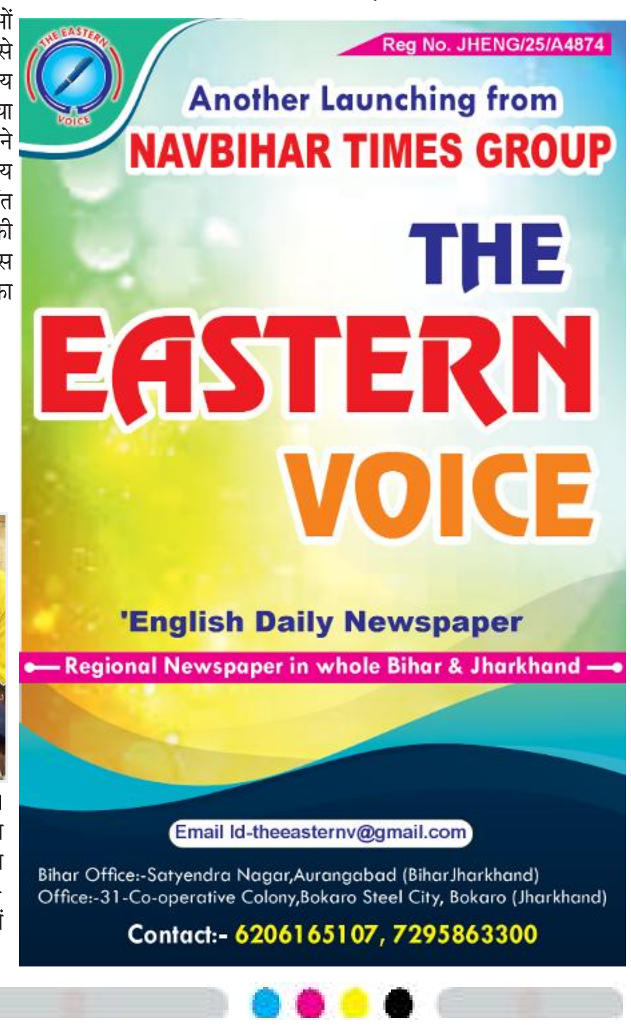

पेपर लीक और छात्र आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस का धरना, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दिल्ली में कथित पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन, छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य सांसदों की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पेपर लीक मामले के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। साथ ही छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई और छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने तथा दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की धरना को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों, किसानों और मजदूरों सहित हर वर्ग के साथ तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ हुई कथित घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद अली खान ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुई कथित अभद्रता की निंदा करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश केडिया ने शहर से बाहर होने के कारण मीडिया को भेजे संदेश में कहा कि सरकार की नीतियों से छात्र, किसान और आम जनता प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार बढ़ा है और पेपर लीक जैसी घटनाओं से छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है धरना के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया इस अवसर पर धनंजय सिंह, पप्पू विश्वकर्मा, बिलाल अहमद हुसैनी, मोहम्मद अकबर, मोहम्मद निजामुद्दीन, निजाम अंसारी, मनोज राय, विमल राय, किशोर राय, ओवैस अहमद, सरफराज अंसारी, इतवारी वर्मा, नागेश्वर मंडल, महेंद्र सिंह, मोहम्मद शमी, गुरु खान, राजेश पुरी, मोहम्मद मनीर, सुलेमान अख्तर, शाहनवाज आलम, अनिल चौधरी, मंजूर अंसारी, मेराजुल नजरी, पुरुषोत्तम चौधरी, अहमद राजा नूरी, मोहम्मद सद्दाम, अख्तर अंसारी, जुनेद आलम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीमार होने के बावजूद संसद पहुंचे झामुमो के राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों के संयुक्त विरोध प्रदर्शन में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के फ्लोर लीडर एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के बावजूद शामिल हुए बुधवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सांसद काले परिधान पहनकर संसद पहुंचे और हाल के घटनाक्रमों के विरोध में अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। विपक्ष का आरोप है कि छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया तथा विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी, अखिलेश यादव सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। इन्हीं मुद्दों के विरोध में सांसदों ने काले वस्त्र पहनकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया हाल ही में घुटने का ऑपरेशन होने के कारण डॉ. सरफराज अहमद व्हीलचेयर की सहायता से संसद पहुंचे। स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने काला परिधान पहनकर विपक्ष के सामूहिक विरोध में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और लोकतांत्रिक विरोध के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

बाढ़ से निपटने के लिए ग्रामीणों को प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। संभावित बाढ़ के खतरे के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। डीएम के निर्देश पर बुधवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रौद्योगिकी केंद्र परिसर में नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

पूर्व रेलवे

सं.: ओ-एसी-टी-112 से 113-26-27 (ओपन), दिनांक 22.07.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: क्रमांक 1, केस सं.: ओ-एसी-टी-112-26-27; कार्य का नाम: अंडाल एवं दुर्गापुर स्टील एक्सचेंज यार्ड के वर्तमान कंबाइंड रनिंग रूम के विस्तार तथा डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में यार्ड क्रू लॉबी का उन्नयन, रनिंग रूम का विस्तार तथा आसनसोल मंडल के तहत ट्रैक रखरखाव एवं संचालन कर्मियों के लिए बुनियादी सुविधाओं के साथ गैंग हटों, गुमटियों, पेय जल सुविधाओं, पाथवे इत्यादि के प्रावधान के लिए खुली निविदा। निविदा मूल्य: रु. 8,44,13,153.82। बयाना राशि: रु. 16,88,300; कार्य हेतु समापन अवधि: 12 महीने। क्रमांक 2, केस सं.: ओ-एसी-टी-113-26-27; कार्य का नाम: आसनसोल मंडल में अंडाल-सैंथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर-हंसडीहा, अंडाल-बाराबनी एवं मधुपुर-गिरिडीह अनुभागों में 10000 से अधिक टीवीयू वाले लेवल क्रॉसिंग गेटों की इंटरलॉकिंग के लिए गेट बिल्डिंग, रिले हट के प्रावधान के लिए खुली निविदा। निविदा मूल्य: रु. 6,95,32,655.25। बयाना राशि: रु. 13,90,700; कार्य हेतु समापन अवधि: 09 महीने। बंद होने की तारीख एवं समय: 17.08.2026 को 12.00 बजे (दोनों के लिए)। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-192/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अत्याचार निवारण अधिनियम के क्रियान्वयन पर जिला स्तरीय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की प्रगति, पीड़ितों को राहत और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने की समीक्षा की गई उपायुक्त ने लंबित एवं निष्पादित मामलों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के अधिकारों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में जांच, अभियोजन, राहत एवं पुनर्वास की सभी प्रक्रियाओं का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने, पीड़ितों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और प्रत्येक मामले की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया बैठक में समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे, जिन पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति की नियमित समीक्षा से अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित समिति के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल में क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। डीएवी पब्लिक स्कूल, कैनरी हिल रोड, हजारीबाग में डीएवी क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न डीएवी पब्लिक स्कूलों से आए 600 से अधिक प्रतिभागी-खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस द्विदिवसीय प्रतियोगिता में बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, शतरंज एवं योग जैसे खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जो युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रही है। उद्घाटन -समारोह का प्रारंभ विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों के मार्च-पास्ट के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के सांस्कृतिक विभाग के विद्यार्थियों द्वारा डीएवी गान प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीएवी सीएमसी के पर्यवेक्षक एवं डीएवी पब्लिक स्कूल (जूनियर विंग), हजारीबाग के प्राचार्य श्री विवेकानंद चौधरी, जिला वॉलीबॉल संघ, हजारीबाग के सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स ऑफिशियल श्री अनवर हुसैन, जिला वॉलीबॉल संघ, हजारीबाग के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सत्यदेव सिंह तथा जिला वॉलीबॉल संघ, हजारीबाग के कोषाध्यक्ष श्री रमेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मेजबान प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल (सीनियर विंग), हजारीबाग के डॉ. रजनीश कुमार थे।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग की समीक्षा में दिया गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मध्याह्न भोजन योजना, समग्र शिक्षा अभियान, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, छात्रवृत्ति, पोशाक योजना, ई-विद्यावाहिनी सहित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समावेशी वातावरण और मूलभूत सुविधाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में शिक्षकों एवं कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, पुस्तकालय, विद्यालय भवन, पेयजल, शौचालय और अन्य आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों को नियमित विद्यालय निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति और योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने तथा कमियां मिलने पर तत्काल रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया उन्होंने विद्यालयों में मध्याह्न भोजन, खाद्यान्न की उपलब्धता, पोषण वाटिका (किचन गार्डेन), रसोइयों की व्यवस्था, छात्रवृत्ति एवं पोशाक योजना के समय पर क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया। साथ ही ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर सभी आंकड़ों की शत-प्रतिशत सही और अद्यतन प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन करने के निर्देश दिए बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीपीओ, सीपीओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएएच/626, दिनांक 21.07.2026; सीनि. डीएसटीई, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: ई-निविदा सं. एसडीएसटीई/सिग/टी/13/26-27/आरआरएसके; कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: सियालदह मंडल में निम्नलिखित कार्यों के संबंध में सिग्नलिंग कार्य - सियालदह मंडल में सीटीआर (पी) - 20.909 टीकेएम तथा टीआरआर (पी) - 4.404 टीकेएम, सीटीआर (पी) - 4.123, टीआरआर (पी) - 27.395 टीकेएम तथा टीटीआर (एफएस + टीडब्ल्यूएस, डब्ल्यूसीएमएससी) - 3 सेट (1 इन 12) के साथ 12 अदद ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान। निविदा मूल्य : रु. 4,84,41,034.28; जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा : रु. 9,68,800; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। कार्य समापन अवधि: 12 महीने। निविदा जमा शुरू होने की तारीख: 04.08.2026; निविदा जमा करने की अंतिम तारीख: 18.08.2026 को 14.00 बजे तक। निविदा बोली खुलने की तारीख: 18.08.2026 को 14.30 बजे। विस्तृत विवरण: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। पात्रता के तकनीकी मानदंड : निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिए: (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। पात्रता के वित्तीय मानदंड: निविदादाता द्वारा बी/एन अथवा 'बी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां बी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेज: जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। समतुल्य प्रकृति का कार्य : इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य [इनडोर या (इनडोर +आउटडोर)] तथा/अथवा पैनल इंटरलॉकिंग कार्य [इनडोर या (इनडोर +आउटडोर)] तथा/अथवा रूट रिले इंटरलॉकिंग कार्य [इनडोर या (इनडोर +आउटडोर)]। टिप्पणी: निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली हस्ताक्षर होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होना चाहिए।

(SDAH-146/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

आसनसोल मंडल के तहत वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए संविदाएं प्रदान करना

ई-नीलामी सूचना सं.: एएसएन-एडीवीटी-05-08 दिनांक 20.07.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा संविदाएं प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के मार्फत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है: ● सूचीपत्र सं.: एएसएन-एडीवीटी-05-08। नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय: 05.08.2026 को 12.00 बजे। सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण: एए/1; एडीवीटी-एएसएन-सीएएम-ओएच-184-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); एमडीजेडटीआई/भुली, धनबाद में गेट सं. 1 से 4 तक संलग्न स्केच प्लान के अनुसार वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए संविदा प्रदान करना, कुल क्षेत्रफल: 4649.40 वर्ग फीट (लंबाई-664.2 फीट एवं ऊंचाई-7 फीट)। एए/2; एडीवीटी-एएसएन-डीजीआर-ओएच-147-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); दुर्गापुर उत्तर की ओर (बाजार छोर) में विज्ञापन के लिए संविदा प्रदान करना, कुल क्षेत्रफल: 600 वर्ग फीट (20 फीट x 10 फीट आकार की 03 होर्डिंग)। एए/3; एडीवीटी-एएसएन-एएसएन-ओएच-188-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); 13 नं. मोड़ से आसनसोल रेलवे स्टेशन रोड की ओर सड़क की बाईं तरफ स्केच प्लान के अनुसार 20 फीट x 10 फीट आकार की तीन होर्डिंगों के प्रदर्शन के लिए संविदा प्रदान करना। कुल क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट तीन वर्षों की अवधि के लिए। मीडिया: नॉन डिजिटल/होर्डिंग फ्रंट लिट/बैक लिट। एबी/1; एडीवीटी-एएसएन-जेएसएमई-ओएसएन-117-26-2 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); आरडीएन नीति के अधीन जसीडीह के स्टेशन के भीतर ग्लो साइन/बैकलिट बोर्ड (क्षेत्रफल 780 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए संविदा प्रदान करना। संविदा की आवधि तीन (03) वर्ष। एबी/2; एडीवीटी-एएसएन-एएसएन-ओएसएन-164-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); आसनसोल जंक्शन के प्लेटफॉर्म 7 के प्रवेश द्वार के निकट नॉन-लिट मीडिया यानी फ्लेक्स, होर्डिंग तथा अन्य नॉन-लिट मीडिया टाइप के रूप में विज्ञापन के लिए संविदा प्रदान करना। क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट। एबी/3; एडीवीटी-एएसएन-पीएडब्ल्यू-ओएसएन-128-24-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); पांडवेश्वर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर तथा शेड के नीचे विज्ञापन के लिए संविदा प्रदान करना। (कुल क्षेत्रफल-480 वर्ग फीट)। एबी/4; एडीवीटी-एएसएन-डीयूएमके-ओएसएन-116-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); आरडीएन नीति के अधीन दुमका के स्टेशन के भीतर ग्लो साइन/बैकलिट बोर्ड (क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए संविदा प्रदान करना। संविदा की आवधि तीन वर्ष। एबी/5; एडीवीटी-एएसएन-जेएमटी-ओएसएन-43-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); जामताड़ा स्टेशन के भीतर नॉन-डिजिटल विज्ञापन बोर्ड (क्षेत्रफल 300 वर्ग फीट) के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के लिए संविदा प्रदान करना। एबी/6; एडीवीटी-एएसएन-एएसएनजे-ओएसएन-136-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल)); (i) बुकिंग कार्यालय शेड के सामने एवं रेलवे के अनुसार संभावित अन्य क्षेत्रों में कुल क्षेत्रफल-200 वर्ग फीट, (ii) विभिन्न आकार की होर्डिंगों के जरिए वाणिज्यिक विज्ञापन कुल क्षेत्रफल-200 वर्ग फीट के लिए संविदा प्रदान करना। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सम्पूर्ण विवरण तथा अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-190/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव धनंजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार पर छात्रों और युवाओं के साथ दमनात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज कर उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है और उन्हें शारीरिक रूप से विकलांग बनाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक जैसी घटनाओं ने छात्रों को मानसिक रूप से परेशान करने का काम किया है।धनंजय सिंह ने कहा कि छात्र कोई आतंकवादी नहीं, बल्कि देश का भविष्य हैं। उनका आरोप था कि जब भी देश में कोई जनआंदोलन होता है, केंद्र सरकार संवाद के बजाय पुलिस बल का सहारा लेती है।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, गिरिडीह में केंद्र सरकार का पुतला दहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दिल्ली के जंतर मंतर पर छात्र-छात्राओं पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गिरिडीह में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से जुलूस निकालकर टावर चौक तक मार्च किया और केंद्र सरकार का पुतला दहन किया प्रदर्शन का नेतृत्व झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ पुलिस ने बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया और कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करना सभी का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों को न्याय नहीं मिला तो झामुमो चरणबद्ध आंदोलन करेगा।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-सीसीटीवी-आरपीएच-एनआई-एलसी-एचडब्ल्यूएच, दिनांक 21.07.2026; मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: अनुसूची-ए: हावड़ा मंडल के रामपुरहाट यार्ड में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना। अनुसूची-बी: हावड़ा मंडल के तहत मानवयुक्त नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था। विज्ञापित मूल्य: रु. 2,73,20,381.38; बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 5,46,400; निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 0.00; बोली शुरू होने की तारीख: 30.07.2026। समापन अवधि: 09 महीने। प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 13.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय: 21.07.2026 को 15.25 बजे।

(HWH-230/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

आसनसोल मंडल के तहत विविध स्थैतिक सेवाओं के लिए संविदाएं प्रदान करना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा संविदाएं प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के मार्फत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है: सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमएसएस-05-08। नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय: 05.08.2026 को 13.00 बजे। सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण: एए/1; एमएसएस-एएसएन-जीआरडी-एसआईपीओडी-165-26-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्टेशन में स्लीपिंग पॉड्स); गिरिडीह (जीआरडी) रेलवे स्टेशन में 05 वर्षों की अवधि के लिए स्लीपिंग पॉड के विकास, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा। एए/2; एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसआईपीओडी-163-26-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्टेशन में स्लीपिंग पॉड्स); दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में 05 वर्षों की अवधि के लिए स्लीपिंग पॉड के विकास, संचालन एवं रखरखाव के लिए संविदा। एबी/1; एमएसएस-एएसएन-डीजीएचआर-एमएसीएचआर-31-25-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - विश्राम कुर्सी); देवघर स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 01 पर रफ स्केच प्लान में दर्शाए गए चिन्हित स्थान पर विश्राम कुर्सी की स्थापना एवं संचालन। एसी/1; एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-मेडएसटीएन-158-26-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्टेशन में चिकित्सा सुविधाएं); दुमका स्टेशन में मेडिकल स्टोर की स्थापना एवं संचालन। एडी/1; एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एसएस-115-25-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - सैलोन सेवाएं); दुमका स्टेशन में सैलोन सेवाओं की स्थापना एवं संचालन। एडी/2; एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसएस-32-25-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - सैलोन सेवाएं); दुर्गापुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में रफ स्केच प्लान में दर्शाए गए चिन्हित स्थान पर सैलोन सेवाओं की स्थापना एवं संचालन। एई/1; एमएसएस-एएसएन-बीएसकेएच-पीएसकेएसके-175-26-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - पूजा सामग्री कियोस्क); बासुकीनाथ स्टेशन में पूजा सामग्री कियोस्क की स्थापना एवं संचालन। एएफ/1; एमएसएस-एएसएन-सीएएम-एसटीजीईएन-148-26-1 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्थैतिक सामान्य); एमडीजेडटीआई/भुली धनबाद में संलग्न स्केच प्लान में चिन्हित स्थान पर 120 वर्ग फीट (6 फीट x 20 फीट) क्षेत्रफल का रिटेल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव। एएफ/2; एमएसएस-एएसएन-आरएनजी-एसटीजीईएन-149-26-2 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्थैतिक सामान्य); रानीगंज स्टेशन में (क्षेत्रफल 120 वर्ग फीट) स्केच प्लान के अनुसार रिटेल स्टोर की स्थापना एवं संचालन। एएफ/3; एमएसएस-एएसएन-डीजीआर-एसटीजीईएन-137-26-2 (विविध-स्थैतिक-सेवाएं - स्थैतिक सामान्य); दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में रिटेल स्टोर की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सम्पूर्ण विवरण तथा अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-191/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हजारीबाग में भारतीय जनता पार्टी की प्रमंडलीय-प्रवासी कार्यकर्ता बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । भारतीय जनता पार्टी, हजारीबाग- प्रमंडल का प्रमंडलीय, मंडल- प्रवासी कार्यकर्ता का बैठक हजारीबाग स्थित पैराडाइज रिसॉर्ट में की गई ।बैठक में बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता, झारखंड सरकार के प्रथम मुख्यमंत्री व प्रतिपक्ष के नेता आदरणीय बाबूलाल मरांडी उपस्थिति थे ।हजारी बाग प्रमंडल के प्रभारी व प्रदेश महामंत्री श्री मनोज कुमार सिंह ,,प्रदेश मंत्री डॉ अमरदीप यादव भी विशिष्ट अतिथि के रूप मेंउपस्थित थे । प्रमंडलीय प्रवासी कार्यकर्ता बैठक में हजारीबाग ,रामगढ़, चतरा एवं कोडरमा जिला से बड़ी संख्या में मंडल प्रवासी कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।चारों जिला के मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मंडल प्रवासी ,जिला पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्य समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से की गई ।सभी जिलों से आए मंडल प्रवासी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी के मुखारविंद से किया गया। कार्यक्रम का संचालन हजारीबाग जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद एवं धन्यवाद ज्ञापन चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के द्वारा की गई। यह बैठक विशुद्ध रूप से सांगठनिक बैठक थी। पार्टी संगठन की न्यू की पत्थर कहा जाने वाला बूथ कमिटी का सशक्तिकरण, पंचायत/ शक्ति केदो का सत्यापन एवं पुनर्गठन मुख्य मुद्दा था ।पार्टी कार्यकताओं को सक्रिय कर सत प्रतिशत एस आई आर को सफल करना मुख्य उद्देश्य है ।ताकि अपेक्षित मतदाता का नाम छूट नहीं और आनापेक्षित व्यक्तियों का नाम जुड़े नहीं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-19-26, दिनांक 21.07.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के तहत 2000 से अधिक टीवीयू वाले बर्द्धमान-कटवा के बीच किमी 18 पर लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 11 तथा आजिमगंज-नलहाटी के बीच किमी 31/39-32/01 पर लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 12 के उन्नयन एवं इंटरलॉकिंग के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। कार्य की अनुमानित लागत : रु. 20,83,898.41; जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 41,700; निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य। कार्य समापन अवधि: एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 06 (छह) महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 12.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा खोला जाना: निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय खोली जाएगी। निविदा के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए निविदादातागण वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

(HWH-235/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हत्याकांड का खुलासा, डुमरी जंगल से नर कंकाल बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। गिरिडीह पुलिस ने लापता युवक के चर्चित मामले का उद्भेदन करते हुए डुमरी थाना क्षेत्र के बरहा जंगल से युवक का नर कंकाल बरामद किया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त बाइक, पत्थर समेत अन्य सामान भी जब्त किया है पुलिस के अनुसार, 1 जुलाई 2026 को पचंबा थाना क्षेत्र के सिरसिया निवासी हृदय नारायण सिंह ने अपने पुत्र शंकर कुमार सिंह उर्फ बिंदु (30) के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया था कि एक युवती से जुड़े विवाद के कारण कुछ लोगों ने उनके पुत्र का अपहरण कर लिया है। इस आधार पर पचंबा थाना में कांड संख्या 22/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डुमरी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (सीट) का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर देवघर जिले के पथरौल थाना क्षेत्र निवासी चंदन कुमार भेंगटा (32) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि युवती से विवाह को लेकर विवाद होने के कारण उसने शंकर कुमार सिंह की हत्या की। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह युवक को बहाने से मोटरसाइकिल पर बैठाकर डुमरी थाना क्षेत्र के बरहा जंगल ले गया, जहां पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी और शव को नाले में डालकर पत्थरों से ढंक दिया पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जंगल से मृतक का नर कंकाल, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, पत्थर, मृतक के कपड़े तथा एक चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

समाजसेवी भूदेव पाण्डेय का निधन

जमुई/चकाई/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चकाई प्रखंड अंतर्गत पेटार पहाड़ी पंचायत के महेशवरी गांव के वरिष्ठ समाजसेवी भूदेव पाण्डेय का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। वे लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे और अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व तथा समाज के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। ग्रामीणों के सुख-दुख में हमेशा आगे रहकर सहयोग करना उनकी पहचान थी। उनके निधन से गांव ने एक सम्मानित एवं प्रेरणादायक व्यक्तित्व को खो दिया है। अपने पीछे वे दो पुत्र, मुरारी पाण्डेय एवं जयकान्त पाण्डेय सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण, शुभचिंतक और गणमान्य लोग पहुंचे तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मुमताज वारसी (तूफान) को बनाया विधायक प्रतिनिधि

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड सरकार के मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने झामुमो नेता मुमताज वारसी (तूफान) को अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

नियुक्ति के बाद राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार मुमताज वारसी अब मंत्री सह विधायक के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की समस्याओं के समाधान, जनसंपर्क तथा विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। नियुक्ति पत्र की प्रति उपायुक्त (डीसी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) तथा उप विकास आयुक्त (डीडीसी), गिरिडीह को भी भेज दी गई है नियुक्ति पर खुशी जताते हुए मुमताज वारसी (तूफान) ने कहा कि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता और विधायक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना होगा।मुमताज वारसी ने इस अवसर पर झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय सिंह सहित पूरे संगठन का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

समस्तीपुर में 20 लाख की विदेशी शराब जप्त, चालक गिरफ्तार

समस्तीपुर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार के समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के झखरा गांव में पुलिस ने आज छापा मारकर एक पिकअप वैन पर लदे करीब 20 लाख रुपएं मूल्य की विदेशी शराब बरामद किया है एवं इस मामले में एक शराब तस्कर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने गुरुवार को यहां बताया कि गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के झखरा गांव निवासी दिलीप राय के परिसर में आज सुबह छापेमारी की गई और वहां से एक पिकअप पर लदे विभिन्न ब्रांडों की कुल 1 हजार 259 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के असबड़ा गांव निवासी वाहन चालक सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में अन्य संलिप्त शराबकारोंबारी की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बाइक विवाद में बड़े भाई ने की छोटे भाई की गला रेतकर हत्या

बेतिया, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। चंपारण जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के हाट सरैया वार्ड संख्या-02 में बाइक को लेकर हुए विवाद में बड़े भाई ने कथित रूप से छोटे भाई की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस एवं परिजनों के अनुसार, मृतक रहमतुल्लाह मियां के 18 वर्षीय पुत्र इब्राहिम मियां है। वह पेशे से बाइक मिस्त्री था। बताया गया कि इब्राहिम और उसके बड़े भाई असलम मियां के बीच लंबे समय से बाइक को लेकर विवाद चल रहा था और पूर्व में भी कई बार दोनों के बीच कहासुनी हो चुकी थी। गुरुवार की सुबह करीब 8:45 बजे बाइक को लेकर दोनों भाइयों के बीच फिर विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान गुस्से में असलम मियां ने चाकू से इब्राहिम के गले पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और परिजन उसे इलाज के लिए जीएमसीएच लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपित असलम मियां भी जीएमसीएच परिसर पहुंच गया, जहां लोगों ने उसे पहचान कर अस्पताल परिसर स्थित टीओपी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

घूस देने के बाद भी नहीं हुआ काम:200 रुपये लेने का दोबारा लगा आरोप

जमुई/झाझा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में जननी बाल सुरक्षा योजना (जेबीएसवाई) की राशि भुगतान को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया। एक सप्ताह पहले लाभुक से 200 रुपये लेने के आरोप में घिरे एफआरयू के लेखापाल नीलेश कुमार पर गुरुवार को फिर कमीशन लेने का आरोप लगा।भुगतान नहीं होने से नाराज दिव्यांग लाभुक ने अस्पताल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। घटना के बाद अस्पताल की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई।झाझा प्रखंड के टहवा बलियाडीह निवासी दिव्यांग मो. मेराज ने बताया कि उनकी पत्नी साजिया खातून का प्रसव 28 अगस्त 2025 को सीएचसी झाझा में हुआ था। प्रसव के बाद जेबीएसवाई की राशि के लिए मांगे गए सभी दस्तावेज और बैंक खाता विवरण उन्होंने जमा कर दिया। आरोप लगाया कि इस दौरान लेखापाल ने 200 रुपये भी लिए, लेकिन आज तक योजना की राशि उनके खाते में नहीं पहुंची। कई बार अस्पताल का चक्कर लगाने के बावजूद केवल आश्वासन मिलता रहा।गुरुवार को मो. मेराज ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवाब के समक्ष पूरी शिकायत रखी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग होने के बावजूद भुगतान के लिए लगातार अस्पताल बुलाया जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. नवाब ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक सप्ताह के भीतर जेबीएसवाई की राशि लाभुक के खाते में भेजने का आश्वासन दिया। वहीं, लेखापाल नीलेश कुमार ने सफाई देते हुए कहा कि भुगतान की प्रक्रिया लंबित रहने के कारण राशि जारी नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि इसी लेखापाल पर भलगोरी निवासी गोपाल तुरी ने एक सप्ताह पहले भी 200 रुपये लेने का आरोप लगाया था। उस मामले में विभाग ने स्पष्टीकरण भी मांगा था। दूसरा मामला सामने आने के बाद सीएचसी की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल उठने लगे हैं।मामले में अस्पताल प्रभारी डा.नवाब ने बताया कि पीड़ित के द्वारा मामले की जानकारी मिली है पूरे मामले की जांच की जाएगी व जल्द ही भुगतान कर दिया जाएगा।

रमटिया जंगल की सड़क गड्ढों में तब्दील, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें; दो साल से मरम्मत का इंतजार

जमुई/सोनो/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के करमटिया जंगल से दुबेडीह तक जाने वाली मुख्य सड़क इन दिनों बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर दोपहिया वाहन, टोटो और ऑटो से सफर करने वाले लोग हर दिन जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं।यह सड़क प्रखंड मुख्यालय को दर्जनों गांवों से जोड़ती है और कई पंचायतों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख मार्ग है। करमटिया जंगल मोड़ से दुबेडीह तक सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश के दिनों में इन गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। चपरी गांव के मणिकांत कुमार, दिनेश यादव, सुनील यादव तथा दुबेडीह गांव के चंदन यादव, उदय यादव और सुभाष यादव सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की यह बदहाल स्थिति करीब दो वर्षों से बनी हुई है। उनका आरोप है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू तो किया गया, लेकिन संवेदक अधूरा काम छोड़कर चला गया। इसके बाद से न तो निर्माण कार्य पूरा हुआ और न ही सड़क की मरम्मत कराई गई।ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। लोगों ने संबंधित विभाग से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि संभावित बड़े हादसों को रोका जा सके और आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती मनायी गयी

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती वृहस्पतिवार को नीचे चौंक में मनाई गई। कार्यक्रम में अमर शहीद के चित्र माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। आयोजन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस विश्व मित्र संघ द्वारा किया गया।संघ के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे निडर और प्रमुख क्रांतिकारी थे।

उनका पूरा जीवन देश की आजादी के लिए समर्पित रहा। मुरहू के समाजसेवी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि स्वतंत्रता के पुरोधा चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा गांव में एक सामान्य परिवार में हुआ।ये चौदह वर्ष की आयु में ही भागकर काशी चले आए, और एक संस्कृत पाठशाला में अध्ययन किया। देशभक्ति इनके रग-रग में भरी थी। चन्द्र शेखर आजाद स्वतंत्रता की लड़ाई में सन 1921में गांधी जी के असहयोग आंदोलन में कूद पड़े , जिसमें गिरफ्तार कर लिए गए। मजिस्ट्रेट के सामने इन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेल बताया।तब से इन्हें आजाद की उपाधि मिली। आजादी के लिए विभिन्न गतिविधियों में शामिल रहे, लड़ते रहे। प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में 27फरवरी1931को एक बैठक के दौरान अंग्रेजी हुकूमत ने इनपर हमला कर दिया।

ये अपने साथियों को बचाते हुए , खुद दुश्मनों से लोहा लेते रहे, लड़ते हुए ही अंत में अपने आखिरी बचे गोली से खुद को शहीद कर दिया। इनकी कुबार्नी को देश कभी नहीं भूल सकता है।

ऐसे ही बलिदानियों के बलिदानों से हम आज स्वतंत्र देश में सुरक्षित हैं। इन्हें बारंबार प्रणाम करते हैं, अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र पांडे, तुलसी प्रजापति, ध्रुवेन्द्र भास्कर, राधेश्याम भगत, विष्णु देव चौधरी, रामहरि साव मनु साव, हरिद्वार ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने दुग्ध शीतक केंद्र एवं संरक्षित फूलों की खेती का किया निरीक्षण

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने आज जिले के दुग्ध शीतक केंद्र एवं संरक्षित फूलों की खेती का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उपायुक्त ने माहिल स्थित दुग्ध शीतक केंद्र का जायजा लेते हुए प्रतिदिन किसानों से प्राप्त होने वाले दूध की मात्रा, दूध की गुणवत्ता, किसानों को किए जाने वाले भुगतान, दूध की प्रोसेसिंग व्यवस्था एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारी तथा किसानों ने उन्हें विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जिले में दुग्ध उत्पादन एवं विपणन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अतिरिक्त दुग्ध शीतक केंद्र खोलने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके उपरांत उपायुक्त ने क्षेत्र के किसानों की गौशालाओं का निरीक्षण कर पशुओं के रख-रखाव, टीकाकरण, टैगिंग एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारी को सभी पशुओं का समयबद्ध टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसानों ने बताया कि वे दुग्ध शीतक केंद्र में दूध उपलब्ध कराने के साथ-साथ दूध से पनीर, घी एवं अन्य दुग्ध उत्पाद तैयार कर स्थानीय बाजारों एवं विभिन्न प्रतिष्ठानों में बिक्री कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। किसानों ने इस पहल से अपनी आय में हुई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उपायुक्त ने गोबर गैस प्लांट का भी निरीक्षण किया तथा इसके बेहतर संचालन की समीक्षा की।

झारखंड से आ रही 811 बोतल विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद

दो तस्कर गिरफ्तार, सप्लायरों की तलाश तेज

जमुई/सिकंदरा. नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शराब तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान में सिकंदरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतीश सुमन के नेतृत्व में 22 एवं 23 जुलाई को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 41 कार्टन में रखी 811 बोतल (354.585 लीटर) विदेशी शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य खेप से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है। एसडीपीओ सतीश सुमन ने गुरुवार को सिकंदरा थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि सिकंदरा-नवादा रोड स्थित मां शुभ लक्ष्मी पेट्रोल पंप के समीप एक ऑल्टो कार से 20 कार्टन में 346 बोतल (174.75 लीटर) विदेशी शराब जब्त की गई। इस दौरान धनबाद निवासी सुमित कुमार वर्मा तथा गिरिडीह निवासी मोहम्मद खुर्शीद अंसारी को गिरफ्तार किया गया। वहीं, सिकंदरा-शेखपुरा रोड पर एक वैगनआर कार से 21 कार्टन में 465 बोतल (179.835 लीटर) विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार दोनों खेप झारखंड से बिहार लाई जा रही थी। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ में शराब की आपूर्ति लेने वाले लोगों के नाम सामने आए हैं। उनकी पहचान कर ली गई है और शीघ्र गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। अभियान में थानाध्यक्ष विकास कुमार, अंचल निरीक्षक स्वयंप्रभा, जिला आसूचना इकाई एवं सिकंदरा थाना के पुलिस पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट ने मनाया 7वां स्थापना दिवस

चार्टर नाइट कार्यक्रम संपन्न

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट के 7वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को लायन सतेन्द्र सिंह के आवास पर चार्टर नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन ने की, जबकि संचालन लायन राहुल कृष्णा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश उपस्थित रहे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में लायन राहुल बर्मन ने बताया कि क्लब इस वर्ष वृक्षारोपण, मेगा हेल्थ चेकअप कैंप और ट्रैफिक जागरूकता अभियान को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि खंडोली जलाशय के आसपास 1000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट हमेशा से सामाजिक सेवा और मानव कल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से समाजसेवा के लिए समय निकालकर सक्रिय योगदान देने की अपील की मुख्य अतिथि लायन धर्म प्रकाश ने क्लब की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि यह रीजन-5 का एक मजबूत और सक्रिय क्लब है तथा इस वर्ष डिस्ट्रिक्ट 322अ में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

क्लब के सचिव लायन डॉ. सुमन कुमार ने जानकारी दी कि 26 जुलाई को सिरसिया (गिरिडीह) में रीजन-5 के 13 क्लबों के पदाधिकारियों की स्कूलिंग एवं क्लब का पदस्थापना समारोह आयोजित होगा। समारोह का उद्घाटन झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू करेंगे, जिसमें डिस्ट्रिक्ट 322अ के कई पदाधिकारी भी शामिल होंगे कोषाध्यक्ष लायन मसरूर आलम सिद्दीकी ने सभी सदस्यों से 26 जुलाई के कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यक्रम की मेजबानी लायन सतेन्द्र सिंह ने की इस अवसर पर लायन दशरथ प्रसाद, लायन सुनील कुमार, लायन उदय भदानी, लायन डॉ. ज्ञान प्रकाश, लायन डॉ. दीपक कुमार, लायन अरुण कुमार साव, लायन राहुल कुमार, लायन गौतम सागर, लायन मुकेश आनंद, लायन शत्रुध्न सिंह, लायन रंजीत कुमार सिन्हा, लायन विश्वजीत सिंह, लायन गुंजन कुमार शर्मा, लायन लक्ष्मीकांत साव सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

डीएम ने सिमुलतला आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

● नए इंफ्रास्ट्रक्चर एवं विकास कार्यों ली जानकारी

जमुई, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गुरुवार को डीएम ने सिमुलतला आवासीय विद्यालय, निरीक्षण किया गया तथा विद्यालय के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस निरीक्षण के क्रम में डीएम द्वारा विद्यालय परिसर में प्रस्तावित विभिन्न विकास योजनाओं एवं वर्तमान में संचालित निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में नए प्रशासनिक भवन के निर्माण, अत्याधुनिक खेल के मैदान तथा सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों के लिए ओपन एयर थिएटर के निर्माण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही परिसर स्थित पुराने भवनों के जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण के कार्यों को समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम द्वारा चलाए जा रहे निमार्णाधीन कार्यों की भौतिक प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अभियंताओं को निर्माण कार्य में तेजी लाने का स्पष्ट निर्देश दिया गया। मौके पर डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन सिमुलतला आवासीय विद्यालय के स्वर्णिम इतिहास और इसकी विशिष्ट पहचान को और अधिक समृद्ध करने के लिए पूर्णतः संकल्पित एवं प्रतिबद्ध है। आगे उन्होंने कहा कि यहाँ अध्ययनरत बच्चों को एक उत्कृष्ट, सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक परिवेश उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यालय के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के सुदृढ़ीकरण से लेकर समग्र शैक्षणिक व्यवस्था में गुणात्मक एवं व्यापक सुधार हेतु हर संभव प्रशासनिक कदम तत्परता से उठाए जा रहे हैं।इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी जमुई, भूमि सुधार उप समाहर्ता जमुई, सिमुलतला आवासीय विद्यालय के प्राचार्य, पंकज सिन्हा, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता उपस्थित थे। डीएम ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मानकों से कोई समझौता न किया जाए ताकि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट एवं सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराया जा सके।

झाझा स्टेशन पर दो शातिर चोर गिरफ्तार, महिला यात्री के जेवरात से भरा बैग बरामद

जमुई/झाझा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला यात्री का सोना-चांदी के जेवरात से भरा बैग चोरी कर भाग रहे दो आरोपितों को रेल पुलिस ने झाझा स्टेशन पर धर दबोचा। पुलिस ने चोरी गया बैग और उसमें रखे सभी जेवरात भी सुरक्षित बरामद कर लिए।रेल थानाध्यक्ष मधुसूदन कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 13331 अप धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस के एस-5 कोच की सीट संख्या 26 पर सवार महिला यात्री धनबाद से अपने मायके बड़हिया जा रही थीं। यात्रा के दौरान दो युवकों ने उनका जेवरात से भरा बैग चोरी कर लिया और झाझा स्टेशन पर उतरकर भागने का प्रयास किया। प्लेटफार्म पर तैनात रेल पुलिस की सतर्कता से दोनों को बैग सहित तत्काल पकड़ लिया गया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद हैदर (पिता- मोहम्मद उस्मान) तथा मोहम्मद हैदर (पिता- स्व. मोहम्मद इस्माइल) के रूप में हुई है। दोनों मुंगेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित मिन्नत नगर के निवासी हैं।रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध रेल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हाथों की मेहंदी फीकी भी न हुई थी मौत ने छीन लिया जीवन

जमुई/झाझा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झाझा-गिद्धौर मुख्य रेलखंड के केशोपुर स्थित भवरवा पुल के समीप पोल संख्या 374/30 पास गुरुवार की सुबह डाउन रेलवे ट्रैक के किनारे में एक विवाहिता का शव मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। महज तीन माह पहले जिस हाथों की मेहंदी की रंगत भी फीकी नहीं पड़ी थी,उसी नवविवाहिता ढिबा गांव निवासी अमरेंद्र रावत की पुत्री नेहा कुमारी (20)की संदिग्ध मौत ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है।गुरुवार सुबह सात बजे जैसे ही ग्रामीणों की नजर रेलवे पटरी के किनारे पड़े बेजान शरीर पर पड़ी, चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। झाझा पुलिस और रेल पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। चूंकि शव रेलवे सीमा से बाहर था, इसलिए एसडीपीओ राजेश कुमार और थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल से बारीकी से साक्ष्य जुटाए।नेहा की शादी तीन महीने पहले ही धमना गांव निवासी भूषण रावत के पुत्र अभिमन्यु रावत (मन्नू) से हुई थी। लेकिन इस हंसते-खेलते रिश्ते का ऐसा दर्दनाक अंत होगा किसी ने सोचा न था।वही मृतिका की मौसी परासी निवासी नीलम देवी ने सिसकते हुए बताया कि मंगलवार को काली पूजा के निमंत्रण पर नेहा और उसका पति घर आए थे।

बुधवार शाम दोनों वहां से निकले। फिर उसी रात दामाद का फोन आया कि नेहा कमरे में नहीं है और गायब है। इसके बाद गुरुवार सुबह उसकी लाश मिलने की दिल दहला देने वाली खबर आई। मृतका की सास रिया देवी का भी यही कहना है कि बेटे ने रात में आकर नेहा के गायब होने की बात कही थी। मायके वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोकतंत्र पर हमला कर रही भाजपा : प्रभाकर झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष प्रभाकर झा के नेतृत्व में काली पट्टी बांधकर जन आक्रोश प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर हुए कथित लाठीचार्ज तथा विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस सांसदों के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के विरोध में आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यालय से निकला जुलूस धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाते हुए भगत सिंह चौक से प्रजातंत्र चौक पहुंचा। वहां बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन करने के बाद नुक्कड़ सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रभाकर झा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं और विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग और विपक्षी नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने भी सरकार पर संविधान की भावना की अनदेखी करने तथा छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। सभा के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी को तीन सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा में हुई अनियमितताओं एवं व्यवस्थागत विफलताओं पर संसद में तत्काल चर्चा तथा नई दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान छात्रों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी प्राथमिकी एवं आपराधिक मामलों को वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शन में प्रदेश डेलिगेट बलिराम सिंह, अरुण कुमार, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोज कुमार, इंटक जिलाध्यक्ष मनीष कुमार, उपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

नगर परिषद नवादा में तीन सदस्यीय जांच दल ने दर्ज किया बयान, मुख्य पार्षद व उप मुख्य पार्षद से हुई पूछताछ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नगर परिषद नवादा में बोर्ड की बैठकों के संचालन, नियमों के पालन और विभिन्न प्रशासनिक मामलों को लेकर दिए गए आवेदन के बाद गुरुवार को तीन सदस्यीय अधिकारियों का दल नगर परिषद कार्यालय पहुंचा। अधिकारियों की टीम ने मामले से जुड़े वादी और प्रतिवादी पक्ष का बयान दर्ज किया तथा संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की भी जानकारी ली। जांच के क्रम में अधिकारियों ने नगर परिषद की मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी और उप मुख्य पार्षद कंचन विश्वकर्मा का बयान दर्ज किया। इसके अलावा आवेदन देने वाली वार्ड पार्षदों से भी मामले के संबंध में जानकारी ली गई। आवेदन में वार्ड पार्षदों द्वारा नगर परिषद बोर्ड की बैठकों के आयोजन, बैठक की अध्यक्षता तथा संबंधित नियमों के अनुपालन को लेकर सवाल उठाए गए हैं। प्राप्त आवेदन में वार्ड पार्षदों ने आरोप लगाया है कि बिहार नगर पालिका अधिनियम, 2007 की धारा 48 के प्रावधानों के अनुरूप बोर्ड की नियमित बैठकें नहीं हो रही हैं। आवेदन में बोर्ड की बैठकों की संख्या और बैठक संचालन से संबंधित कई बिंदुओं का उल्लेख करते हुए मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।आवेदन देने वाली वार्ड पार्षदों में रीना कुमारी (वार्ड संख्या 21) सहित अन्य पार्षदों के नाम भी दर्ज हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि बोर्ड की बैठकों में नियमों के अनुपालन को लेकर स्थिति स्पष्ट की जाए और संबंधित अभिलेखों की जांच की जाए। वहीं, अधिकारियों के दल द्वारा वादी और प्रतिवादी दोनों पक्षों का बयान दर्ज किए जाने के बाद अब मामले की जांच रिपोर्ट पर नजरें टिकी हैं। जांच के दौरान अधिकारियों ने उपलब्ध दस्तावेजों, बैठक पंजी और अन्य संबंधित अभिलेखों की जानकारी भी ली है। माना जा रहा है कि सभी पक्षों के बयान और दस्तावेजों की समीक्षा के बाद जांच दल अपनी रिपोर्ट सक्षम पदाधिकारी को सौंपेगा। नगर परिषद से जुड़े इस मामले को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। अब जांच के निष्कर्ष और अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होने की संभावना है।

दो पंचायतों की खींचतान में घुट रहा अमावां, गंदे नाले के पानी में पढ़ने जा रहे छात्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड के अमावां गांव में पंचायती व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों की आपसी खींचतान ने पूरे परिसीमन क्षेत्र के विकास को ठप कर दिया है। अमावां पश्चिमी और पूर्वी पंचायत की सीमा विवाद और नाले की सफाई को लेकर दोनों मुखियाओं की सियासी लड़ाई का खामियाजा यहां के आम ग्रामीण, महिलाएं और स्कूली बच्चे भुगत रहे हैं। अमावां बस स्टैंड से बाजार और पूजा स्थलों तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर नाले का बदबूदार पानी सरेआम बह रहा है। महीनों से नाले की सफाई नहीं होने से जलजमाव की स्थिति भयावह हो गई है। लोगों को रोजाना घुटने भर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, लेकिन प्रशासनिक अमला मौन है। इस बदहाली का सबसे ज्यादा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा है। प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं कोचिंग और स्कूल इसी रास्ते से जाते हैं। अमावां की छात्रा ब्यूटी कुमारी ने बताया कि नाले के ऊपर बने पतले किनारों पर चढ़कर जाना पड़ता है, हर पल गिरने का डर रहता है। आमहदी गांव की सरिता कुमारी ने कहा कि मजबूरी में काले और बदबूदार पानी में पैर रखकर सड़क पार करनी पड़ती है। कुछ दिन पहले उनकी कॉपियां और किताबें पानी में गिरकर पूरी तरह खराब हो गई। स्थानीय लोगों नवलेश और सतीश कुमार के अनुसार जलजमाव की मुख्य वजह परिसीमन का उलझाव है। यह नाला पश्चिमी पंचायत से शुरू होकर पूर्वी से गुजरते हुए फिर पश्चिमी में गिरता है। पूर्वी मुखिया पति उमेश चौधरी का कहना है कि मुख्य नाला पश्चिमी का है तो सफाई भी वहीं कराए। वहीं पश्चिमी मुखिया उपेंद्र यादव का तर्क है कि पूर्वी पंचायत सहयोग करे तभी वे सफाई कराएंगे। इसी ईगो फाइट के कारण नाला गाद और कचरे से पट गया है। इस रास्ते से जुड़े 150-200 घरों के लोग प्रभावित हैं। शिवाला मंदिर और संगत जाने वाली महिलाओं को पवित्रता ताक पर रखकर गंदे पानी में से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बीडीओ को लिखित शिकायत भी दी थी। बीडीओ संजीव झा ने बताया कि दोनों पंचायतों के मुखिया और सचिव को आपसी समन्वय बनाकर नाले की उड़ाही जल्द कराने का निर्देश दिया गया है। ग्रामीणों ने चेताया है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की डीएम-एसपी ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। स्वतंत्रता दिवस 2026 समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी रवि प्रकाश और पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, प्रभातफेरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और अन्य तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को प्रभातफेरी में भाग लेने वाले विद्यालयों का चयन कर समय पर आयोजन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के लिए पेयजल, ओआरएस और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। नगर परिषद को हरिश्चंद्र स्टेडियम, पहुंच पथों और नालियों की सफाई, चूना छिड़काव तथा महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण की व्यवस्था करने को कहा गया। भवन निर्माण विभाग को बैरिकेडिंग, ध्वजदंड की मरम्मत और मंच की तैयारी समय पर पूरी करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य समारोह का सोशल मीडिया, फेसबुक लाइव और केबल टीवी के माध्यम से प्रसारण कराने, स्टेडियम में वॉटरप्रूफ पंडाल और पर्याप्त बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। संध्या में नगर भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा हरिश्चंद्र स्टेडियम में प्रशासन और आमजन के बीच मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित होगा। वहीं महादलित टोलों में भी जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण कराया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

नवोदय विद्यालय के शिक्षकों ने चलाया नामांकन जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिसुआ। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय रेवार में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा छह में नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही विद्यालय के शिक्षकों ने जागरूकता अभियान चलाया। नरहट बीआरसी के मो. ताबिश एजाज एवं अलका कुमारी के मार्गदर्शन में शिक्षकों की टीम ने प्रखंड के विभिन्न प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों का दौरा कर कक्षा पांच के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी-2027) की विस्तृत जानकारी दी। शिक्षकों ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है, जबकि परीक्षा 28 नवंबर 2026 को आयोजित होगी। आवेदन केवल नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों को पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी नवादा जिले का निवासी हो, सत्र 2026-27 में कक्षा पांच में अध्ययनरत हो तथा उसकी जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच होनी चाहिए। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को नवोदय विद्यालय में निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अंतिम तिथि से पहले आवेदन कराने की अपील की। इस दौरान बीआरसी के संजय कुमार, रामानंद कुमार, राजेश कुमार, सुरेंद्र पासवान और राकेश कुमार मौजूद रहे।

एक नजर

मतदाता सूची पुनरीक्षण में तेजी लाने का निर्देश

कौआकोल। प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को सभी बीएलओ की दो शिफ्टों में बैठक हुई। अध्यक्षता बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार ने की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शिता और गंभीरता से पूरा करने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि डीएसई सहित विभिन्न श्रेणी के चिन्हित मतदाताओं का नियमानुसार सत्यापन कर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आवश्यक विलोपन की कार्रवाई की जाए। दो स्थानों पर दर्ज मतदाताओं का नाम एक स्थान से हटाने, नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा मृत एवं स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने को कहा। बैठक में जयप्रकाश मेहता, अरुण कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

25 जुलाई को लगेगा रोजगार मेला

नवादा। जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर द्वारा 25 जुलाई को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आईटीआई) परिसर में एकदिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी सुनील कुमार सुमन ने बताया कि आमफेन प्रा. लि., पटना सीनियर एसोसिएट एवं असेंबली ऑपरेटर के 50 पदों पर भर्ती करेगी। अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं या स्नातक तथा आयु 18 से 35 वर्ष निर्धारित है। कार्यस्थल पैन इंडिया होगा। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक प्रमाणपत्र, बायोडाटा और फोटो के साथ सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित कैंप में भाग ले सकते हैं। एनसीएस पोर्टल पर निबंधन अनिवार्य होगा। बिना निबंधन वाले अभ्यर्थी पहले जिला नियोजनालय में पंजीकरण करा सकते हैं।

'सखी वार्ता' में छात्राओं को सुरक्षा व कानूनी अधिकारों की जानकारी

नवादा। मिशन शक्ति के तहत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोरमा (रोह) में गुरुवार को 'सखी वार्ता' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा, लैंगिक समानता और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने पॉक्सो अधिनियम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर बुलिंग, बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक उत्पीड़न जैसे विषयों पर जानकारी दी। छात्राओं को किसी भी प्रकार के शोषण या हिंसा की स्थिति में बिना डर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा डिजिटल सुरक्षा और आत्मरक्षा के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में लैंगिक विशेषज्ञ मयंक प्रियदर्शी, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ पंकज कुमार, अमन कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रजौली इंटर विद्यालय में अनुशासन और सुरक्षा पर सख्ती

रजौली। पठन-पाठन और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रजौली इंटर विद्यालय प्रशासन ने परिसर में कड़े नियम लागू किए हैं। प्रधानाचार्य आशुतोष कुमार प्रधान ने कहा कि अब विभागीय अनुमति के बिना किसी भी बाहरी व्यक्ति या आगंतुक को विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। प्रधानाचार्य ने स्पष्ट किया कि विद्यालय में अनुशासन और शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए बिना अनुमति बाहरी लोगों का प्रवेश, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और अन्य अनावश्यक उपकरण लाने एवं निर्धारित विद्यालयी पोशाक के बिना आने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि "बाहरी लोगों की अनावश्यक आवाजाही से पढ़ाई प्रभावित होती है और बच्चों का ध्यान भटकता है। शिक्षकों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए यह कदम जरूरी था।" विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजें और शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रधानाचार्य का मानना है कि नियमित उपस्थिति से ही छात्र पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई कर बेहतर परिणाम दे सकेंगे। शिक्षा विभाग और अभिभावकों ने इस निर्णय की सराहना की है। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यदि इन नियमों को संवेदनशीलता और उचित व्यवस्था के साथ लागू किया जाए तो इससे विद्यालय की गरिमा और अनुशासन दोनों में वृद्धि होगी। प्रधानाचार्य आशुतोष प्रधान ने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आठ वर्षों से बिना छात्रों के वीरान पड़ा महवाचक प्राथमिक विद्यालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हरनौत। प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय महवाचक पिछले आठ वर्षों से बिना छात्रों के संचालित हो रहा है। वर्ष 2018 से विद्यालय में एक भी छात्र का नामांकन नहीं हुआ है। छात्र नहीं होने के कारण यहां पदस्थापित शिक्षकों को भी दूसरे विद्यालयों में प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। अब गांव के बीच स्थित दो मंजिला विद्यालय भवन पर ताला लटका है और परिसर झाड़-झंखाड़ से भर गया है।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि वर्ष 1980 में स्थापित इस विद्यालय में पहले 50 से 60 छात्र नामांकित रहते थे। वर्ष 2014 में गांव सड़क से जुड़ने के बाद अभिभावकों ने बच्चों का नामांकन आसपास के बड़े विद्यालयों में कराना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे छात्र संख्या घटती गई और 2018 में नामांकन पूरी तरह शून्य हो गया। सरकार की विभिन्न योजनाओं और नामांकन अभियान के बावजूद स्थिति नहीं बदली।महवाचक गांव में लगभग 70-75 परिवार हैं। अधिकांश परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए दूसरे गांवों या शहरों का रुख कर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बने विद्यालय भवन का उपयोग पुस्तकालय, कौशल प्रशिक्षण केंद्र, आंगनबाड़ी, डिजिटल शिक्षा केंद्र या अन्य सरकारी कार्यों के लिए किया जाना चाहिए।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नितेश कुमार रंजन ने बताया कि बच्चों का नामांकन बढ़ाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। छात्र नहीं होने के कारण पिछले दो वर्षों से विद्यालय के सभी शिक्षकों को उत्क्रमित मध्य विद्यालय, छतियाना में प्रतिनियुक्त किया गया है। विद्यालय की मौजूदा स्थिति शिक्षा व्यवस्था और सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

सीएमआर आपूर्ति में सुस्ती पर डीएम सख्त

एक सप्ताह में 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिला पदाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान अधिप्राप्ति के विरुद्ध कस्टम मिल्ड राइस आपूर्ति की प्रखंडवार समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।समीक्षा में बताया गया कि जिले में सीएमआर आपूर्ति का औसत 93.82 प्रतिशत है, जबकि करायपरशुराय 77.75 प्रतिशत, रहुई 80.54 प्रतिशत, बेन 84.23 प्रतिशत, गिरियक 85.93 प्रतिशत, कतरीसराय 86.49 प्रतिशत, परवलपुर 87.81 प्रतिशत, इस्लामपुर 90.19 प्रतिशत और एकंगरसराय 90.56 प्रतिशत की प्रगति जिला औसत से कम है। वहीं एकसारा पैक्स पर 16, बौरीडीह पर 8.56, बरदाहा व बेरथू पर 7-7, उत्तरनावां पर 7, धुरगांव पर 6.5, करायपरशुराय पर 5.65 तथा रहुई पैक्स पर 5.53 लॉट सीएमआर लंबित है।धीमी प्रगति पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताते हुए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को पैक्स अध्यक्षों, मिलरों और बीसीओ के साथ बैठक कर लंबित आपूर्ति शीघ्र पूरी कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लक्ष्य प्राप्ति में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।डीएम ने सभी सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को प्रत्येक प्रखंड के लिए दैनिक लक्ष्य तय कर अभियान मोड में कार्य करने तथा एक सप्ताह के भीतर 100 प्रतिशत सीएमआर आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी,

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

बिहारशरीफ। सोहसराय थाना क्षेत्र के आशा नगर मोहल्ले में बुधवार देर रात 34 वर्षीय कविता कुमारी का शव घर के किचन में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। मृतका के पति शंभू रजक पंजाब नेशनल बैंक में प्रबंधक हैं और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के वर्धमान में पदस्थापित हैं।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: एलआरसी_कैम्पिंग_कोच_आरएसपी-टी, दिनांक 21.07.2026; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एलएचबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए वित्तीय एवं तकनीकी रूप से सक्षम निविदाताओं से ऑनलाइन ई-निविदाएं (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** आईसीएफ कोचों का एसी कैम्पिंग कोचों में रूपांतरण। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 22,07,57,228.48। **बयाना राशि:** रु. 44,15,200। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 11.08.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण जहां निविदा के परिपूर्ण विवरण के उपलब्ध है: www.ireps.gov.in** निविदा सूचना के प्रकाशन के उपरांत प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, के लिए निविदाताओं को नियमित रूप से आईआरईपीएस पोर्टल देखने की सलाह दी जाती है। (MISC-112/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

शिकायत पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

फ्लाईओवर से बालू हटाया और गांव में बहाल हुई नल-जल आपूर्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जनसुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने दो महत्वपूर्ण मामलों का निष्पादन कर दिया है। बिहारशरीफ नगर निगम ने भरावपर फ्लाईओवर पर बिखरे बालू की तत्काल सफाई कर संभावित दुर्घटना की आशंका को समाप्त कर दिया, वहीं हरनौत प्रखंड के बीरमपुर गांव में बंद पड़ी नल-जल योजना की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी गई।उप नगर आयुक्त ने बताया कि दैनिक पत्र से मिली शिकायत को गंभीरता से लेते हुए फ्लाईओवर का निरीक्षण कराया गया। जांच के बाद वहां बिखरे बालू एवं अन्य अवशेषों की पूरी तरह सफाई कराई गई। कार्रवाई की पुष्टि के लिए जीपीएस युक्त फोटोग्राफ जिला जन शिकायत निवारण कोषांग को भेजे गए हैं। नगर निगम ने नागरिकों से जनसुविधा संबंधी समस्याओं की सूचना प्रशासन को देने की अपील की है।दूसरी ओर, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, बिहारशरीफ ने बीरमपुर गांव में नल-जल योजना बंद होने की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोटर की मरम्मत कर अगले ही दिन जलापूर्ति सामान्य कर दी। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि अब गांव में नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है तथा भविष्य में ऐसी समस्या न हो, इसके लिए योजना की सतत निगरानी भी की जाएगी। विभाग ने कहा कि पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भागनबीघा महादेवी स्थान में 24 घंटे की अखंड कीर्तन शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रहुई प्रखंड के भागन बीघा बाजार स्थित महादेवी स्थान में आषाढ़ी पूजा के अवसर पर गुरुवार को 24 घंटे के अखंड कीर्तन का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जदयू के राष्ट्रीय महासचिव इंजीनियर सुनील कुमार एवं पैठना पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार पिंकू ने फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने मंदिर की परिक्रमा करते हुए हरिनाम संकीर्तन और भजन-कीर्तन में भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार पिंकू ने बताया कि आषाढ़ी पूजा के तहत एक दिन पहले कुमारी कन्याओं और महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई थी। दूसरे दिन आयोजित 24 घंटे के अखंड कीर्तन में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। इंजीनियर सुनील कुमार ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजन गांव, पंचायत और जिले में सुख, शांति तथा समृद्धि का संदेश देते हैं। उन्होंने प्रत्येक गांव और पंचायत में इस प्रकार के आयोजनों को बढ़ावा देने की अपील की।मौके पर प्रखंड प्रमुख बाबू रामलाल, पूर्व मुखिया जीवेश कुमार यादव, राकेश मुखिया, सालन महतो सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

मालदा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में विविध श्रेणियों की उपार्जन संविदाएं प्रदान करना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, पूर्व रेलवे, मालदा मंडल, मालदा टाउन कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (प.बं.) (नीलामी संचालन अधिकारी) द्वारा मालदा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में एसी वेटिंग लाउंज, विश्रामालय एवं डोरमिटोरियों, एटीएम, मेडिकल स्टोर, सैलोन, मोबाइल स्टोर, रिटेल स्टोर, विज्ञापन (ओओएच, आरडीएन-नॉन-डिजिटल, आईपीआईएस) के लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया गया है।

• **नीलामी सूचीपत्र सं. एसीएल-एमएलडीटी-28, • नीलामी शुरू होने की तारीख: 06.08.2026 को 11:00:00 बजे। •एसी वेटिंग लाउंज एवं विश्रामालय एवं डोरमिटोरी: सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; श्रेणी; स्टेशन: एए/1,** पीएनयू-एमएलडीटी-एसबीओ-डब्ल्यूआरएल-57-26-1; एसीडब्ल्यूएल; सबौर। **एए/2,** पीएनयू-एमएलडीटी-पीपीटी-डब्ल्यूआरएल-47-25-1; एसीडब्ल्यूएल; पिरपैंती। **एए/3,** पीएनयू-एमएलडीटी-एसजीजी–डब्ल्यूआरएल-62-26-1; आरआर एवं डोरमिटोरी; सुल्तानगंज।

• **नीलामी सूचीपत्र सं.: एटीएम-2026-16, • नीलामी शुरू होने की तारीख: 30.07.2026 को 11:15:00 बजे। •गोड्डा स्टेशन में एटीएम: सिक्वेंस सं.: एए/1; लॉट सं./श्रेणी:** एटीएम-एमएलडीटी-जीओडीए-जीईएन-49-26-1; **स्टेशन:** गोड्डा।

• **नीलामी सूचीपत्र सं.: मिस्ले-एमएलडीटी-28, • नीलामी शुरू होने की तारीख: 06.08.2026 को 11:00:00 बजे। • मालदा मंडल के तहत विविध-स्थैतिक श्रेणी: सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; श्रेणी; स्टेशन: एए/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एसजीजी-एमईडीएसटीएन-20-25-2; मेडिकल स्टोर; सुल्तानगंज। **एबी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-एसएस-53-25-1; सैलोन; बड़हरवा। **एसी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एसजीजी-मोबस्टोर-43-25-1; मोबाइल स्टोर; सुल्तानगंज। **एसी/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-मोबस्टोर-54-25-1; मोबाइल स्टोर; मालदा टाउन। **एडी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एसबीजी-एसटीजीईएन-78-26-2; रिटेल स्टोर; साहिबगंज। **एडी/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-एसटीजीईएन-79-26-2; रिटेल स्टोर; बड़हरवा। **एडी/3,** एमएसएस-एमएलडीटी-एसजीजी-एसटीजीईएन-85-26-2; रिटेल स्टोर; सुल्तानगंज। **एडी/4,** एमएसएस-एमएलडीटी-जेएमपी-एसटीजीईएन-84-26-2; रिटेल स्टोर; जमालपुर।

• **नीलामी सूचीपत्र सं.: एडीवीटी-एमएलडीटी-27, • नीलामी शुरू होने की तारीख: 07.08.2026 को 11:00:00 बजे। • मालदा मंडल के तहत विज्ञापन बोर्ड (ओओएच, आरडीएन-नॉन-डिजिटल, आईपीआईएस): सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; श्रेणी; स्टेशन: एए/1;** एडीवीटी-एमएलडीटी-जेएमपी-ओएच-228-26-1; ओओएच; जमालपुर। **एबी/1;** एडीवीटी-एमएलडीटी-एसबीजी-ओएसडी-227-26-1; आईपीआईएस; साहिबगंज। **एसी/1;** एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसएन-202-26-1; ओएसएन; मालदा टाउन। **एसी/2;** एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-209-24-1; ओएसएन; भागलपुर। **एडी/1;** एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएसएन-144-22-1; ओएसएन; भागलपुर। **एडी/2;** एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसएन-229-26-1; ओएसएन; मालदा टाउन, **एडी/3;** एडीवीटी-एमएलडीटी-जेएमपी-ओएसएन-231-26-1; ओएसएन; जमालपुर। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-140/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

प्राथमिक विद्यालय मखदुमपुर में शिक्षकों पर मनमानी का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बेन प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मखदुमपुर की प्रधान शिक्षिका ने विद्यालय में कार्यरत कुछ शिक्षकों पर अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उन्होंने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई तथा अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रधान शिक्षिका के अनुसार विद्यालय में एक ही परिवार के पांच शिक्षक पदस्थापित हैं, जिनमें पति-पत्नी समेत अन्य पारिवारिक सदस्य शामिल हैं। आरोप है कि ये शिक्षक कक्षा संचालन के दौरान एक साथ बैठकर बातचीत करते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। शिक्षण कार्य और विद्यालयी व्यवस्था का पालन करने के निर्देश देने पर वे आदेशों की अनदेखी करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई बार उनके लिखित निर्देशों को भी फाड़ दिया गया। प्रधान शिक्षिका का कहना है कि महिला होने के कारण उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई है कि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना भी हो सकती है। उन्होंने नियोजित शिक्षिका सुलेखा कुमारी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार संबंधित शिक्षिका विद्यालय पहुंचने के बाद अक्सर कक्षा में सो जाती हैं। टोकने पर कथित रूप से कहती हैं, "हम सोएंगे, आप क्या कर लेंगी?"

नीट पेपर लीक और दिल्ली पुलिस कार्रवाई के विरोध में दूसरे दिन भी बिहारशरीफ में छात्रों का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नीट पेपर लीक मामले और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में बिहारशरीफ में लगातार दूसरे दिन छात्रों का आक्रोश देखने को मिला। अस्पताल चैक पर बड़ी संख्या में छात्र जुटे और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। बुधवार की देर शाम हुए प्रदर्शन में करीब दो हजार छात्र शामिल हुए, जबकि गुरुवार को भी दर्जनों छात्रों ने विरोध जारी रखा। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, पेपर लीक पर रोक तथा अभ्यर्थियों के भविष्य की सुरक्षा की मांग उठाई। छात्रों ने नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। साथ ही जंतर-मंतर पर कथित लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की।छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना के तहत आज 20 खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

637 खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति एवं तीन खिलाड़ियों को 68.50 लाख रुपये की मिलेगी खेल सम्मान राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मेडल लाओ नौकरी पाओ योजना के तहत 20 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दी जाएगी। खेल विभाग की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में शुक्रवार (24 जुलाई) को पटना के उर्जा ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इस राज्यस्तरीय समारोह में 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ', 'खेल सम्मान' एवं 'बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना-2026' के तहत खिलाड़ियों को सरकारी नियुक्ति, सम्मान राशि तथा छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता खेल मंत्री श्रेयसी सिंह करेंगी जबकि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन कर खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र, सम्मान राशि एवं छात्रवृत्ति का वितरण करेंगे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं उपमुख्यमंत्री बीजेन्द्र प्रसाद यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह का मुख्य आकर्षण राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' योजना के तहत 20 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार एवं आकाश दीप को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) तथा एथलीट पियूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। अन्य खिलाड़ियों को भी उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर विभिन्न पदों पर नियुक्ति-पत्र सौंपे जाएंगे। खेल सम्मान योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन खिलाड़ियों को कुल 68.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना-2026 के तहत इस वित्तीय वर्ष के लिए 637 खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। इनमें उत्कर्ष श्रेणी के 21, सक्षम श्रेणी के 184 तथा प्रेरणा श्रेणी के 432 खिलाड़ी शामिल हैं। छात्रवृत्ति के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, पोषण, खेल सामग्री की उपलब्धता तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बांकीपुर उपचुनाव : मंत्री श्रवण कुमार ने एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में किया चुनाव प्रचार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को एनडीए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में सघन चुनावी जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने सिपारा के दशरथा वार्ड संख्या-30 स्थित गठबंधन मैरिज हॉल में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। सभा के बाद मंत्री श्रवण कुमार ने स्थानीय लोगों के बीच पहुंचकर एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार विकास और जनकल्याण की योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए राज्य को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने मतदाताओं से विकास की इस यात्रा को जारी रखने के लिए एनडीए उम्मीदवार को विजयी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. संजय मयूख, सांसद संजय पांडे, घोसी विधायक ऋतु राज, लोजपा विधायक बबलू गुप्ता, हम पार्टी के प्रदेश महासचिव विजय यादव, भाजपा नेता अभय एवं चंद्रशेखर चंद्रवंशी, जदयू के प्रदेश सचिव रविंद्र पटेल, वार्ड संख्या-30 के प्रभारी एवं जदयू कार्यकर्ता बंटी चंद्रवंशी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दिलीप, नाथुन, सुरेंद्र, राजा भाई, रवि बाबू, विनय, सोनू सहित बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बांकीपुर में भाजपा रिकार्ड मत से जीतेगी : रणबीर नंदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि बांकीपुर विधान सभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी नीरज सिन्हा रिकार्ड मतों से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि कहीं कोई दिक्कत नहीं है और भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा बड़े मार्जिन से चुनाव जीत रहे हैं। इसमें हमें केवल प्रयास कर उनके मार्जिन को और बढ़ाना है। प्रो. नंदन बांकीपुर विधान सभा उपचुनाव के लिए वार्ड 22 में मनोज कुमार सिन्हा के स्कूल में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज लोक नायक जयप्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को अपना आदर्श मानता है और यह समाज किसी भी परिस्थिति में जेपी और शास्त्री जी के हत्यारी कांग्रेस के सहयोगी पार्टी को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि तब कष्ट होता है जब जेपी आंदोलन से निकले नेता जेपी की हत्यारी पार्टी कांग्रेस की गोद में खेलते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा समाज जेपी को अनुशरण करते हुए विकास करता है जिन्होंने पुत्री समान समझने वाली इंदिरा गांधी के भी गलत करने पर उनके खिलाफ देश भर में आंदोलन का बिगूल फूंका था। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि इस बांकीपुर विधानसभा से विधायक रहे नीतिन नवीन विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया वे चुनाव प्रबंधन के तहत हर दिन 10 कार्यकर्ताओं से संपर्क कर उन्हें भाजपा प्रत्याशी नीरज सिन्हा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें और एनडीए सरकार के दौरान हुए विकास कार्यो के बारे में बतायें। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज कुमार सिन्हा, संचालन अमर कुमार सिन्हा व धन्यवाद ज्ञापन अधिवक्ता कृष्णानंद द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम भाजपा नेता हिमांशु चतुर्वेदी, डॉ संजय सहाय, रीता कुमार रश्मि, जया कुमारी, विभा सिन्हा, ज्योति शेखर, आदर्श अमर, रौशन सिन्हा, संजय कुमार सिन्हा, मनोज कुमार उर्फ बबलू, एजाज अहमद, अवधेश प्रसाद सिन्हा समेत बड़ी संख्या में नेताओं ने संबोधित किया।

पालीगंज विधायक संदीप सौरभ पर भाजपा नेता से मारपीट, लूट और धमकी का आरोप, सचिवालय थाने में प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा पटना के पुनपुन मंडल के पूर्व अध्यक्ष तथा बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रवासी कार्यकर्ता नीरज कुमार ने पालीगंज के माले विधायक संदीप सौरभ और अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध सचिवालय थाना, पटना में मारपीट, लूट, जान से मारने के प्रयास और आपराधिक धमकी सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है। भाजपा ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। भाजपा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार 22 जुलाई को दोपहर करीब 2:30 बजे बी.पी. मंडल गोलंबर, देशरत्न मार्ग के समीप नीरज कुमार सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव से मिलने उनके सरकारी आवास जा रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान संदीप सौरभ के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रही भीड़ ने उन्हें घेर लिया। भाजपा का आरोप है कि विधायक की मौजूदगी में भीड़ को उकसाया गया जिसके बाद नीरज कुमार के साथ लात-घूंसों, बेल्ट, डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट की गई। हमले में उनका हेलमेट टूट गया तथा सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने नीरज कुमार की जेब से 15 हजार रुपये नकद, गले से सोने की चेन और हाथ की दो सोने की अंगूठियां भी छीन लीं। घायल नीरज कुमार किसी तरह वहां से निकलकर अस्पताल पहुंचे।

मृदा स्वास्थ्य जांच से किसानों को मिलेगी वैज्ञानिक खेती की नई दिशा

मिट्टी की जांच कराएं और संतुलित उर्वरकों का करें प्रयोग : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध खेती की आधारशिला है। किसानों को उनकी भूमि की उर्वरता की सही जानकारी उपलब्ध कराने तथा संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य में किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों की मिट्टी का निःशुल्क परीक्षण कर उन्हें मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। इस कार्ड में मिट्टी के 12 महत्वपूर्ण मानकों, जैसे पीएच, विद्युत चालकता, जैविक कार्बन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, सल्फर, बोरॉन तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों–जिंक, आयरन, कॉपर एवं मैंगनीज–की विस्तृत जानकारी दी जाती है। इसके आधार पर किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग तथा उपयुक्त फसल चयन का वैज्ञानिक परामर्श भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना केवल मिट्टी की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को वैज्ञानिक खेती, फसल चक्र, जैविक खेती तथा जल प्रबंधन जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए भी प्रेरित करती है। इससे खेती की लागत में कमी आती है, उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि होती है और मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। मंत्री ने बताया कि राज्य के सभी नौ प्रमंडलों में चलंत मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं संचालित हैं जो दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने एकत्र कर उनका परीक्षण कर रही हैं तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य में 1.50 लाख मिट्टी नमूनों की जांच एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स सत्य साईं टेक्नोकेट्रस प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत मेसर्स साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पंजीकृत व्यक्ति स्व. शौखिन्द्र पासवान जो जहानाबाद में मानव बल के पद पर कार्यरत थे उनकी आश्रिता पत्नी-रीना कुमारी, सुपुत्री-अर्चना कुमारी, सुपुत्र-अनिकेत कुमार, सुपुत्र-आकाश कुमार को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. शौखिन्द्र पासवान की मृत्यु 07-03-2025 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था।

कांग्रेसी गुंडों की हिंसा लोकतंत्र पर हमला, जनता देगी करारा जवाब : नीरज सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेसी गुंडों द्वारा भाजपा के शांतिपूर्ण विरोध मार्च पर किया गया हिंसक हमला और पत्थरबाजी लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक तरीके से व्यक्त किए जा सकते हैं, लेकिन हिंसा और अराजकता किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। नीरज कुमार सिन्हा ने आज कांग्रेसी गुंडों की पत्थरबाजी में घायल भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे कायराना हमलों से डरने या झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और शांतिपूर्ण जनआंदोलन में विश्वास रखती है। भाजपा के कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाते हैं, लेकिन कांग्रेस के संरक्षण में पनप रहे असामाजिक तत्व राजनीतिक हिंसा का सहारा लेकर लोकतांत्रिक परंपराओं को कलंकित कर रहे हैं। नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है और हिंसा की राजनीति करने वालों को लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी। उन्होंने राज्य सरकार पर विश्वास जताते हुए कहा कि हिंसा और पत्थरबाजी में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन को हिंसा के माध्यम से बाधित करने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि भाजपा न्याय, लोकतंत्र और कानून के शासन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा हिंसा और अराजकता के हर प्रयास का लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से मजबूती से मुकाबला करती रहेगी।

नेस्ले इंडिया ने बिक्री में 25.4 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल ने वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि हमने एक मजबूत तिमाही दर्ज की है जिसमें बिक्री में 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसका प्रमुख कारण मजबूत वॉल्यूम ग्रोथ रही। हमारी बिक्री बढ़कर 6363.3 करोड़ रुपये रही जो हमारे ब्रांडों पर उपभोक्ताओं के लगातार भरोसे और उत्कृष्ट निष्पादन पर हमारे मजबूत फोकस का परिणाम है। मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, निर्यात कारोबार में 35.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई।

खासमहाल की भूमि का होगा सर्वे, जिलावार तैयार होगी पूरी सूची : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य की खासमहाल भूमि का व्यापक सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत राज्य के सभी जिलों में स्थित खासमहाल भूमि का जिलावार विवरण तैयार किया जाएगा, ताकि उसकी वर्तमान स्थिति, उपयोग, अतिक्रमण तथा न्यायालयों में लंबित मामलों का समग्र एवं अद्यतन डाटाबेस तैयार किया जा सके। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में खासमहाल सिटिजन वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खासमहाल भूमि के व्यवस्थित प्रबंधन, पारदर्शिता और संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर अपने-अपने जिले की खासमहाल भूमि का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने को कहा जाए। इस विवरण में प्रत्येक भूमि की वर्तमान स्थिति, उपयोग, अतिक्रमण की स्थिति तथा संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलों का कोर्ट केस स्टेटस भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा।

राहुल गांधी नीट पर चर्चा से भाग रहे, छात्रों की आड़ में विपक्ष फैला रहा अराजकता : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस, राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार नीट और पेपर लीक जैसे गंभीर विषयों पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन राहुल गांधी और पूरा विपक्ष चर्चा से बचकर छात्रों के आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष हताशा, निराशा और कुंठा की राजनीति कर रहा है तथा युवाओं की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाना चाहता है। संजय सरावगी ने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि छात्रों की समस्याओं के समाधान का है। सरकार संसद में जिस नियम के तहत और जितनी देर तक चर्चा करनी हो, उसके लिए पूरी तरह तैयार है। यदि विपक्ष के पास कोई ठोस सुझाव है तो उसे सदन में रखना चाहिए, लेकिन विपक्ष संसद का कामकाज बाधित कर देश का समय बर्बाद कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की मंशा समाधान निकालने की नहीं, बल्कि भ्रम और अस्थिरता का माहौल बनाने की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं छात्रों के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को शीघ्र कठोर सजा दिलाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में यह सरकार का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम है।

इस्कॉन मंदिर में नेशनल सिल्क एक्सपो का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के बुद्ध मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर सभागार में नेशनल सिल्क एक्सपो का भव्य शुभारंभ हुआ। 23 से 29 जुलाई तक चलने वाले इस सात दिवसीय एक्सपो में देशभर के 150 से अधिक बुनकर और हस्तशिल्प कारीगर अपने उत्कृष्ट सिल्क, कॉटन और एथनिक परिधानों का प्रदर्शन एवं बिक्री कर रहे हैं। एक्सपो का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधान पार्षद, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व मीडिया सह-प्रमुख संजय मयूख, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल यूनिवर्सिटी की सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर रश्मि मयूख एवं वीवर्स एंड हस्तकला डेवलपमेंट फाउंडेशन के सचिव जयस कुमार गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय मयूख ने नेशनल सिल्क एक्सपो के आयोजकों को पटना में इस बेहतरीन आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। वहीं विशिष्ट अतिथि रश्मि मयूख ने पटनावासियों से इस प्रदर्शनी में आकर बुनकरों के उत्पाद को खरीदकर उनका उत्साहवर्धन करने की अपील की। पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया और विभिन्न राज्यों की पारंपरिक साड़ियों व परिधानों की खरीदारी की।

बांकीपुर को सलाहकार नहीं, सेवादार की जरूरत : ऋतुराज सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान करबिगहिया और चांदपुर बेला में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव किसी राजनीतिक प्रयोग या किसी व्यक्ति की महत्वाकांक्षा का नहीं, बल्कि बांकीपुर के विकास और जनता के विश्वास का चुनाव है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर वर्षों तक दूसरों को चुनाव जिताने की रणनीति बनाते रहे, लेकिन अब बांकीपुर को अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बांकीपुर की जनता किसी सलाहकार के प्रयोग का हिस्सा नहीं बनेगी। श्री सिन्हा ने कहा बांकीपुर को सलाहकार नहीं, सेवादार की जरूरत है। जनता ऐसे प्रतिनिधि को चुनेगी जो चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर दिन जनता के बीच रहे, उनके सुख-दुख में सहभागी बने और विकास के लिए जवाबदेही के साथ काम करे। उन्होंने कहा कि रणनीतिकार चुनाव की गणित समझता है, लेकिन सेवादार जनता का विश्वास जीतता है। बांकीपुर की जागरूक जनता इस फर्क को अच्छी तरह समझती है और राजनीतिक नैरेटिव नहीं, बल्कि सेवा और कार्य के आधार पर अपना निर्णय करेगी। श्री सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राजनीति सेवा, सुशासन और विकास पर आधारित है। उन्हें विश्वास है कि बांकीपुर की जनता अवसरवादी राजनीति को नकारते हुए सेवा और समर्पण की राजनीति का समर्थन करेगी। जनता को सलाह देने वाले बहुत मिल जाएंगे, लेकिन जनता के बीच रहकर सेवा करने वाले ही उसका विश्वास जीतते हैं। इसलिए बांकीपुर को सलाहकार नहीं, सेवादार की जरूरत है।

'पटरंगम 2026' के पहले दिन नुक्कड़ एवं रंगमंचीय नाटकों ने दिया सामाजिक सरोकारों का सशक्त संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के सौजन्य से तथा विश्वा, पटना (वाईटल इन्वेशन औफ सोशल हारमोनी वीथ आर्ट) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'पटरंगम 2026-पटना रंग महोत्सव' का आज प्रेमचंद रंगशाला, राजेन्द्र नगर, पटना में भव्य शुभारंभ हुआ। विश्वा, पटना विगत 12 वर्षों से बिहार में रंगकर्म, लोककला, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक चेतना का प्रसार कर रही है। महोत्सव का उद्घाटन पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू ने मुख्य अतिथि के रूप में एवं भारतीय जनता पार्टी, कला संस्कृति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वरुण कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर शहर के अनेक रंगकर्मी, साहित्यकार, कलाकार, कला-प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महोत्सव के प्रथम दिन नुक्कड़ नाटक एवं रंगमंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, न्याय व्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे समकालीन विषयों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया।

छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मंगल पांडेय ने पेपर लीक से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण एवं दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों छात्रों के हित में लिया गया एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी फैसला बताया है। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए अब किसी प्रकार की ढिलाई या संरक्षण नहीं होगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री जयन्त चौधरी ने की पटना में एनएसटीआई (महिला) के स्थायी कैंपस की घोषणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों और महिलाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयन्त चौधरी तथा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पटना में महिलाओं के लिए नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर विमेन और स्किल इंडिया इंटरनेशनल के स्थायी कैपस की स्थापना की घोषणा की। एनएसटीआई (महिला), पटना के स्थायी कैंपस का शिलान्यास प्रोजेक्ट साइट पर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेनिंग के डायरेक्टर जनरल दिलीप कुमार ने किया। इस अवसर पर भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय और बिहार सरकार ने बिहार में स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एसआईआईसी) स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान भी किया। ये दोनों पहले मिलकर महिलाओं के लिए एडवांस्ड वोकेशनल ट्रेनिंग को मजबूत करेंगी और बिहार के युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों तक पहुंचने के लिए स्ट्रक्चर्ड पाथवे तैयार करेंगी। एनएसटीआई (महिला), पटना का स्थायी कैंपस बिहटा में 99.97 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित किया जाएगा। कैंपस में एक मॉडर्न एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक और गर्ल्स हॉस्टल होगा जिससे इंस्टीट्यूट अपनी ट्रेनिंग कैपेसिटी का काफी विस्तार कर सकेगा और इंडस्ट्री के हिसाब से और फ्यूचर-रेडी कोर्स शुरू कर सकेगा।

महायोगी गोरक्षनाथ स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के तत्वावधान में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत आयोजित महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का भव्य समापन समारोह संस्कृतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह संस्था द्वारा आयोजित लगातार 46वां संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर था जिसमें देश-विदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संस्कृत प्रेमियों ने अधिक संख्या में संस्कृत बोलना सीखा तथा गोरक्षनाथ स्मृति संस्कृत प्रतियोगिता में महायोगी गोरक्षनाथ के विषय पर संस्कृत में विचारों को व्यक्त किए जिसमें डॉ दीप्ति कुमारी, डॉ देवेश प्रकाश, डॉ विश्वजीत रुद्रपाल, तारा विश्वकर्मा, बीजेन्द्र सिंह विष्ट, दयानी शारदेय, उमा हेनोते, वन्दना पटेरिया, मनीषा बोदरा, रीना साहा, सुषमा सिंह आदि प्रमुख हैं। अभियान की ओर से डॉ देवेश प्रकाश एवं डॉ दीप्ति कुमारी को प्रथम पुरस्कार, डॉ विश्वजीत रुद्रपाल एवं तारा विश्वकर्मा को द्वितीय पुरस्कार एवं बीजेन्द्र सिंह विष्ट, दयानी शारदेय, उमा हेनोते को तृतीय पुरस्कार तथा मनीषा बोदरा एवं वन्दना पटेरिया को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शुक्रवार 24 जुलाई 2026

संपादकीय

विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया, जबकि उस पर झंडा भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था? भारत से हर साल बड़ी संख्या में लोग बेहतर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं और वहां से विदेशी मुद्रा यहां भेजते हैं। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलती है। मगर सवाल है कि विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? यूक्रेन के तट से रवाना हो रहे गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर हाल ही में हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत की घटना से यह सवाल एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है।इससे पहले होर्मुज जलमार्ग में तेल के एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। जाहिर है, भारत को ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाना चाहिए और पीड़ित परिवारों को भी हरसंभव सहायता मुहैया कराने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।गौरतलब है कि बीती 19 जुलाई की शाम को एमवी गोल्डन लियो नामक वाणिज्यिक जहाज पर यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना होते समय हमला हुआ था। उस वक्त जहाज पर चालक दल के सत्रह सदस्य सवार थे, जिनमें चार भारतीयों समेत दस लोगों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय का दावा है कि यह हमला रूसी सेना की ओर से किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है।मगर सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया? जबकि उस पर झंडा भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था। दूसरा, भारत सरकार को इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि अपने देश के नागरिकों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध के प्रभाव वाले क्षेत्रों से कैसे दूर रखा जाए। साथ ही इस तरह के हमलों में पीड़ित परिवारों की मदद और मृतकों के शव शीघ्र स्वदेश लाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाना चाहिए।

जंतर-मंतर के मुखौटों के पीछे का सच !

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

भाजपा और मोदी विरोध के सभी गिरोह एकजुट हुए। भरपूर पैसा बहाया गया। संसद घेरने के लिए भीड़ को उतार दिया गया। जिन क्षेत्रों में ड्रोन प्रतिबंधित थे, वहां शक्ति प्रदर्शन-प्रचार के लिए ड्रोन कैमरे चलाए गए। कश्मीर की तर्ज़ पर भीड़ के ज़रिए पुलिस पर संगठित योजना के तहत पथराव कराया गया। पुलिस वालों और महिला पत्रकारों की लिंचिंग की कोशिशें की गईं। भारत के संविधान ने जिस संसद का गठन किया। जो संसद हमारे देश की सांविधानिक आधारशिला है। उसे उखाड़ फेंकने की बातें दुहराई गईं। भारत को नेपाल बनाने का कॉकरोचों ने दंभ भरा। ये तब हो रहा था जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इनके प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए बुलाया और चर्चा की।

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्रष्टक्र की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम क्क्र एजेंसीज हायर की गईं।

चाहे हृश्वश्वञ्ज हो याकि कोई भी एग्जाम हो, जो भी स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं उन्हें कठोरतम दंड मिलना ही चाहिए। कोई भी दोषी बख़्शे नहीं जाने चाहिए। किसी भी एग्जाम में जालसाज़ी, पेपरलीक जैसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति कहीं भी नहीं होनी चाहिए। ये सुनिश्चित करने की संपूर्ण जवाबदेही सरकार की है। कोई व्यक्ति हो, संगठन हों। सबको अपनी-अपनी मांगों को लेकर विरोध करना चाहिए। आप इस्तीफा मांगिए। याकि जो भी संविधान सम्मत विरोध के शांतिपूर्ण तरीके हों, उन सबको करिए। ये हमारे लोकतंत्र की ख़ूबसूरती है। यही भारत है। संवाद के रास्ते हमेशा ही खुले होने चाहिए। सरकार का ये उत्तरदायित्व भी है। भौगोलिक संदर्भ

लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि– देश में अराजकता के संगठित कृत्य को आंदोलन कहकर स्वीकार कर लिया जाएगा। भारत के युवाओं को काकरोच कहकर अपमानित करने वाली इंटरनेशनल साज़िशों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत में कॉकरोच शब्द और दिल्ली जंतर-मंतर कनेक्शन अब नए संदर्भ में अपरिचित नहीं रह गया है। सबसे पहले कुछ जमूरों ने अमेरिकी में बैठकर- भारत के युवाओं को- भारत के सुप्रीम कोर्ट की खिलाफ़त में काकरोच कहा। फिर भाजपा और मोदी विरोध की पटकथा लिखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने मई 2026 में ये टिप्पणी फर्जी डिग्री के ज़रिए वकालत करने वाले वकीलों पर की थी। इसका उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया था। लेकिन डीप स्टेट ने आम आदमी पार्टी के जमूरों को आगे कर - भारत की न्यायपालिका के ख़िलाफ़ उकसाया। यहीं से काकरोच शब्द को भारत के युवाओं के माथे पर चस्पा करने की योजना को मूर्तरूप दिया गया।

आम आदमी पार्टी का जमूरा - दीपके भारत आया, इधर-उधर प्रदर्शन के लिए गया लेकिन धूप तक बर्दाश्त न कर पाया। तत्पश्चात एफसीआरए के विरोध में सोनम वांगचुक को अमेरिकी मूल की उनकी पत्नी –रेबेका नॉर्मन के ज़रिए प्रोटेस्ट का चेहरा बनाकर 'जंतर-मंतर' के मैदान में भूख हड़ताल के लिए उतार दिया गया। जहां इमोशनली-सेंटीमेंट भुनाने के तमाम प्रयोजन रचे जाने लगे। नेपाल और बांग्लादेश जैसे सत्ता की रिजीम चेंज करने का खाका खींचा जाने लगा।

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्रष्टक्र की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम पीआर एजेंसीज हायर की गईं। सेलीब्रिटीज कहे जाने वाले क़ौमी लोग– हिंदुत्व को समस करने के लिए उतर आए। विदेशी और देशी पैसों से सोशल मीडिया कैंपेन को लॉन्च कर दिया गया। भावुक युवाओं ने भी देखा-सुनी ऐसी तमाम स्टोरीज सोशल मीडिया में शेयर कीं। जबकि इस तथाकथित आंदोलन में शिक्षाविद्, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स कहीं नज़र नहीं आए। अगर स्टूडेंट्स नज़र आए भी तो उन्हें मंच पर कहीं स्थान नहीं मिला। सिर्फ़ कुछ हाईजैकर्स , कॉमेडियन, नेता और भारत विरोधी -हिन्दुत्व विरोधी बातें कहने वाले चेहरे नज़र आए। कंटेंट क्रिएटर्स ही दिखते रहे।

प्रोफेशनल पीआर स्टाइल में प्रोटेस्टर्स का जमावड़ा हुआ। एआईएसएफ, एसएफआई समेत तमाम गद्दार वामपंथियों का इकोसिस्टम एक्टिवेट हुआ। जेएनयी-एएमयू की तर्ज पर अर्बन नक्सल गिरोह की जिहादी डफली सुनाई देने लगी। एलजीबीटीक्यू का प्रचार-प्रसार किया जाने लगा। हिन्दू घ्रणा का परचम बुलंद किया जाने लगा। लेकिन इन जमूरों में से कोई भूख हड़ताल का साहस न कर पाया जिससे तंग आकर खुद सोनम वांगचुक तक को ये कहना पड़ा कि– आप लोग यहां आकर ठूंस-ठूंस कर खा रहे हैं, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है।

इतना ही नहीं ये जंतर-मंतर वाले कॉकरोच - दिन के बाद रात को एसी रूम में जाकर सोते थे। पार्टियां करने में जुट जाते थे। फिर अपने रुटीन में जुट जाते थे। अंततोगत्वा 18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। किन्तु ये कॉकरोच, कांग्रेस पार्टी के सहयोग से- सोनम वांगचुक को सरकारी अस्पताल से प्रायवेट अस्पताल में भर्ती कराने की ज़िद पर अड़े। दिल्ली हाईकोर्ट गए। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक कहा कि- सफदरजंग अस्पताल से कहीं और शिफ्ट करने की ज़रूरत नहीं है। वहां उनकी समुचित देखभाल हो रही है।

20 जुलाई 2026 को बिना परमिशन के संसद मार्च करने का शाहीन बाग-सीएए दंगे वाली स्टाइल में अभियान चलाया गया। कांग्रेस, आप,समाजवादी पार्टी, भीम-मीम के गठजोड़, लेफ्ट पार्टियां, कन्वर्जन कराने वाले एनजीओ अर्बन नक्सली, ब्रेकिंग इंडिया फोर्सेज, सो-रोस-डीप स्टेट के वालंटियर्स - सब देश के यूथ के कंधों पर बंदूक रखकर उतर आए। सबने भीड़ जुटाने का पर्याप्त प्रबंध किया।

भाजपा और मोदी विरोध के सभी गिरोह एकजुट हुए। भरपूर पैसा बहाया गया। संसद घेरने के लिए भीड़ को उतार दिया गया। जिन क्षेत्रों में ड्रोन प्रतिबंधित थे, वहां शक्ति प्रदर्शन-प्रचार के लिए ड्रोन कैमरे चलाए गए। कश्मीर की तर्ज़ पर भीड़ के ज़रिए पुलिस पर संगठित योजना के तहत पथराव कराया गया। पुलिस वालों और महिला पत्रकारों की लिंचिंग की कोशिशें की गईं। भारत के संविधान ने जिस संसद का गठन किया। जो संसद हमारे देश की सांविधानिक आधारशिला है। उसे उखाड़ फेंकने की बातें दुहराई गईं। भारत को नेपाल बनाने का कॉकरोचों ने दंभ भरा। ये तब हो रहा था जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इनके प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए बुलाया और चर्चा की।

आप सोचिए कि- इस संगठित भीड़ ने जो उपद्रव किए क्या ये लोकतांत्रिक कृत्य हैं? क्या ये किसी मांग को मनवाने की बातें हैं? किसी भी शांतिपूर्ण आंदोलन में पत्थरबाजी कहां से होने लगी, अचानक से इतने पत्थर क्या बिना पूर्व तैयारी के आ गए? क्या ये संगठित अराजकता-भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता, प्रगति को रोकने के षड्यंत्र नहीं हैं? ये षड्यंत्र उस युवा के सेंटीमेंट्स के ज़रिए लॉन्च किए जा रहे हैं। जो भारत की प्रगति का आधार है। मैं भी युवा हूं और तथाकथित त्वद्गठ्ठ-ं की परिभाषा में भी आता हूं। मेरे आदर्श स्वामी विवेकानंद हैं। स्वातंर्त्य क्रांति के क्रांतिवीर हैं। भगवान राम और कृष्ण हैं। सरकार से हम सबकी अपेक्षाएं हैं। अपनी मांगों और विरोध के हमारे पास सांविधानिक तौर तरीके हैं। अपनी पीड़ा और आक्रोश की अभिव्यक्ति के माध्यम हैं। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है कि कोई भी मुझे भारत की स्थिरता के ख़िलाफ़ बरगला लेगा। क्या कोई भी टूल बनाकर हमें किसी आग में झोंक देगा और हम उसमें कूद पड़ेंगे? ये हम युवाओं को सोचना और समझना चाहिए।

जंतर-मंतर में सोनम वांगचुक को बलि का बकरा बनाकर जिस शातिराना ढंग से भारत घ्रणा-हिन्दू घ्रणा का प्रहसन किया गया।उसे इस देश का युवा अच्छी तरह से जानता है। युवा साथियों को इसे और बारीकी से समझना चाहिए। ताकि हम किसी टूलकिट का शिकार न बनें। जंतर-मंतर में जिस तरह से भगवान राम को अपमानित किया गया। भारत की संस्कृति के ख़िलाफ़ ज़हर उगला गया। ब्राह्मणों, हिन्दुत्व को ख़त्म करने का ऐलान किया जाता रहा। आरएसएस के खिलाफ़ नारेबाजी की जाती रही। भारतीयता की बात करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को ख़त्म करने की जिहादी पोस्टर बनाए गए।नारेबाज़ी की गई। काफ़िरों के कत्लेआम के लिए फ़ैज़ की बस नाम रहेगा अल्लाह का जैसा जिहादी ऐलान किया गया। यानी भारत के इस्लामीकरण का फतवा जारी किया गया।

क्या ये सब किसी भी हिसाब से जायज़ कहा जाएगा? क्या ये किसी न्याय की लड़ाई थी? पूरे प्रहसन के दौरान जिस तरीक़े से हर दिन भारत द्वेष का विष वमन किया जाता रहा। संविधान और तिरंगे की ओट में छिपकर– भारत के संविधान को चुनौती दी जाती रही। भारत की न्यायपालिका को कठघरे में खड़ा किया जाता रहा। संसद को उखाड़ फेंकने के नारे गढ़े गए। भारत को –हिंसा, दंगों की आग में झोंकने के लिए – नेपाल बनाने के जो संदेश दिए गए। वो गंभीर हैं। हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती भी हैं। ये कोरी भावुकता तो कतई नहीं हो सकती। ये निश्चित ही भारत की शक्ति, सामर्थ्य के खिलाफ़ एक सुनियोजित साज़िश है। इसमें सत्ता की भूखी राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता भी अव्वल हैं। जो बांग्लादेश और नेपाल हिंसा के बाद वहां हुए तख़्तापलट के समय से ही - भारत के युवाओं को हिंसा, उपद्रव के लिए उकसा रहे हैं। कभी वो जेन जेड के नाम पर उकसाते हैं।

दुनिया किसी चाहने वाले की शर्त से नहीं चलती, सब परस्पर निर्भरता से जीते

(क्षमा शर्मा)

किसी डाक्टर से जब इलाज कराने जाते हैं, तब वह बीमारी देखकर दवाएं देगा। ये दवाएं वे होंगी, जो हमारे लिए जरूरी हैं, न कि वे जिन्हें हम खाना चाहते हैं।अक्सर लेखों, भाषणों और किताबों में एक बात पढ़ने को मिलती है कि हमें अपनी शर्तों पर जीवन जीना चाहिए। ये शर्तें क्या हैं, क्यों हैं, कैसी हैं, किसलिए हैं, कोई नहीं बताता। अगर इसे जीवन के तमाम पक्षों पर घटित किया जाए, तो पता चलता है कि ऐसी बातें सिर्फ मन मोदक की तरह ही हैं। जैसे कि जिस किताब को आप पढ़ रहे हैं, उसे किसी और ने लिखा है। किसी ने छापा है।

लेखक ने अपनी पसंद की किताब लिखी है, या हो सकता है प्रकाशक ने लिखवाई हो। किसी वाणिज्यिक वेबसाइट या किसी दुकान से खरीदी गई है। यह ठीक है कि इसे पाठक की रुचियों के हिसाब से ही तैयार किया गया हो, लेकिन जरूरी नहीं कि सभी को पसंद आए। यानी कि जब हम इसे पढ़ रहे हैं, तो रुचि, अरुचि तो हो सकती है, लेकिन शायद वे शर्तें इस पर लागू न हों, जो हमारी हों।

इसी तरह जब कोई कहीं भाषण देने गया है, तो उसे किसी और ने बुलाया होता है। मंच किसी संस्थान का है, माइक किसी और का। कुर्सियों और पानी का इंतजाम भी। भाषण देने वालों में जो लोग होंगे, वे भी वही नहीं बोलेंगे, जो हम चाहते हैं। बोलने का समय कितना है, इसे किसी और ने ही तय किया होता है। बोलने का विषय भी बताया गया है। ऐसे में जो बोलने वाला है, उस पर पहले से ही बहुत कुछ थोपा गया है।

अब कोई यह मान ले कि वह विषय से बाहर जाकर बोलेगा, जितने समय चाहे बोलेगा, मंच से नीचे आकर बोलेगा, तो क्या वाकई ऐसा हो पाएगा। अगर कोई लेखक एक लेख लिख रहा है, तो अखबार या पत्रिका को क्या चाहिए, यह पहले से ही पता होगा। लेख कितने शब्दों का होगा, यह जानकारी भी अवश्य होगी। हालांकि कई बार लोग निर्धारित शब्दों से काफी कम या फिर काफी ज्यादा बड़ा लेख भेज देते हैं।

इसके अलावा, लेख में क्या हो, इसके मुकाबले क्या नहीं होना चाहिए, यह भी पता होना चाहिए। मगर वह कब छपेगा, इसे कोई और ही तय करेगा। फिर जिस कागज पर छपेगा, वह कहीं और से आया होगा। छापने के लिए जो स्याही इस्तेमाल हुई होगी, वह भी किसी कंपनी की होगी। अखबार पाठक तक पहुंचने के लिए न जाने कितने लोगों के हाथों से गुजरा होगा। यानी कि वे शर्तें उसकी नहीं होंगी, जिसने एक लेख लिखा है।

इसी तरह किसान अपने खेत में क्या बोए, यह मौसम और बाजार की जरूरत के हिसाब से ही तय होगा। यह नहीं कि किसान की मर्जी क्या है, इस बात से फसल उगेगी। फिर खेत में पानी या तो बारिश से आएगा या ट्यूबवेल से। फसल की गुड़ाई, निराई, कटाई, बाजार तक पहुंचने में बहुत-सी मशीनों और मानवीय श्रम की जरूरत होगी।

इसी तरह किसी डाक्टर से जब इलाज कराने जाते हैं, तब वह बीमारी देखकर दवाएं देगा। ये दवाएं वे होंगी, जो हमारे लिए जरूरी हैं, न कि वे जिन्हें हम खाना चाहते हैं। हां, किसी दवा से एलर्जी है, तो वह अलग बात है। न ही ऐसा चल सकता है कि मनमाफिक दवा मिल सके।

दूर क्यों जाया जाए, अगर हम किसी सड़क पर चल रहे हैं तो दाएं, बाएं देखकर चलना पड़ता है। कौन-सी बस, मेट्रो, कैब, ट्रेन, जहाज अपने निर्धारित समय पर आएगा, अगर यह पता न हो, तो कहीं समय से नहीं पहुंच सकते। इनका आना-जाना हमारी अपनी जरूरत के अनुसार नहीं होता है। हमें इनके हिसाब से चलना पड़ता है। अगर हम कार चला रहे हैं, तो न केवल दाएं और बाएं, बल्कि पीछे भी देखना पड़ता है।

कार की रफ्तार भी सड़क की भीड़-भाड़ को देखते हुए ही तय होती है। कार की सर्विसिंग कहीं करानी पड़ती है, तो पेट्रोल कहीं और से लेना पड़ता है। टूट-फूट हो, तो मैकेनिक से ठीक कराना पड़ता है। गाड़ी चाहे जितनी पसंद हो, उसमें एक निशान भी न लगा हो, इंजन भी ठीक से काम करता हो, तब भी अगर डीजल से चलने वाली गाड़ी दस साल और पेट्रोल वाली पंद्रह साल पुरानी हो गई, तो उसे हटाना पड़ता है।

हालांकि अमेरिका या यूरोप मे पंद्रह साल का ऐसा कोई नियम नहीं है। वहां जब तक गाड़ी ठीक है, चलाई जा सकती है। सिर्फ प्रदूषण का ध्यान रखना पड़ता है। जरूरी होने पर उसे दुरुस्त करने वाला पुर्जा बदलवा लिया जाता है। मगर अपने यहां प्रदूषण हटाने और आटोमोबाइल उद्योग को लाभ दिलाने के लिए ऐसे नियम बना दिए जाते हैं, जिससे कि यह उद्योग चलता, चमकता रहे।

इस नियम से प्रदूषण भी कितना हटा है, सब जानते हैं। ऐसे वक्त में भी प्रदूषण का स्तर ऊंचा रहता है, जब प्रदूषण फैलाने वाले कारक अपने निचले स्तर पर रहते हैं। यानी कुल मिलाकर अगर यह जीवन है, तो प्रति पल हमें दूसरों के साथ मिलकर जीना पड़ता है।

पर्यटकों की भीड़ से कराह रहे पहाड़, क्या हिमालय अपनी सीमा तक पहुंच चुका है?

(चंद्रशेखर तिवारी)

पर्यटन के इस विस्तार का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लंबे समय से पलायन, बेरोजगारी और सीमित आर्थिक अवसरों से जूझ रहे हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन ने आय के नए स्रोत उपलब्ध कराए हैं। अनेक गांवों में घरों में पर्यटकों को ठहराने (होमस्टे) की संस्कृति विकसित हुई है। इसके अलावा स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। परिवहन, हस्तशिल्प, भोजनालय और अन्य सेवा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। कई परिवार, जो पहले केवल पारंपरिक कृषि या सीमित आजीविका पर निर्भर थे, अब पर्यटन से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रहे हैं। इस दृष्टि से पर्यटन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है।

वैश्विक ताप के असर से पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी राज्यों में पर्यटन तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह इससे राजस्व संसाधनों के नए द्वार खुले हैं, लेकिन इससे पहाड़ों की पारिस्थितिकी के लिए नई चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। हिमालय केवल एक पर्वत-श्रृंखला नहीं है। यह भारतीय उपमहाद्वीप की जल, जंगल, जैव-विविधता, संस्कृति और सभ्यता का आधार स्तंभ है। अपनी भौगोलिक विशिष्टता, लोक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक आभा के कारण हिमालय सदियों से मानव समाज को आकर्षित करता रहा है। इसकी बर्फ से ढकी ऊंची चोटियां, गहरी घाटियां, कल-कल बहती नदियां, घने वन, प्राचीन तीर्थ स्थल और लोक-स्मृतियां इसे विश्व की अद्वितीय प्राकृतिक धरोहरों में स्थान दिलाती हैं। यही कारण है कि साधकों, श्रद्धालुओं, पर्वतारोहियों और प्रकृति-प्रेमियों का हिमालय के प्रति एक विशेष लगाव बना रहा है। मगर, वैश्विक ताप के असर से पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी राज्यों में पर्यटन तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह इससे राजस्व संसाधनों के नए द्वार खुले हैं, लेकिन इससे पहाड़ों की पारिस्थितिकी के लिए नई चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों, विशेषकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों का बेतहाशा विस्तार हुआ है। पर्यटन को अब विकास के प्रमुख साधन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। विभिन्न माध्यमों से पर्यटन के प्रचार से इन राज्यों में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में ज्वालाजी, नैना देवी, चामुंडा देवी और मणिकर्ण के अलावा शिमला, डलहौजी, कुल्लू-मनाली, रोहतांग दर्रा, स्पीति घाटी और पार्वती घाटी जैसे स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। इसी तरह उत्तराखंड में हरिद्वार, देहरादून और चारधाम यात्रा के अलावा औली, मसूरी, बुग्याल, हरकीदून, रूपकुंड, नैनीताल, सुंदरढूंगा, छोटा कैलाश तथा पिंडारी जैसे स्थलों की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी है। पर्यटन के ये ज्यादातर केंद्र अब केवल मौसमी गंतव्य नहीं रहे, बल्कि वर्ष भर व्यस्त रहने वाले आर्थिक केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में वर्ष 2025 में करीब सवा तीन करोड़ पर्यटक पहुंचे। इसी तरह उत्तराखंड में वर्ष 2025 में रिकॉर्डतोड़ पर्यटक पहुंचे। इस दौरान यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या छह करोड़ से अधिक रही, जिनमें 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक थे। इसमें सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार, देहरादून और टिहरी क्षेत्रों में आए। पर्यटन के इस विस्तार का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लंबे समय से पलायन, बेरोजगारी और सीमित आर्थिक अवसरों से जूझ रहे हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन ने आय के नए स्रोत उपलब्ध कराए हैं। अनेक गांवों में घरों में पर्यटकों को ठहराने (होमस्टे) की संस्कृति विकसित हुई है। इसके अलावा स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। परिवहन, हस्तशिल्प, भोजनालय और अन्य सेवा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। कई परिवार, जो पहले केवल पारंपरिक कृषि या सीमित आजीविका पर निर्भर थे, अब पर्यटन से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रहे हैं। इस दृष्टि से पर्यटन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। मगर इस उत्साहजनक परिदृश्य के बीच एक मूलभूत प्रश्न लगातार उभरता जा

रहा है कि क्या हिमालयी क्षेत्र विकास की वर्तमान गति और स्वरूप को वहन करने की क्षमता रखता है? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि हिमालय दुनिया की सबसे युवा और संवेदनशील पर्वत-श्रृंखलाओं में से एक है और यहां की ढलानें अपेक्षाकृत अस्थिर तथा जलस्रोत सीमित हैं। हिमालयी क्षेत्रों में पिछले वर्षों में ऐसी अनेक घटनाएं हुई हैं, जो ढांचागत विकास और पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यहां बार-बार होने वाले भूस्खलन और अनियंत्रित निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न संकट हमें यह याद दिलाता है कि यदि पर्यटन विकास की प्रक्रिया में स्थानीय पारिस्थितिकी की अनदेखी की जाती है, तो उसका परिणाम दीर्घकालिक संकट के रूप में सामने आ सकता है। देश में पर्यटन विकास का मूल्यांकन प्रायः पर्यटकों की संख्या, होटल के कमरों की संख्या में वृद्धि, सड़क निर्माण और निवेश की मात्रा के आधार पर किया जाता है। यह पैमाना मैदानी क्षेत्रों में कुछ सीमा तक उपयुक्त हो सकता है, मगर हिमालयी क्षेत्रों के लिए यह पर्याप्त नहीं है। किसी भी पर्वतीय क्षेत्र में वास्तविक प्रश्न यह होना चाहिए कि पर्यटन स्थानीय समाज, संस्कृति, पर्यावरण और संसाधनों को कितना सशक्त बना रहा है। यदि किसी क्षेत्र में पर्यटन के कारण जलस्रोतों पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा हो, कचरे का संकट उत्पन्न हो रहा हो, स्थानीय स्थापत्य नष्ट हो रहा हो और सांस्कृतिक पहचान कमजोर पड़ रही हो, तो उस विकास की सफलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक पर्यटन स्थलों पर यह स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पहाड़ों की सीमित वहन क्षमता वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में होटल, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान विकसित हो रहे हैं। सड़कों को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को खोदा जा रहा है और निर्माण कार्यों के लिए वनों को काटा जा रहा है। इससे न केवल इन क्षेत्रों का पारंपरिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि पर्यावरण पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से जल, भूमि और ऊर्जा संसाधनों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। साथ ही वाहनों के बढ़ते दबाव से यातायात अव्यवस्था और कचरे की समस्या भी लगातार बढ़ रही है। यह स्थिति संकेत देती है कि पर्यटन विकास की वर्तमान दिशा पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। विशेष चिंता का विषय यह है कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास की अवधारणा अक्सर मैदानी मॉडल से प्रभावित दिखाई देती है। चौड़ी सड़कों, विशाल भवनों और बड़े होटल परिसरों को प्रगति का प्रतीक माना जाता है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक और पारिस्थितिक सीमाएं भिन्न हैं।

संक्षिप्त समाचार

एएन कॉलेज में चन्द्रशेखर आजाद तथा बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इतिहास विभाग, ए. एन. कॉलेज, पटना में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान क्रांतिकारीः बाल गंगाधर तिलक तथा चन्द्र शेखर आजाद की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में प्राध्यापकों तथा छात्र - छात्राओं द्वारा आजाद तथा तिलक के बलिदानों तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग डा. संजीत लाल ने किया । छात्र - छात्राओं द्वारा इस मौके पर आजाद के व्यक्तित्व पर आधारित 'लघु नाटक' की प्रस्तुति की गई। प्राचार्या प्रो रत्ना अमृत के दिशा निर्देश पर ऐतिहासिक व्यक्तित्व व घटनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को जोड़ने की नवीन पहल की गयी जिसे भविष्य में बड़े मंच पर भी प्रस्तुति करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विभाग के प्राध्यापक आयुष आनन्द डा. अर्चना चौधरी, डा. सुपर्णा पटेल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

घर में घुसकर किशोरी से छेड़खानी

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एनटीपीसी थाना क्षेत्र के गुलरियाटोला ढीबर गांव निवासी अनीता देवी पति चुनचुन महतो अपने पूरे परिवार के साथ बुधवार की दोपहर बाढ के एसडीओ दफ्तर में पहुंचकर मदद की गुहार लगाई ।पीड़ित महिला का कहना है कि वह मजदूरी के लिए पति-पत्नी जब घर से बाहर जाते हैं ,तो बगल का ही एक युवक दीना महतो पिता साजो महतो उनकी नाबालिक बच्ची के पास पहुंचकर कई बार जबरन छेड़खानी करने का प्रयास किया हैं। लिखित शिकायत लेकर जब एनटीपीसी थाना गये तो आरोपी.से प्रभावित होकर पुलिस से उन पर दबाव दिलवा कर समझौता के लिए बोलते हैं। नहीं करने पर धमकी देते हैं ।एसडीओ गरिमा लोहिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एनटीपीसी थाना को केस दर्ज करने का निर्देश दिया है। एनटीपीसी थानाध्यक्ष ने बताया कि एसडीएम के निदेर्शानुसार मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

सड़क हादसे में युवक जख्मी

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सकसोहरा बाजार स्थित जीतेन्द्र कुमार अपनी मोटरसाइकिल को खड़ा करके सड़क किनारे किसी से बात कर रहा था, इसी दौरान बेलगाम गति से आयी बुलेट ने उसे टक्कर मार दी जिसमें वह कई फीट दूर जाकर गिरा जिसके चलते उसे गंभीर रूप से जख्मी हो गया।स्थानीय लोगों के द्वारा उसे इलाज के लिए बाढ़ के अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है जहां एकडंगा गांव निवासी युवक का इलाज किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि युवक के माथे में गंभीर चोट लगी हुई है जिसके चलते उसे रेफर किया गया है।

जलजमाव के चलते ई रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त, कई जख्मी

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एनटीपीसी जाने वाली गौरक्षणी मोड के पास सड़क पर पानी जमा होने के चलते ई रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें कई लोग जख्मी हो गए ।जख्मी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है । लोगों ने बताया कि सड़क के गढढे में फेके गए ईट पत्थर और जमा पानी का ई रिक्शा चालक को पता नहीं चला और तेज गति से उसे पर पार करने लगा, तभी अचानक अनियंत्रित होकर ई रिक्शा पलट गई। ई-रिक्शा पर बैठे कई लोग जख्मी हो गए ।

आपसी झगड़े में बच्चे के मुंह में जहर डालने का आरोप

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। भदौर थाना क्षेत्र के चकजगमल मुसहर टोली गांव में बुधवार की सुबह ग्रामीणों में आपसी विवाद में मारपीट हुई । वहीं मारपीट के दौरान एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों के ऊपर हमला बोल दिया। इस दौरान कई महिलाएं जख्मी हो गई। एक तरफ मारपीट चल रही थी तो दूसरी तरफ एक पक्ष के लोग ने डेढ़ साल के एक बच्चे चंदू कुमार के मुंह में जहर डाल दिया जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस और 112 पुलिस ने जब मदद नहीं की तो किसी तरह से 20 किलोमीटर दूर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचकर बच्चे का इलाज कराया। बच्चे की हालत में सुधार हो रहा है। लेकिन चिकित्सक ने बच्चे के मुंह में जहरीला केमिकल होने की बात स्वीकार की है। फिलहाल घटना को लेकर न तो पुलिस हरकत में है और न ही अभी तक सूचना दर्ज हुई है । थानाध्यक्ष शत्रुघ्न शाह ने बताया कि गली को लेकर दोनों पक्षों के बीच में झगड़ा हुआ है। मासूम के मुंह में जहरीला पदार्थ देने की बात को लेकर शिकायत नहीं की गई है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर जांच की जा रही है। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर कई लोगों से पूछताछ की है।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपराध की योजना बना रहे युवकों पर मसौढ़ी पुलिस ने बीते देर रात छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से 2 देशी पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। दो अन्य युवक भागने में सफल रहे।पुलिस पदाधिकारी जितेंद्र मिश्रा और रोशन कुमार के नेतृत्व में टीम ने मसौढ़ी प्रखंड कार्यालय के पीछे छापेमारी की। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक हथियार के साथ बैठे हैं। पुलिस को देखकर तीनों भागने लगे, इसी दौरान एक युवक को पकड़ लिया गया।गिरफ्तार युवक की पहचान प्रिंस कुमार सिंह, पिता निरंजन सिंह, निवासी गौरीचक के रूप में हुई है। तलाशी में उसके कमर से एक पिस्टल और हाथ से एक पिस्टल व कारतूस मिला। पूछताछ में पता चला कि वे किसी आपराधिक षडयंत्र को अंजाम देने वाले थे। आरोपी पहले भी हत्या के मामले में जेल जा चुका है। फरार युवकों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

फरार दो अप्राथमिकी अभियुक्तों के घर चिपकाया इश्तेहार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लहसुना थाना कांड संख्या 275/26 के अप्राथमिकी अभियुक्त अर्जुन मांझी एवं जितेंद्र मांझी के घर विधिवत इश्तिहार चिपकाए गया। थानाध्यक्ष ने बताया की उसमानचक गांव निवासी अजीत कुमार ने अपने बेटे रजनीश कुमार की हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित आवेदन दिया था।आवेदन में अजीत कुमार ने बताया कि 31 मार्च की रात करीब 9 बजे रूपसपुर की रहने वाली छोटी कुमारी ने फोन कर उनके बेटे को उसमानचक बुलाया था। इसके बाद खेत में पहले से घात लगाए 8-9 लोगों ने उसे पकड़ लिया। खोजबीन के दौरान 1 अप्रैल की सुबह उसका शव गांव के पास पईन नाला में क्षत-विक्षत मिला था, पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

देशी पिस्तौल और 3 कारतूस बरामद

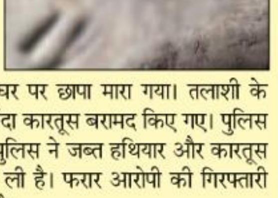

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पिपरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर शाहबाजपुर गांव में छापेमारी कर एक देशी पिस्तौल और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। छापेमारी के दौरान आरोपी घर से फरार हो गया। थानाध्यक्ष प्रिंस कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांव का एक युवक आपसी विवाद में हाथ में देशी कट्टा लेकर लहराता रहता है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम गठित कर अनंत साव पिता स्व. विनय कुमार गुप्ता के घर पर छापा मारा गया। तलाशी के दौरान घर से*एक देशी कट्टा और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस को देख आरोपी मौके से भाग निकला पुलिस ने जब्त हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

ई-रिक्शा से 130 लीटर देसी शराब जब्त

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अवैध देसी शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुनपुन थाना पुलिस ने गुरुवार तड़के भारी मात्रा में देसी शराब बरामद की है। पुलिस ने ई-रिक्शा में ले जाई जा रही 130 लीटर देसी शराब को जप्त कर लिया, जबकि सप्लायर भागने में सफल रहा।थानाध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पैमार घाट से मनोरा की ओर ई-रिक्शा पर पॉलिथीन में भरकर देसी शराब ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने मनोरा मोड़ के पास वाहन चेकिंग शुरू की।चेकिंग के दौरान पुलिस को आता देख ई-रिक्शा चालक शराब छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

टीपीएस कॉलेज में प्रस्तावित विवि संशोधन विधेयक का विरोध

मनोविज्ञान विभाग में 40 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में गुरुवार को शिक्षक संघ की आमसभा में बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधन के विरुद्ध सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया, वहीं दूसरी ओर मनोविज्ञान विभाग द्वारा 40 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया। टी.पी.एस. कॉलेज शिक्षक संघ की आम बैठक की अध्यक्षता प्रो. विजय कुमार सिन्हा ने की। बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों ने बिहार सरकार द्वारा बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में किए जा रहे संशोधन पर गंभीर चिंता व्यक्त की। शिक्षक संघ ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि प्रस्तावित संशोधन उच्च शिक्षा व्यवस्था, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शिक्षकों के अधिकारों एवं शैक्षणिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। शिक्षक संघ ने इस संशोधन का स्पष्ट विरोध करते हुए बिहार सरकार से इसे तत्काल वापस लेने तथा किसी भी संशोधन से पूर्व विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षक संगठनों एवं शिक्षा-जगत के अन्य संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श करने का आग्रह किया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस प्रस्ताव की प्रति बिहार सरकार, कुलपति, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना तथा संबंधित शिक्षक संगठनों को भेजी जाएगी। साथ ही AIFUC-TO एवं FUTAB के आंदोलन को समर्थन देने का भी निर्णय लिया गया। एक अन्य कार्यक्रम मे महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 40 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष एवं कोर्स समन्वयक प्रो. रूपम ने की। उन्होंने कहा कि यह कोर्स विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य, निर्णय क्षमता एवं जीवन-कौशल को सुदृढ़ बनाने में सहायक होगा। कार्यक्रम में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शशि भूषण चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कोर्स के अंतर्गत बिहार योग विद्यालय से प्रशिक्षित श्री जयप्रकाश चौधरी एवं सुश्री रीना कुमारी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देंगे। महा विद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सर्टिफिकेट कोर्स विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीलगाय से टकराने के बाद तरेगना स्टेशन पर 1 घंटे तक खड़ी रही पैसेंजर ट्रेन, यात्री परेशान

पटना-गया 63245 पैसेंजर के इंजन में आई खराबी, तकनीकी टीम ने ठीक कर रवाना किया

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना से गया की ओर जा रही 63245 पटना-गया पैसेंजर ट्रेन नीलगाय से टकराने के कारण तरेगना रेलवे स्टेशन पर करीब 1 घंटे तक खड़ी रही। इंजन में खराबी आने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे सूत्रों के अनुसार गुरुवार को पटना से खुलकर गया जा रही पैसेंजर ट्रेन रास्ते में नीमा गांव के पास अचानक नीलगाय से टकरा गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेन का इंजन बंद हो गया। हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।घटना के बाद किसी तरह ट्रेन को तरेगना रेलवे स्टेशन तक लाया गया। यहां पहुंचते ही इंजन में तकनीकी खराबी आ गई और ट्रेन वहीं रुक गई। करीब 1 घंटे तक ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान गर्मी और इंतजार से यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई यात्रियों ने ट्रेन लेट होने और असुविधा की शिकायत की। सूचना पर रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। ट्रेन चालक और उपचालक की मदद से टीम ने इंजन की मरम्मत की। करीब 1 घंटे बाद इंजन ठीक होने पर ट्रेन को गया के लिए रवाना किया गया। रेल अधिकारियों का कहना है कि वन्य जीवों के ट्रैक पर आने से इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। मामले की जांच की जा रही है।

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322-ए का वार्षिक जिला कैबिनेट स्थापना समारोह

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322-ए का वार्षिक जिला कैबिनेट स्थापना समारोह 'आरोहण' 24 जुलाई को पटना में लायंस क्लब्स इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट 322-ए का वार्षिक जिला कैबिनेट स्थापना समारोह 'आरोहण' का आयोजन शुक्रवार 24 जुलाई 2026 को सायं 6:00 बजे होटल ताज, पटना में किया जाएगा। यह समारोह लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित जिला कैबिनेट के विधिवत पदस्थापन का प्रतीक होगा तथा बिहार एवं झारखंड में संगठन की मानवीय एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करेगा। समारोह की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन संगीता नंदा करेंगी। इस अवसर पर लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लायन डॉ. मनोज शाह मुख्य अतिथि एवं स्थापना अधिकारी के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे नव निर्वाचित जिला कैबिनेट पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे । समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी करेंगे। लायन डॉ. के. लूथरा, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक भी समारोह को संबोधित करेंगे । समारोह के दौरान लायनिस्टिक वर्ष 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट 322-ए की सेवा कार्ययोजना भी प्रस्तुत की जाएगी। बिहार एवं झारखंड के विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य इस भव्य समारोह में बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

मोबाइल छीनकर भागे चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना-गया रेलखंड पर तारेगना रेलवे स्टेशन के पास मलिकाना मोहल्ले के समीप गुरुवार सुबह चलती ट्रेन में मोबाइल छीनकर भाग रहे एक चोर को स्थानीय लोगों ने पकड़कर जमकर पीटा। बाद में उसे जीआरपी पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार पटना से गया जा रही पैसेंजर ट्रेन में मों.हुसैन पिता मोहम्मद इरशाद सफर कर रहा था। हुसैन पटना में पढ़ाई करता है और छुट्टी में अपने घर शकूराबाद, जिला जहानाबाद जा रहा था। जैसे ही ट्रेन तारेगना स्टेशन से खुली और मलिकाना मोहल्ले के पास पहुंची, तभी एक युवक ने हुसैन का मोबाइल छीन लिया और चलती ट्रेन से कूदकर भागने लगा। हुसैन ने भी तुरंत छलांग लगाकर उसका पीछा किया और शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।पकड़े गए आरोपी की पहचान पिंटू कुमार, निवासी मलहचक जहानाबाद के रूप में हुई है।

बदल रहा बापू का आंगन, गांधी स्मारक पर बनेगा एल-शेप कलरफुल फव्वारा

राष्ट्रपिता की यादों का केंद्र अब और आकर्षक, मसौढ़ी के गांधी स्मारक का हो रहा जीर्णोद्धार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी शहर में चल रहे विकास कार्यों की कड़ी में मसौढ़ी के हृदय स्थल कहे जाने वाले गांधी मैदान की सूरत पूरी तरह बदलने जा रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की यादों को समर्पित मसौढ़ी के गांधी स्मारक को अब भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। नगर परिषद द्वारा स्मारक के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का काम तेजी से चल रहा है। योजना के तहत स्मारक के पूरे चबूतरे को ग्रेनाइट पत्थर से सजाया जा रहा है। स्मारक का चौड़ीकरण किया जा रहा है ताकि श्रद्धालु और पर्यटक आसानी से यहां आ सकें। सुरक्षा और सुंदरता के लिए चारों तरफ फैंसी रेलिंग लगाई जा रही है और प्रवेश के लिए भव्य गेट का निर्माण कराया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा आकर्षण एल-शेप कलर्ड फव्वारा होगा। स्मारक के ठीक सामने की जगह को गांधी पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी पार्क में यह रंगीन फव्वारा लगाया जाएगा जो रात में आकर्षक रोशनी के साथ लोगों का मन मोह लेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा आकर्षण एल-शेप कलर्ड फव्वारा होगा। गांधी स्मारक के ठीक सामने वाले स्थान को गांधी पार्क का स्वरूप दिया जा रहा है और उसी में यह रंगीन फव्वारा लगाया जाएगा। रात में रोशनी के साथ यह फव्वारा लोगों के लिए सेल्फी और घूमने का मुख्य केंद्र बनेगा। पहले गांधी मैदान में सिर्फ पुराना स्मारक था, लेकिन अब इसे गांधी चबूतरा, गांधी पार्क और गांधी स्मारक के रूप में विकसित किया जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि काम पूरा होने के बाद गांधी मैदान मसौढ़ी की पहचान और आकर्षण का नया केंद्र बन जाएगा।

रामकृष्ण द्वारिका महाविद्यालय पटना में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ समारोह

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासित, मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व से अवगत कराया

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रामकृष्ण द्वारिका महाविद्यालय, पटना में स्नातक प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2026-30 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ (इंडक्शन) समारोह का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा उच्च शिक्षा के उद्देश्यों से परिचित कराना था। प्राचार्या प्रो. सीता सिन्हा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासित, मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिन्हा ने मंच संचालन के दौरान विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समयपालन, नैतिक आचरण तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। श्रीमती भावना सिंह, विभागाध्यक्ष,जंतुविज्ञान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह के दौरान विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को अपने-अपने विषयों का परिचय दिया तथा पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय, छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), एन.सी.सी, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जिनमें प्रो.जगन्नाथ प्रसाद, डॉ रवि रंजन प्रसाद, डॉ अमर कुमार, डॉ सरिता कुमारी, डॉ निधि सिन्हा, श्रीमती स्मिता वैदेही, डॉ रंजन कुमार, डॉ आशीष कुमार, डॉ सुबोध चौधरी, डॉ सुशील कुमार, डॉ हरजीत कुमार, डॉ बबलू कुमार, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ जया दीक्षित, डॉ मुकेश कुमार राय, डॉ कृष्ण कांत राय, डॉ नवीन कुमार आदि शिक्षकों ने छात्र झछात्राओं को संबोधित किया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा शिक्षकों के साथ संवाद स्थापित कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

एसएमडी कॉलेज पुनपुन में एनसीसी कैडेटों को मिले बी और सी सर्टिफिकेट

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एस.एम.डी. कॉलेज, पुनपुन में बुधवार को 29 बिहार बटालियन एन.सी.सी, पटना के तत्वावधान में बी एवं सी सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने कैडेटों के बीच सर्टिफिकेट वितरित किए।इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल अमित कुमार ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि एन.सी.सी अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि एन.सी.सी का प्रशिक्षण न केवल व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है, बल्कि देश सेवा के लिए भी युवाओं को तैयार करता है।उन्होंने सभी कैडेटों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सेना और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं* की तैयारी में जुटने के लिए प्रेरित किया।सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाले कैडेटों में काफी उत्साह देखा गया।

नीट-2026 में पालीगंज के रणवीर कुमार ने लहराया परचम, 39वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया बिहार का गौरव

बिहार पब्लिक स्कूल, लालगंज सेहरा के छात्र की ऐतिहासिक सफलता, विद्यालय में जश्न का माहौल

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पालीगंज प्रखंड के लालगंज सेहरा स्थित बिहार पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र रणवीर कुमार ने नीट 2026 में अखिल भारतीय रैंक 39 प्राप्त कर न केवल विद्यालय, बल्कि अपने माता-पिता और पूरे बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। रणवीर कुमार वर्ष 2025 बैच के छात्र हैं। उन्होंने कक्षा 12वीं की परीक्षा में 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। अब नीट-यूजी 2026 में देशभर में 39वीं रैंक हासिल कर उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासित अध्ययन, आत्मविश्वास और असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के बल पर बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि रणवीर कुमार की यह उपलब्धि लाखों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उनकी सफलता से यह संदेश मिलता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद लगन और मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बिहार पब्लिक स्कूल परिवार की प्रबंधन समिति, निदेशक, प्राचार्या, शिक्षकगण एवं समस्त कर्मचारियों ने रणवीर कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य तथा चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि रणवीर की यह सफलता विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। हमें विश्वास है कि वे भविष्य में एक उत्कृष्ट चिकित्सक बनकर देश और समाज की अमूल्य सेवा करेंगे।

विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडलों ने की मंत्री श्रवण कुमार से भेंट, सौंपा ज्ञापन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्रवण कुमार से भेंट कर प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में एक ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता हर हाल में बनी रहनी चाहिए तथा सभी हितधारकों से व्यापक परामर्श किए बिना कोई बड़ा संशोधन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की विश्वविद्यालय व्यवस्था ने बेहतर परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के मॉडल का अनुसरण करना चाहिए, न कि उन राज्यों का जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बिहार की विश्वविद्यालय व्यवस्था से काफी पीछे हैं। श्रवण कुमार ने यह भी आश्वासन दिया कि वे इस विषय पर माननीय मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे और उन्हें अवगत कराएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा अधिनियम, जो विश्वविद्यालय व्यवस्था में व्यापक और मौलिक परिवर्तन (पैराडाइम शिफ्ट) का प्रस्ताव करता हो, उसे कुछ गिने-चुने लोगों द्वारा तैयार नहीं किया जा सकता। इसके निर्माण में सभी संबंधित पक्षों की सार्थक भागीदारी और व्यापक विमर्श आवश्यक है।प्रतिनिधिमंडल में प्रो शैलेष कुमार सिंह, प्रो सुहेली महतो, प्रो संतोष सिंह, प्रो सुशील कुमार सिंह,डॉ अयान मुखर्जी और डॉ कुमार वरुण के साथ सभी विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक थे।

नेशनल फ्लैग एडॉप्शन डे पर अधिकारियों को भेंट किया राष्ट्रीय ध्वज का प्रतीक चिन्ह

खगौल/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नेशनल फ्लैग एडॉप्शन डे के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के पूर्व स्वयंसेवक एवं समाजसेवी सिद्धार्थ भारद्वाज ने पटना प्रमंडल के आयुक्त आईएएस मयंक वारवाडे तथा मत्स्य विभाग के निदेशक आईएएस तुषार सिंगला को राष्ट्रीय ध्वज का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ भारद्वाज ने बताया कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की बैठक में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। इसी स्मृति में प्रत्येक वर्ष 22 जुलाई को नेशनल फ्लैग एडॉप्शन डे के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत का तिरंगा स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया द्वारा तैयार किए गए स्वराज ध्वज की अवधारणा पर आधारित है। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान, राष्ट्रीय एकता, स्वतंत्रता तथा बलिदान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करे और उसके गौरव को बनाए रखे। कार्यक्रम के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रतीक चिन्ह पूरे सम्मान और उत्साह के साथ स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में कार्य करने, देशभक्ति की भावना को मजबूत करने तथा तिरंगे के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

चार्जिंग नेटवर्क के लिए 689 करोड़ रुपये मंजूर, लेकिन अभी तक खर्च निल बटे सन्नाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पीए ई ड्राइव स्कीम के तहत 6,562 पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल

चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए 688.84 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। लेकिन, अब तक कोई खर्च नहीं हुआ है। बुधवार को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को बताया कि सरकार ने पीए ई ड्राइव स्कीम के तहत पब्लिक श्वङ्क चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये तय किए हैं। इसमें से 688.84 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। वहीं, अभी तक कोई खर्च नहीं हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि नई स्कीम के तहत मंजूरी तो मिल गई है। लेकिन, इसे लागू करने का काम अभी शुरू नहीं हुआ है। जवाब में सरकार के पुराने प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी गई है। इस स्कीम के तहत, देशभर में (हाईवे सहित) 9,332 पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाए जाने हैं। इसमें मदद के लिए 912.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। सरकार ने इस स्कीम के तहत 898.37 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि स्कीम के तहत खर्च आने वाले महीनों में तेजी पकड़ने की उम्मीद है। कारण है कि इसे लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। सूत्रों ने कहा खर्च की रफ्तार उम्मीद से ज्यादा तेज होने की संभावना है। हम देश भर में पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाने के काम को तेजी से पूरा करने के लिए इसे लागू करने वाली एजेंसियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

होम लोन लेते समय भूलकर भी न करें 5 गलतियां, वरना सालों तक बढ़ता रहेगा ईएमआई का बोझ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप भी अपना घर खरीदने की तैयारी कर रहे हैं और होम लोन लेने वाले हैं, तो सिर्फ कम ईएमआई को देखकर फैसला करना भारी पड़ सकता है। कई लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें लाखों रुपये ज्यादा चुकाने पड़ते हैं। जानिए किन 5 गलतियों से बचकर आप अपना होम लोन सस्ता और आसान बना सकते हैं। घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन यह जिंदगी के सबसे बड़े फैसलों में से एक है। ऐसे में होम लोन लेने से पहले सिर्फ इस बात पर ध्यान देना कि सबसे ज्यादा लोन मिल जाए या सबसे कम ईएमआई बन जाए, सही तरीका नहीं है। सही योजना बनाकर लिया गया होम लोन भविष्य में आर्थिक बोझ बनने से बचा सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा का कहना है कि पहली बार घर खरीदने वाले लोग अक्सर कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका असर कई सालों तक उनकी जेब पर पड़ता है। लंबे पीरियडे का होम लोन लेने से हर महीने की ईएमआई तो कम हो जाती है, लेकिन पूरे लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज काफी बढ़ जाता है। इसलिए ऐसा पीरियड चुनें, जिसमें ईएमआई भी संभाली जा सके और ब्याज भी ज्यादा न देना पड़े। अगर आप कम डाउन पेमेंट करते हैं तो बैंक से ज्यादा रकम उधार लेनी पड़ती है। इससे लोन का अमाउंट बढ़ती है और कुल ब्याज भी ज्यादा देना पड़ता है। कोशिश करें कि अपनी क्षमता के अनुसार अच्छा डाउन पेमेंट करें। घर खरीदते समय सिर्फ लोन और ईएमआई ही खर्च नहीं होते। रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोसेसिंग चार्ज, इंश्योरेंस, मेंटेनेंस और दूसरे खर्च भी होते हैं। अगर पहले से इनका हिसाब नहीं लगाया तो बाद में बजट बिगड़ सकता है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं है तो बैंक ज्यादा ब्याज दर पर लोन दे सकता है। इससे ईएमआई और कुल पेमेंट दोनों बढ़ जाते हैं। इसलिए लोन लेने से पहले अपना क्रेडिट स्कोर बेहतर रखने की कोशिश करें। बैंक जितना अधिकतम लोन देने को तैयार हो, उतना लेना हमेशा समझदारी नहीं होती। इससे भविष्य में किसी इमरजेंसी या दूसरे जरूरी खर्च के लिए पैसे की कमी हो सकती है।

भारत की जगह लेना इतना आसान नहीं

ट्रंप के 200 अरब डॉलर के दांव पर एक्सपर्ट ने कह दी ये बात

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर टैरिफ का बम फोड़ा है। इस बार निशाने पर फार्मा सेक्टर है। ट्रंप चाहते हैं कि कंपनियां अमेरिका में रहकर मैन्युफैक्चरिंग करें। भारत में इसे लेकर हलचल है। वह दुनिया में जेनरिक दवाओं का बड़ा सौदागर है। इंडस्ट्री लीडर्स और ट्रेड एक्सपर्ट्स ने कहा कि जेनेरिक दवाओं के लिए ट्रंप का टैरिफ प्लान एक्सपोर्ट पर असर डाल सकता है। लेकिन, मैन्युफैक्चरिंग की जटिलताओं और आर्थिक कारणों से अमेरिका में तेजी से शिफ्ट होना मुश्किल लगता है। ट्रंप ने अगस्त 2028 से इम्पोर्टेड जेनेरिक दवाओं पर 100% और अगस्त 2029 से 200% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद है कि फार्मा कंपनियों को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाने के लिए दो साल का समय मिल सके।

भले ही दो साल बाद टैरिफ लागू हो जाएं। लेकिन, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि कंपनियां तब तक अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर पाएंगी। उन्होंने कहा, 'इसके लिए कई रेगुलेटरी जरूरतें होती हैं। मौजूदा माहौल इतने तेजी से बदलाव का समर्थन नहीं करता है।' जोशी के अनुसार, जेनेरिक मेडिसिन मार्केट का अर्थशास्त्र भी बड़े पैमाने पर रीशोरिंग यानी उत्पादन को घरेलू देश में वापस लाने के खिलाफ काम करता है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में करीब 90 फीसदी प्रिस्क्रिप्शन जेनेरिक दवाओं के होते हैं। लेकिन, वैल्यू के हिसाब से जेनेरिक दवाओं की बाजार में हिस्सेदारी सिर्फ 13 फीसदी है। बाकी 87 फीसदी हिस्सेदारी पेटेंटेड और ब्रांडेड दवाओं की है। कंपनियां स्वाभाविक रूप से वहीं निवेश करेंगी जहां ज्यादा रिटर्न मिले। इसलिए कम मार्जिन वाली जेनेरिक दवाओं के मुकाबले ब्रांडेड दवाओं में निवेश करना व्यावसायिक रूप से ज्यादा फायदेमंद है।'

भारतीय जेनेरिक दवा निर्माता अमेरिका को हर साल लगभग 200 अरब डॉलर बचाने में मदद करते हैं। जोशी ने कहा, 'अगर भारतीय सप्लायर हट जाते हैं तो भारत को निर्यात में लगभग 10 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। लेकिन, अमेरिका को कहीं ज्यादा बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत पर भारी असर पड़ने की आशंका

ट्रंप के प्रस्तावित टैरिफ से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में भारत भी शामिल है। अमेरिका ने 2025 में 213 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट किए। इनमें 94.1 अरब डॉलर की तैयार दवाएं शामिल थीं। इससे यह दुनिया का सबसे बड़ा मेडिसिन मार्केट बन गया। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2025 में दुनियाभर में 25.8 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट किए। इसमें से 9.7 अरब डॉलर (यानी 37.7%) अमेरिका भेजे गए। भारतीय कंपनियां देश में दी जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं की सप्लाई का 47% हिस्सा देती हैं। यह अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम में भारत की भूमिका को साफ दिखाता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लंबे समय में इसका असर टैरिफ के आंकड़ों से जितना गंभीर लग रहा है, उससे कम हो सकता है। फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने मनीकंट्रोल से कहा, 'सबसे खराब स्थिति यह हो सकती है कि दो साल बाद हमारे लगभग 60% शिपमेंट पर असर पड़े। समय के साथ यह आंकड़ा 80% तक बढ़ सकता है। लेकिन, 20-25% एक्सपोर्ट जारी रहने की संभावना है। जोशी ने कहा कि अमेरिका में जेनेरिक मैन्युफैक्चरिंग क्षमता स्थापित करना नीति-निर्माताओं की सोच से कहीं ज्यादा मुश्किल है। वह बोले, 'किसी भी जेनेरिक फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को शुरू से बनाने के लिए कम से कम पांच से 10 साल का समय लगता है।'

72% मुनाफा बढ़ा, फिर भी 5% टूट गया इंडसइंड बैंक का शेयर!

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के शानदार नतीजे पेश किए। बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 72% बढ़कर 1,037 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 603 करोड़ रुपये के आसपास था। इतना बड़ा मुनाफा आने के बावजूद शेयर बाजार में निवेशकों की प्रतिक्रिया उलटी रही। नतीजों के अगले ही दिन बैंक का शेयर 5% से ज्यादा टूटकर 1,015 रुपये के करीब पहुंच गया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब कंपनी का मुनाफा इतना बढ़ा है तो निवेशकों ने शेयर क्यों बेच दिए आइए आसान भाषा में समझते हैं। दरअसल, बैंक का मुनाफा जरूर बढ़ा, लेकिन निवेशकों की नजर सिर्फ नेट प्रॉफिट पर नहीं होती। वे बैंक के मुख्य कारोबार यानी नेट इंटरेस्ट इनकम और भविष्य की ग्रोथ पर भी ध्यान देते हैं। इंडसइंड बैंक की इंटरेस्ट इनकम लगभग स्थिर रही और यह 4,685 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 4,640 करोड़ रुपये थी, यानी बैंक की मुख्य कमाई में कोई बड़ा उछाल नहीं दिखा। यही वजह रही कि अच्छे मुनाफे के बावजूद बाजार ने ज्यादा उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि, बैंक के लिए कई सकारात्मक संकेत भी रहे। नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़कर 3.57% हो गया, जो पिछले साल 3.46% था। इसके अलावा बैंक की प्रोविजनिंग भी घटकर 1,384 करोड़ रुपये रह गई, जिससे मुनाफा बढ़ाने में मदद मिली। बैंक की एसेट क्वॉलिटी भी पहले से बेहतर हुई। ग्रॉस एनपीए घटकर 3.25% और नेट एनपीए 0.95% पर आ गया। इसका मतलब है कि खराब कर्ज का दबाव धीरे-धीरे कम हो रहा है।

सरकार ने बताया इस रकम का कहां इस्तेमाल होगा

एलआईसी और ईपीएफओ में हजारों करोड़ यूं ही पड़े हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है भारतीय जीवन बीमा निगम। यह सरकार की कंपनी है। इसके पास इस साल 31 मार्च को 7,000 करोड़ रुपये से भी अधिक राशि बिना दावे के पड़ी थी। इसी तरह कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के पास भी इस साल 31 मार्च को 9,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि बिना दावेदार के पड़ी थी। सरकार ने कहा है कि इस राशि का किसी दूसरे उद्देश्य के लिए इस्तेमाल नहीं होगा। लोकसभा में आज केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक लिखित जवाब में सरकार की मंशा का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि एलआईसी और ईपीएफओ के

पास जो भी रकम बिना दावे के पड़ी है, उसका इस्तेमाल किसी अन्य मद में नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की 19 जून, 2024 की मास्टर सर्कुलर में इस बारे में प्रावधान है। उसमें कहा गया है कि 10 साल से अधिक समय तक जिस राशि पर कोई दावा नहीं किया जाता, उसे वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष में स्थानांतरित कर दिया जाता है। ऐसी राशि का उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। पंकज चौधरी के मुताबिक के पास 31 मार्च, 2026 तक 7,318.50 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड राशि के रूप में पड़े थे। इसमें 5,564.55 करोड़ रुपये पॉलिसीधारकों के और 1,753.95 करोड़ रुपये उन अनक्लेम्ड राशियों पर हुई आमदनी के रूप में शामिल हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई अनक्लेम्ड खाते नहीं हैं। हालांकि वहां ढेरों खाते निष्क्रिय हैं। इस साल 31 मार्च तक निष्क्रिय खातों में 9,330.56 करोड़ रुपये थे। सरकार के मुताबिक भारतीय जीवन बीमा निगम और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पूरी कोशिश कर रहे कि संबंधित बेनीफिशरीज का पता लगा लिया जाए। सरकार के अनुसार, पॉलिसीधारकों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अनक्लेम्ड राशि के दावेदारों को खोजने का प्रयास कर रही है। इसके साथ ही ग्राहकों से संपर्क करने के लिए पत्र, स्स्, स्थानीय एजेंट, बीमा सखी और क्रेडिट ब्यूरो एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है। ऐसा इसलिए ताकि पॉलिसीधारक और नामांकित व्यक्तियों को खोजा जा सके। सरकार ने बताया कि के मामले में निष्क्रिय खातों को चड्ढष्ट स्थिति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। साथ ही 1,000 रुपये या उससे कम शेष राशि वाले आधार-सत्यापित निष्क्रिय खातों के स्वचालित निपटान के लिए एक पायलट परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस पहल के तहत, बिना क्लेम या दस्तावेज के भी राशि सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में जमा हो जाती है।

हमेशा लीक से हटकर सोचें और जहां भी मौके मिलें, उन्हें अपनाएं: लक्ष्मी निवास मित्तल

नई दिल्ली, एजेंसी। लक्ष्मी निवास मित्तल आर्सेलर-मित्तल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। प्रोडक्शन के मामले में यह दुनिया की सबसे बड़ी स्टील और माइनिंग कंपनी है। राजस्थान के एक कारोबारी परिवार में जन्मे मित्तल की शुरुआत बहुत साधारण थी। ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद मित्तल अपने पिता के स्टील कारोबार से जुड़ गए। उन्होंने परिवार के स्टील कारोबार में तब तक काम किया, जब तक कि 1976 में दूसरी पीढ़ी के उद्यमी के तौर पर अपनी खुद की स्टील कंपनी शुरू नहीं की। तब से वह कारोबार को बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आज लक्ष्मी निवास मित्तल मल्टी-बिलियनेयर हैं। 2005 में फोर्ब्स ने मित्तल को दुनिया का तीसरा सबसे अमीर व्यक्ति बताया था। 2008 में भारत सरकार ने मित्तल को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उसी साल, उन्हें फोर्ब्स लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिला। टाइम मैगजीन ने उन्हें दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक माना। फोर्ब्स के अनुसार, 22 जुलाई 2026 तक लक्ष्मी मित्तल की रियल टाइम नेटवर्थ 31.3 अरब डॉलर थी। जब लोग देख पाते हैं कि लीडर किस

दिशा में जा रहे हैं, तो उन्हें प्रेरित करना आसान हो जाता है। कारोबारी जिंदगी में यह एक सीख है कि सबसे पहले, आप जो काम कर रहे हैं, उसके लिए आपमें कमिटमेंट, डेडिकेशन और जुनून होना चाहिए। आखिरकार, आपको भावनाओं को दूर रखना होता है। हर किसी को मुश्किल समय का सामना करना पड़ता है। आप उनसे कैसे निपटते हैं और उनसे कैसे बाहर निकलते हैं, यही आपके दृढ़ संकल्प और समर्पण की परीक्षा है। मेहनत का फल जरूर मिलता है। आजकल बहुत से लोग कड़ी मेहनत करते हैं। इसलिए आपको यह पक्का करना होगा कि आप उनसे भी ज्यादा मेहनत करें और जो काम आप कर रहे हैं या जो लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं, उसके प्रति पूरी तरह समर्पित रहें। जब मैं खुद की और एक ओलंपियन की तुलना करता हूं तो मुझे लगता है कि बिजनेस की दुनिया में सफलता भी लगन और कड़ी मेहनत जैसे सिद्धांतों पर ही टिकी होती है। हमेशा लीक से हटकर सोचें और जहां भी मौके मिलें, उन्हें अपनाएं। एक मजबूत खिलाड़ी, जिसके पास काफी क्षमता हो, वह दबाव को बेहतर ढंग से झेल सकता है और एक ज्यादा स्थिर माहौल बना सकता है, जिससे शेयरहोल्डर्स और कर्मचारियों, दोनों को फायदा होता है। मैं हिंदी मीडियम स्कूल से आया था... प्रिंसिपल को लगा कि मैं इंग्लिश मीडियम कॉलेज में फिट नहीं हो पाऊंगा। हालांकि, स्कूल में मैं अपनी क्लास में टॉपर था और मुझे दूसरे कॉलेजों में भी एडमिशन मिल गया था। लेकिन, मैं असल में सेंट जेवियर्स में ही पढ़ना चाहता था।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट, तीन से चार महीनों में साइन होने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट है। अगले तीन से चार महीनों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इस डील के होने का लंबे समय से इंतजार है। इससे संकेत मिलता है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। बुधवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से इस बारे में जानकारी दी। मनीला में आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'डील... तैयार है। हमारे पास असल में कागजात मौजूद हैं।'

अधिकारी ने बताया कि अब बस वॉशिंगटन की ओर से 'सेक्शन 301' के तहत ट्रेड से जुड़ी जांच पूरी होनी बाकी है। इस कानून में गलत ट्रेड प्रैक्टिस शामिल हैं। यह अमेरिका को टैरिफ लगाने या जवाबी कार्रवाई करने की इजाजत देता

है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिशों के तहत मार्केट तक पहुंच बढ़ाने और ट्रेड से जुड़ी रुकावटों को कम करने के लिए एक द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, एग्रीमेंट लगभग पूरा हो चुका है। इसमें जो थोड़ी-बहुत देरी हो रही है, वह आपसी मुद्दों के अनसुलझे रहने के कारण नहीं, बल्कि अमेरिका में चल रही ट्रेड से जुड़ी जांच के कारण हो रही है।

जांच इस हफ्ते या अगले हफ्ते पूरी होने की उम्मीद: अधिकारी ने बताया कि 60 देशों से जुड़े 'सेक्शन 301' की एक जांच इस हफ्ते या अगले हफ्ते पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जब वह और दूसरी चल रही जांच पूरी हो जाएंगी, तो 'हमें न सिर्फ भारत में, बल्कि दूसरी जगहों पर भी प्रगति देखने को मिलेगी।' जब पूछा गया कि एग्रीमेंट कब तक पूरा हो सकता है तो अधिकारी ने जवाब दिया, 'शायद तीन-चार महीने और लग सकते हैं।' वॉशिंगटन पहले ही भारत समेत कई देशों पर 12.5% तक नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दे चुका है। इन देशों पर आरोप है कि वे जबरन मजदूरी से बनी चीजों के ट्रेड को रोकने में नाकाम रहे हैं।

मेरे परिवार को भरोसा नहीं था, प्रोफेसर ने नौकरी छोड़ बदला रास्ता, लाखों की कमाई का मॉडल पेश किया

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है एक ऐसे पूर्व प्रोफेसर की जिन्होंने शिक्षा जगत को छोड़कर बिल्कुल अलग रास्ता अपना लिया। उनका नाम है - डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार। उनके परिवार तक को यकीन नहीं था कि वह इस नए काम में सफलता हासिल कर पाएंगे। लेकिन, आज डॉ. नागेंद्रप्पा अपने इसी काम से लाखों की कमाई कर रहे हैं। नई दिल्ली: डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार कर्नाटक के बीदर जिले के रहने वाले हैं। वह पहले प्रोफेसर और प्रिंसिपल रहे हैं। हालांकि, शिक्षा जगत के दशकों लंबे करियर को विराम देकर उन्होंने अपना रास्ता बदल दिया। अपनी पुश्तैनी जमीन पर ऑर्गेनिक खेती को कमाई का नया जरिया बनाया। खेती के अपने अलग मॉडल से आज वह लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां डॉ. नागेंद्रप्पा बिरदार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। 2021 में डॉ. नागेंद्रप्पा ने 5 एकड़ जमीन से शुरुआत की। इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अवोकाडो, कटहल, जामुन और केले की खेती शुरू की। खेतों में जीवामृत, गोबर की खाद और हरी खाद का इस्तेमाल किया। अपने इंजीनियरिंग

बैकग्राउंड का फायदा उठाकर उन्होंने मिनी ट्रैक्टर और ब्रश कटर जैसे उपकरणों के जरिए खेती को मेकेनाइज्ड कर दिया। इससे मजदूरों पर निर्भरता कम हो गई। कृषि सलाहकार की मदद और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर (ड्रिप सिंचाई और फेंसिंग) तैयार करने के तीन साल के इंतजार के बाद उनके पौधों ने कमर्शियली फल देना शुरू किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया, 'जब कोई शिक्षित व्यक्ति खेती का रुख करता है तो हर परिवार हिचकिचाता है। मेरा परिवार भी अलग नहीं था। शुरू में उन्हें पूरा भरोसा नहीं था कि मैं इसे सफलता से कर पाऊंगा।'

ऐसे बदल गया रास्ता

डॉ.नागेंद्रप्पा ने मेकेनिकल इंजीनियरिंग और प्रोडक्शन मैनेजमेंट में उच्च शिक्षा हासिल की है। उन्होंने टीचिंग और रिसर्च में दशकों का समय बिताया। आईआईटी बॉम्बे में रिसर्च स्कॉलर के रूप में काम किया। भारत के साथ इथियोपिया की यूनिवर्सिटी में भी सेवाएं दीं। हालांकि, समय के साथ फैकल्टी के सामने आने वाली चुनौतियों से हताश होकर उन्होंने 2020 में अकादमिक क्षेत्र छोड़ने का फैसला किया। इथियोपिया में ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति लोगों के जुड़ाव और फिर कोरोना महामारी के दौरान मिले समय ने उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। उनके मन में बीदर में 15 एकड़ के पुश्तैनी फार्म को ऑर्गेनिक हॉर्टिकल्चर बिजनेस मॉडल में बदलने का आइडिया आया। आज वह मुंबई और हैदराबाद के ऑर्गेनिक स्टोर्स और 100 से अधिक डायरेक्ट कस्टमर्स को उत्पाद बेच रहे हैं।

युद्ध के बीच एयर इंडिया का बड़ा ऐलान, तेल अवीव-दिल्ली रूट पर सितंबर तक सभी फ्लाइट सस्पेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में फिर से शुरू हुई लड़ाई और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस बीच, एयर इंडिया ने बुधवार को बड़ा ऐलान कर दिया। उसने कहा कि वह तेल अवीव-दिल्ली रूट पर अपनी उड़ानों को सितंबर के आखिर तक सस्पेंड कर रही है। एयरलाइन इस इलाके में सुरक्षा हालात को देखते हुए कई महीनों से इस रूट पर अपनी उड़ानों को लगातार सस्पेंड करती आ रही है।

सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच ऐलान

यह ताजा घोषणा पिछले 10 दिनों में सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच आई है। कारण है कि अमेरिका और ईरान के बीच मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है। अमेरिकी सेना ने ईरान में पुलों, पानी को खारापन-मुक्त करने वाले प्लांट और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया है। इसके जवाब में तेहरान ने पश्चिम एशिया में सहयोगी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं।

एयर इंडिया के इजरायल ऑपरेशन्स के प्रमुख एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि 'सुरक्षा चिंताओं के कारण' ऑपरेशन्स को 'सितंबर के आखिर तक' और सस्पेंड कर दिया गया है। इलाके में तनाव के चलते कई दूसरी बड़ी इंटरनेशनल एयरलाइंस भी 'इंतजार करो और देखो' यानी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अपना रही हैं।

इजरायली एयरलाइंस जैसे एल अल, इजराएयर, अर्किआ और एयर हाइफा के अलावा बहुत कम इंटरनेशनल एयरलाइंस ही ऑपरेट कर रही हैं। इससे काम, छुट्टी या परिवार से मिलने के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे लोगों के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा हो गई हैं। फरवरी के आखिर में ईरान-अमेरिका संघर्ष शुरू होने के कुछ हफ्ते बाद भारतीय एयरलाइन ने अप्रैल में मई के आखिर तक अपने ऑपरेशन्स को रोकने की घोषणा की थी। इसे बाद में जुलाई के आखिर तक और अब सितंबर के आखिर तक बढ़ा दिया गया है। एयर इंडिया की उड़ानों के सस्पेंशन से इजरायल में रह रहे 40,000 से ज्यादा भारतीयों के बीच बड़ी चिंता पैदा हो गई है। ये निजी या प्रोफेशनल कारणों से या फिर इलाके में अनिश्चितता से बचने के लिए भारत आना चाहते हैं।

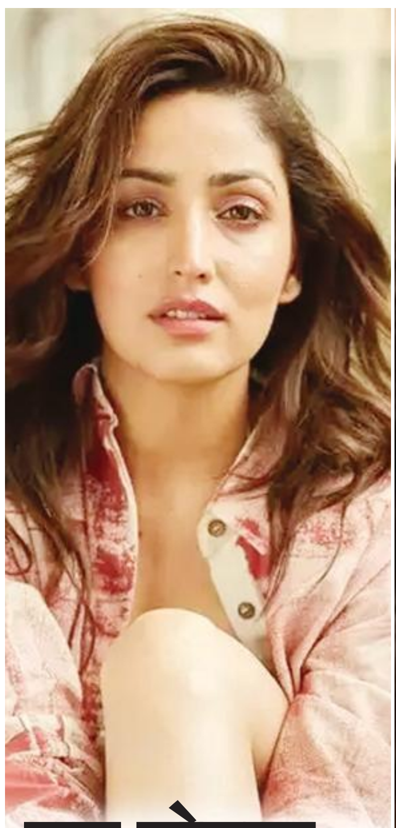

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।'

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।

बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है।

आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी

मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से अलग हुए आमिर खान

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।

क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से अलग हुए आमिर

आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। मेकर्स को नए यंग एक्टर की तलाश आमिर खान के हटने के बाद भी बायोपिक पर काम बंद नहीं हुआ है। डायरेक्टर राहुल मोदी और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर फिल्म को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब मेकर्स अश्नीर ग्रोवर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स की इंडस्ट्री के दो से तीन बड़े युवा एक्टर्स से बात चल रही है और जल्द ही मुख्य किरदार के नाम पर मुहर लग सकती है।

मार्च 2027 में शुरू होने वाली थी फिल्म की शूटिंग शुरुआती योजना के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2027 में शुरू होनी थी। आमिर खान निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ अपनी पीरियड ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद इस बायोपिक का काम शुरू करने वाले थे। हालांकि, अब कास्टिंग में बदलाव होने के बाद शूटिंग शेड्यूल पर भी असर पड़ सकता है।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा

इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

नितांशी गोयल ने पूरी की 'तक्षाकुडू' की शूटिंग

फिल्म 'लापता लेडीज' फेम नितांशी गोयल अपनी अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। उन्होंने सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। नितांशी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह दुल्हन की तरह सजी हैं। एक दूसरी तस्वीर में वह कुत्ते के सिर से अपना सिर लगा रगा रही हैं। एक और तस्वीर में वह आनंद देवरकोंडा के साथ पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में वह फिल्म की टीम के साथ नजर आ रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए नितांशी ने लिखा 'तक्षकुडू की शूटिंग पूरी कर ली है। यह सफर बहुत अच्छा रहा। सेट पर हर दिन मैंने कुछ ऐसा सीखा जिसे अपने घर ले जा सकूं। बहुत अच्छी यादें बनाई। बहुत अच्छे लोग मिले। एक ऐसी भाषा सीखी, जिससे प्यार हो जाए। फिल्म में अपने किरदार के बहुत पास रहूंगी।' आपको बता दें कि निताशीं गोयल की अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें वह 'करुणा' नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हैं। इसमें उनके साथ आनंद देवरकोंड़ा हैं। इसके निर्देशक विनोट अनंतोजु हैं।

नितांशी गोयल साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'लापता लेडीज' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने फूल कुमारी का किरदार निभाया था, जिसकी काफी तारीफ हुई थी। बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड मिला था। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी।

ऑडियंस के पास अब बहुत चॉइस अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो 'अंताक्षरी' में होस्ट रहे हों या 'विकी डोनर' और 'ड्रीम गर्ल' में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई 'विकी डोनर' में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा सौ सालों में सिर्फ दो कॉमेडी फिल्म को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।'

करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, 'अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और दाल फ्राई खा के मैं मस्त हाथी की तरह चलता हुआ पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।'

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए हैं। तो यह कॉम्पटीशन पूरे समाज के लिए बहुत अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।'

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, 'मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।'

भारत का पहला पदक पक्का

लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके अलावा, उन्होंने चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता।

पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान पर लाखों ठगी का आरोप

नवीन जिंदल से पहचान बताकर काम में पार्टनर बनाने ठेकेदार को फंसाया

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान पर 17.52 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा है। जिंदल इस्पात लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम दिलाने का झांसा देकर ठेकेदार से फ्रॉड किया गया। अब कोर्ट ने उन पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र का कहना है कि, राजेश चौहान ने खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बताते हुए उद्योगपति नवीन जिंदल से करीबी संबंध होने का दावा किया था। भरोसा दिलाने के लिए जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर भी दिखाया और ट्रांसपोर्ट के काम में पार्टनर बनाने की बात कही। बाद में पता चला कि पूरा दस्तावेज फर्जी था। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) कोर्ट ने मोहन नगर पुलिस को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है।

कौन हैं राजेश चौहान?

राजेश चौहान भारत के पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने 1993 से 1998 के बीच भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। 90 के दशक में वे अनिल कुंबले और वेंकटपति राजू के साथ भारत की स्पिन तिकड़ी का अहम हिस्सा रहे।

- **दोस्त के जरिए हुई पहचान, करोड़ों के काम का दिया लालच**- पीड़ित दिनकर विश्वमित्र ने कोर्ट में बताया कि, उसकी मुलाकात दोस्त सरोज कुमार के जरिए राजेश चौहान से हुई थी। बातचीत के दौरान राजेश ने कहा कि उसकी गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी को ओडिशा के क्योंझर स्थित जिंदल इस्पात लिमिटेड में आयरन और अन्य सामग्री के ट्रांसपोर्ट का बड़ा ठेका मिला है। अगर वह ट्रक लगाकर इस काम में पार्टनर बनता है, तो उसे अच्छा मुनाफा मिलेगा। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपी ने जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर और दूसरे दस्तावेज भी दिखाए। इन्हें देखकर दिनकर ने साझेदारी के लिए हामी भर दी।

- **इकरारनामा हुआ, फिर अलग-अलग किस्तों में लिए 17.52 लाख रुपए**- शिकायत के अनुसार, 30 जुलाई 2021 को दोनों पक्षों के बीच इकरारनामा हुआ। उसी दौरान दिनकर ने 2.51 लाख रुपए का पहला भुगतान किया। इसके बाद आरोपी के कहने पर गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी के खाते में दो किस्तों में 15.01 लाख रुपए और ट्रांसफर कर दिए। इस तरह आरोपी ने कुल 17.52 लाख रुपए ले लिए। पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही ट्रांसपोर्ट का काम शुरू होगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी न तो काम मिला और न ही किसी तरह का फायदा।

पॉजिटिव सेल्फ टॉक ने हालैंड को बनाया सुपर स्टार

अर्लिंग हालेंड ने बताया- थकान सिर्फ दिमाग में होती है; विज्ञान भी यही कहता है

न्यूयॉर्क। फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।- फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।

हालिया फुटबॉल वर्ल्ड कप में नॉर्वे के अर्लिंग हालेंड 7 गोल दागकर टूर्नामेंट के चौथे सबसे सफल खिलाड़ी रहे। 6 फुट 5 इंच लंबे इस खिलाड़ी की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। पिछले साल की एक घटना है, जब मैनचेस्टर सिटी की ट्रेनिंग फैसिलिटी में हालेंड एक 'हाइपोक्सिक चैंबर' में एक्सरसाइज बाइक चला रहे थे। यह एक ऐसा कमरा होता है, जहां पहाड़ों जैसी ऊंचाई और तेज गर्मी का माहौल बनाकर हवा में ऑक्सीजन काफी कम कर दी जाती है। हालेंड को पूरी ताकत लगाकर अपना हार्ट रेट 150 बीट्स प्रति मिनट तक ले जाना था।

उन्होंने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा था कि वह यह बिल्कुल नहीं करना चाहते, लेकिन फिर भी करेंगे क्योंकि यह उनके शरीर और दिमाग दोनों के लिए अच्छा है।

वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे 2 विकेट से जीता

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-3 से सीरीज गंवाई, हेटमायर की फिफ्टी

ब्रिजटाउन। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में 2 विकेट की जीत हासिल की। हालांकि, बुधवार को मिली इस जीत के बावजूद टीम ने 5 मैचों की सीरीज 2-3 से गंवा दी। ब्रिजटाउन में कैरेबियाई टीम ने 269 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिमरोन हेटमायर ने नाबाद 69 रनों की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जॉयडन लेनिक्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत- टॉस हराने के बाद पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 268 रन बनाए। टीम ने 16 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां पर हेनरी निकोलस 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू फोर्ड ने बोल्ड किया।

यंग-केली ने पारी संभाली, दोनों की फिफ्टी- 5वें ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर विल यंग और निक केली ने कीवियों की पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद पर 86 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को विटेल लुईस ने विल यंग को बोल्ड करके तोड़ा। विल यंग ने 56 रन बनाए। यंग के आउट होने के बाद केली ने मार्क चैपमैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन चैपमैन 11 रन बनाकर आउट हो गए। चैपमैन के आउट होने के बाद विल यंग 64 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

टॉम लैथम ने स्कोर 200 पार पहुंचाया- मार्क चैपमैन के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे टॉम लैथम ने न्यूजीलैंड की पारी को 200 पार पहुंचा दिया। उन्होंने 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ ने 50 ओवर में टीम का स्कोर 268/9 पहुंचा दिया। विटेल लुइस और अल्जारी जोसेफ को दो-दो विकेट मिले।

कैरेबियाई ओपनर्स में फिफ्टी पार्टनरशिप 269 रन का टारगेट चेज करने उतरे कैरेबियाई ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। हालांकि, 59 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन भी लौट गए। एकीम ऑगस्टे 34 और जस्टिन ग्रीव्स 22 रन बनाकर आउट हुए। केसी कर्टी 20 और कप्तान शाई होप 39 रन बनाकर आउट हुए।

मैदान पर भावुक हुए मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने लिखा खास पोस्ट

'आपके आंसू हमारे आंसू हैं'

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है। स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।' लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने।

उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। स्पेन के खिलाफ मेसी 39 साल और 25 दिन की उम्र में मैदान पर उतरे। मेसी ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप (छह) खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

ED का जुर्माना रद्द

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे

IPL का पैसा विदेश भेजने का केस; बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नई दिल्ली। आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को आईपीएल 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े FEMA मामले में फैसला सुनाया था। इसमें मोदी को राहत देते हुए ED के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं।

2018 में लगा था 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना

ED ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी।

भारत से दक्षिण अफ्रीका पैसे भेजने का मामला था- यह मामला 2009 में IPL को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए BCCI ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन हुआ।

ट्रिब्यूनल बोली-

ललित व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं- ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ED की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया। उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए RBI की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था। ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह BCCI की ओर से FEMA के तहत कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका श्रष्ठ ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका IPL से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया।

असम में लगातार हो रही भारी बारिश

सेना ने तेज किया राहत और बचाव अभियान

गुवाहटी, एजेंसी। असम में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के उफान से उत्पन्न भीषण बाढ़ के बीच भारतीय सेना ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। सेना के स्पीयर कोर के अंतर्गत रेड शील्ड डिवीजन के जवान शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जैसे सबसे अधिक प्रभावित जिलों में चौबीसों घंटे राहत कार्यों में जुटे हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सेना अब तक 700 से अधिक बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा चुकी है, जबकि 150 से अधिक लोगों को चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। परिवारों तक आपातकालीन राशन, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। दुर्गम और जलमग्न इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर लगातार हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं।

राहत सामग्री का लगातार वितरण

अधिकारियों ने बताया कि चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद राहत अभियान जारी हैं, सैनिक जलमग्न गांवों और जलभराव वाले इलाकों में फंसे परिवारों तक पहुंचने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। सेना ने प्रभावित निवासियों को आपातकालीन राशन पैकेट, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक राहत सामग्री भी वितरित की है, जिससे बाढ़ में फंसे लोगों को तत्काल सहायता मिल सके। बचाव प्रयासों को मजबूत करने के लिए सेना के विमानन हेलीकॉप्टर दुर्गम स्थानों में फंसे लोगों की पहचान करने और बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं। हवाई सर्वेक्षण बचाव दल को बाढ़ के पानी से कटे हुए क्षेत्रों में अभियानों को प्राथमिकता देने में मदद कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना के इंजीनियरों को भी अलग-थलग पड़े गांवों तक संपर्क बहाल करने में सहायता के लिए तैनात किया गया है, ताकि पहुंच मार्गों में सुधार किया जा सके और राहत कार्यों में नागरिक अधिकारियों का सहयोग किया जा सके।

असम में सेना का राहत अभियान तेज

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सेना के स्पीयर कोर के अंतर्गत रेड शील्ड डिवीजन के जवान बाढ़ प्रभावित शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट जिलों में चौबीसों घंटे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान चला रहे हैं, जहां लगातार बारिश और नदियों के उफान से विशाल क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। सेना ने बताया कि बचाव दल ने बढ़ते बाढ़ के पानी में फंसे 700 से अधिक लोगों को निकाला है, जबकि प्रभावित क्षेत्रों में तैनात फील्ड टीमों के माध्यम से 150 से अधिक निवासियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है। जिससे बचाव अभियानों को प्राथमिकता देने में मदद मिल रही है। वहीं, सेना के इंजीनियर अलग-थलग पड़े गांवों तक संपर्क बहाल करने में नागरिक प्रशासन की सहायता कर रहे हैं। राज्य में इस वर्ष की सबसे भीषण बाढ़ से 25 जिले प्रभावित हुए हैं, जहां 72 लाख से अधिक लोग प्रभावित और 31 लोगों की मौत हो चुकी है ।सेना ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों को समय पर सुरक्षित निकालने और मानवीय सहायता की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नागरिक प्रशासन और अन्य आपदा राहत एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

सिक्किम टनल हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हुई, तीन अन्य की तलाश जारी

गंगटोक, एजेंसी। एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान गुरुवार देर रात तक लगातार जारी रहा। बचाव दलों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच अभियान को जारी रखते हुए शेष लोगों की तलाश के प्रयास तेज कर दिए हैं। रात लगभग 10 बजे पश्चिम बंगाल के आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की दूसरी विशेष बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत अभियान में शामिल हो गई। विभिन्न एजेंसियों की टीम समन्वय के साथ मध्यरात्रि तक लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं। ताजा जानकारी के अनुसार, सुरंग से अब तक 22 मृतकों के शव बरामद किए जा चुके हैं। शेष लोगों की तलाश के लिए विशेष बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं। नामची जिला प्रशासन तथा संबंधित सभी एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। साथ ही, बचाव कार्य में जुटी टीमों और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। बता दें कि हादसा सोमवार दोपहर को टनल के अंदरमिथेन गैस रिसाव होने के कारण हुई थी। सोमवार से बचाव और आउद्धार कार्य लगातार चल रही है। एनएनपीसी केआधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार टनल के अंदर 25 लोग फंसे हुए थे, गुरुवार सुबह से बांकि के तीन लोगों की तलाशी में टीम जुटी हुई है।

सक्षिप्त समाचार

छात्रों को भड़का कर देश में गृहयुद्ध कराना चाहता है विपक्ष

मुंबई, एजेंसी। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित सिंह ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष छात्रों और नौजवानों को दिग्भ्रमित करके देश में गृहयुद्ध कराने की साजिश रच रहा है। रोहित सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों और नौजवानों के प्रति संवेदनशील हैं। भारत सरकार के नेतृत्व में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'इनकी सांठ-गांठ विदेशों से है। इनको देश की प्रतिष्ठा, भारतीय संस्कृति और सभ्यता से कोई लेना-देना नहीं है। जिन लोगों ने परिवारवादी राजनीति को अपना आभूषण बनाया है, आज वो भोले-भाले छात्रों को भड़का कर अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं।' रोहित सिंह ने आगे कहा कि युवा चेतना कश्मीर से कन्याकुमारी तक नौजवानों में जागरूकता अभियान चलाएगी। भारत के छात्रों और नौजवानों का भविष्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित है। कांग्रेस और विपक्ष ने हमेशा देश के छात्रों को पीड़ा पहुंचाने का काम किया है।

योगी के नेतृत्व में उप्र ने मारी बाजी; देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स हब

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है। कभी इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के मामले में सीमित पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश आज देश में बनने वाले लगभग 65 प्रतिशत मोबाइल फोन का उत्पादन कर रहा है। यही नहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट निर्माण में भी प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 55 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इस उपलब्धि ने उत्तर प्रदेश को देश के सबसे बड़े हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर दिया है ।नोएडा और ग्रेटर नोएडा को केंद्र बनाकर विकसित हुए औद्योगिक इकोसिस्टम ने इस परिवर्तन में सबसे अहम भूमिका निभाई है।

रायपुर में ईडी के खुलासे से करोड़ों के विदेशी ट्रांजेक्शन का खेल, बेरोजगार को बनाया 'डमी डायरेक्टर'

रायपुर, एजेंसी। ईडी की कार्रवाई के बाद रायपुर में करोड़ों रुपये के विदेशी ट्रांजेक्शन का पता चला है। विधानसभा थाना पुलिस ने स्थानीय निवासी संदीप सेठ की शिकायत पर मुंबई के रहने वाले रितेश गुप्ता समेत अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया है। संदीप ने आरोप लगाया है कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर एक निजी कंपनी का डायरेक्टर बनाया गया। उनके नाम और कथित फर्जी हस्ताक्षरों का उपयोग कर बैंक खाते संचालित किए गए और उन्हीं खातों के माध्यम से करोड़ों रुपये विदेश भेजे गए। दावा किया कि उन्हें डमी डायरेक्टर की तरह इस्तेमाल किया गया। संदीप ने बताया कि वर्ष 2023 में बेरोजगार होने के दौरान मौसेरे भाई रितेश गुप्ता ने उन्हें ठाणे स्थित कांसलीवाल बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में 50 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर डायरेक्टर की नौकरी दिलाई। अधिकांश दस्तावेज उसके घर भेजे जाते थे, जिन पर वह हस्ताक्षर कर वापस भेज देते थे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपित उन्हें मुंबई ले गया, जहां एसबीएम बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक में कंपनी के खाते खुलवाए गए। बैंक रिकॉर्ड में उसे अधिकृत लेनदेनकर्ता के रूप में दर्ज किया गया।

अग्निवीरों को तोहफा; छत्तीसगढ़ सरकार इन नौकरियों में देगी 10 फीसदी आरक्षण

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में दो बड़े फैसले लिए गए। सरकार ने चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को पुलिस, वन और जेल विभाग की सीधी भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया है। सरकार ने किसानों के लिए खाद उपलब्ध कराने को लेकर एक मंत्री-मंडलीय उप समिति गठित करने की भी घोषणा की है।

कैबिनेट ने अग्निवीर सैनिकों को सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कैबिनेट ने राज्य की तृतीय श्रेणी के पदों (पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक और जेल विभाग में प्रहरी) पर सीधी भर्ती में अग्निवीर सैनिकों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान पर मुहर लगाई है।

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ के अग्निवीर सैनिकों के लिए छत्तीसगढ़ की सिविल सेवाओं में तृतीय श्रेणी के पदों में रिक्तियों का आरक्षण नियम-2026 बनाए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इससे सिविल सेवाओं में तृतीय श्रेणी के पदों में अग्निवीरों को 10 फीसदी कोटा मिलेगा। कैबिनेट ने उक्त निर्णय मुख्यमंत्री की 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में की गई घोषणा के पालन में लिया। इस आरक्षण का लाभ उन अग्निवीर सैनिकों को मिलेगा, जिन्होंने सशस्त्र बलों में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद वैध सेवा प्रमाण-पत्र के साथ रिटायरमेंट लिया हो। छत्तीसगढ़ सरकार के अनुसार, इस फैसले से अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सेवाओं में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। इतना ही नहीं अग्निवीर सैनिकों के अनुभव और अनुशासन का लाभ पुलिस, वन एवं जेल प्रशासन को मिलेगा। कैबिनेट की बैठक में खरीफ और रबी की फसलों के लिए किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने और खाद की आपूर्ति, वितरण और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे पर सुझाव के लिए मंत्री-मंडलीय उप समिति के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस उप समिति में उप मुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग को अध्यक्ष बनाया गया है।

बंधुआ मजदूरी से उत्पाद पर आज आएगी अमेरिकी रिपोर्ट, जद में भारत समेत कितने देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत सहित अपने 60 व्यापारिक साझेदार देशों में बंधुआ मजदूरी से तैयार उत्पाद के संबंध में गुरुवार को अंतिम कार्रवाई रिपोर्ट जारी करेगा। अमेरिका ने इन देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत जांच की थी। यह कदम सभी देशों पर लगाए गए 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की समय-सीमा समाप्त होने से ठीक पहले उठाया जा रहा है। भारत ने इस जांच का विरोध करते हुए कहा था कि इन मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत ही चर्चा की जा सकती है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने सीनेट वित्त समिति को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के शीर्ष 60 व्यापारिक साझेदारों की ओर से अपनी सीमाओं पर बंधुआ मजदूरी से तैयार सामानों के आयात पर रोक न लगाने या उसे प्रभावी ढंग से लागू न कर पाने की जांच की गई थी।

पिछले महीने यूएसटीआर ने देशों के मौजूदा उपायों की कड़ाई के आधार पर 10 फीसदी और 12.5 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया था। ग्रीर ने बताया कि यूएसटीआर को इस पर 1,600 से अधिक आपत्तियां-टिप्पणियां मिली हैं और 107 गवाहों के साथ दूसरे दौर की सुनवाई पूरी की जा चुकी है। भारत ने अमेरिका की इस जांच का विरोध किया है। भारत का कहना है कि इस तरह के मुद्दों पर एकतरफा कार्रवाई करने के बजाय इन्हें भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर फिलहाल बातचीत चल रही है। यूएसटीआर ने यह भी बताया कि अमेरिका एक दर्जन से अधिक देशों में अत्यधिक औद्योगिक उत्पादन क्षमता की भी जांच कर रहा है। हालांकि, इस मामले में अभी शुरुआती निष्कर्ष जारी नहीं किए गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने यह जांच उस समय शुरू की थी, जब फरवरी 2026 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल लगाए गए पारस्परिक शुल्क को अवैध करार दिया था। इसके बाद प्रशासन ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था, जिसकी अवधि शुक्रवार को खत्म हो रही है।

कड़े मुकाबले में एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते

फिनिक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह नतीजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली का सामना करेंगे। फीली नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फीली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फीली टीम के किकर थे। डीसीसीसी ने मार्लीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं।

क्यों अहम माना जा रहा था यह मुकाबलाः पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा

हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है।

यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिग्स से हार गए।

मई में जब डीसीसीसी ने गैलन-वूड्स को समर्थन देने का एलान किया, तो डीसीसीसी की अध्यक्ष और अमेरिकी सांसद सुजान डेलबेनी ने उनके टीवी पत्रकारिता के अनुभव की तारीफ की, लेकिन शाह के बारे में कुछ नहीं कहा।

शाह ने मंगलवार रात समर्थकों से कहा, मैं अपनी पार्टी की पहली पसंद नहीं था। लेकिन मैं पार्टी के स्थापित नेतृत्व के खिलाफ खड़ा होने के लिए तैयार था और यही इस क्षेत्र के मतदाता चाहते हैं।

हालांकि, शाह ने कहा है कि उम्मीदवार बनने के बाद वह डीसीसीसी के साथ काम करेंगे। उन्हें चुनाव जीतने के लिए पार्टी और उसके दानदाताओं के समर्थन की जरूरत होगी, क्योंकि यह मुकाबला मुश्किल माना जा रहा है। इस क्षेत्र में 2024 में ट्रंप को मामूली जीत मिली थी। वहीं, 2020 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी से यह क्षेत्र जीता था, जबकि श्वाइकर्ट दोबारा सांसद चुने गए थे। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रगतिशील और मध्यमार्गी नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे।

ट्रांसजेंडर सैनिकों के इलाज व टेस्टोस्टेरोन नीति में क्या फर्क, जज ने ट्रंप प्रशासन पर उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की नई टेस्टोस्टेरोन जांच और उपचार पहल पर एक संघीय जज ने सवाल उठाए हैं। जज ने पूछा कि सैनिकों में कम टेस्टोस्टेरोन के उपचार और ट्रांसजेंडर सैनिकों को दिए जाने वाले हार्मोन उपचार में आखिर अंतर क्या है। यह सवाल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस नीति पर चल रहे मुकदमे के दौरान उठा, जिसमें ट्रांसजेंडर सैनिकों पर रोक लगाई गई है। वाशिंगटन की अमेरिकी जिला जज एना रेयेस ने कहा कि ट्रंप की नीति में लिखा है कि सशस्त्र बलों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के ऊंचे मानकों का पालन करना चाहिए। इसके लिए नियमित इलाज या विशेष व्यवस्था पर निर्भर नहीं होना चाहिए। जज ने मुकदमे से जुड़े दोनों पक्षों को निर्देश दिया कि वे बताएं कि ट्रांसजेंडर पुरुषों और अन्य सैनिकों को टेस्टोस्टेरोन रिप्लेसमेंट थेरेपी देने में चिकित्सकीय और व्यावहारिक स्तर पर क्या समानताएं और क्या अंतर हैं। उन्होंने रक्षा मंत्रालय से यह भी जानकारी मांगी कि नई टेस्टोस्टेरोन नीति और ट्रांसजेंडर सैनिकों पर रोक के बीच अलग-अलग व्यवहार का आधार क्या है। रक्षा मंत्री की नई पहल क्या है यह आदेश उस घोषणा के एक सप्ताह बाद आया है, जिसमें रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सैनिकों में टेस्टोस्टेरोन की कमी की जांच के लिए नया कार्यक्रम शुरू करने की बात कही थी। उन्होंने बताया था कि 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सैनिकों की हर साल होने वाली अनिवार्य स्वास्थ्य जांच के दौरान यह जांच भी की जाएगी। 30 वर्ष से कम उम्र के सैनिक अपनी इच्छा से यह जांच करा सकेंगे। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में हेगसेथ ने कहा था कि टेस्टोस्टेरोन रिप्लेसमेंट थेरेपी लेना पूरी तरह स्वैच्छिक होगा। ट्रंप प्रशासन के दूसरे अधिकारी भी पुरुषों के लिए टेस्टोस्टेरोन उपचार को आसान बनाने की वकालत कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस विषय पर वैज्ञानिक तथ्यों के साथ कुछ ऐसे दावे भी किए जा रहे हैं, जिनके पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ टेस्टोस्टेरोन का स्तर स्वाभाविक रूप से कम होता है।

अमेरिका के मैडिसन में पुलिस पर फायरिंग

गिरफ्तारी के दौरान अधिकारी पर किया हमला, जवाबी कार्रवाई में आरोपी ढेर

मैडिसन, एजेंसी। मैडिसन के एक पुलिस अधिकारी ने एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी। क्योंकि पीड़ित ने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए पुलिस को चाकू से घायल कर दिया था। यह जानकारी शहर के पुलिस प्रमुख ने दी। घटना के तुरंत बाद गोलीबारी का मोबाइल वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में तीन गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है। मैडिसन पुलिस प्रमुख जॉन पैटरसन ने एक संवाददाता सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि प्रसारित हो रहा फुटेज घटना का सिर्फ एक पहलू है। पैटरसन ने कहा 'मैं इस दुखद घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। पैटरसन ने बताया कि मृतक की उम्र 30 वर्ष के आसपास थी, लेकिन पुलिस ने उसका नाम जारी नहीं किया। यह गोलीबारी राज्य की राजधानी से दो मील से भी कम दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय इलाके की सड़क पर हुई, जहां रेस्तरां, बार, दुकानें और आवासीय मकानों की भरमार है। घटना के फुटेज में चौराहे पर कई कारें रुकी हुई दिखाई दे रही हैं और

लोग घटनाक्रम को अपनी आंखों से देख रहे हैं। 2015 में, उसी सड़क पर एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने टोनी रॉबिन्सन, जो मिश्रित नस्ल के थे उसको गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। जिला अटॉर्नी ने उस घटना में पुलिस के खिलाफ कोई आरोप दायर नहीं किया, क्योंकि उन्होंने अधिकारी की कार्रवाई को उचित ठहराया था। बुधवार को गोली चलाने वाले अधिकारी और गोली लगने से मारे गए व्यक्ति की नस्ल के बारे में पुलिस ने कोई जानकारी जारी नहीं की। लेकिन मैडिसन में अश्वेत समुदाय के समर्थकों ने कहा कि मरने वाला व्यक्ति अश्वेत था। मैडिसन स्थित अश्वेत समुदाय के हिमायती समूह अर्बन ट्रायज की प्रमुख ब्रांडी ग्रेसन ने कहा 'मैडिसन की एक सड़क पर एक और अश्वेत व्यक्ति की मौत हो गई। हमारे समुदाय ने उसका नाम जानने से पहले ही उसे मरते हुए देखा। यह राज्य हिंसा की क्रूरता है।' पैटर्सन ने बताया कि पुलिस को पड़ोस में खड़ी गाड़ियों में घुसने की कोशिश करने की सूचना मिली थी। पैटर्सन ने बताया कि संदिग्ध पुलिस अधिकारियों के सड़क पर संपर्क करने से पहले पास के पिछे से होते हुए बाइक पर भाग निकला। पैटर्सन ने बताया कि संदिग्ध या तो अपनी बाइक से गिर गया या अधिकारियों ने उसे बाइक से नीचे उतारा और हाथापाई के दौरान उसने चाकू निकालकर एक अधिकारी को घायल कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

कार्यालय को व्यवस्थित व जनोपयोगी बनाएं : डीडीसी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने आज धनबाद अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कार्यालय की सुरक्षा एवं बेहतर प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए चहारदीवारी के मरम्मतिकरण का निर्देश दिया। साथ ही, परिसर में उपलब्ध स्थान का उपयोग करते हुए रोजगार के अवसर सृजन करने के उद्देश्य से दुकानों के निर्माण के लिए आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि धनबाद अंचल कार्यालय परिसर का समुचित विकास करते हुए इसे सुरक्षित,

व्यवस्थित एवं जनउपयोगी बनाएं। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में स्थित अत्यंत जर्जर भवनों का भी अवलोकन किया गया। भवनों की स्थिति को देखते हुए उनके पुनर्निर्माण, जीर्णोद्धार के लिए नई योजनाओं के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति की कार्रवाई करने की बात कही।

मुचराइडीह जंगल में छापेमारी, 40 टन अवैध कोयला जब्त

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महुदा थाना क्षेत्र के मुचराइडीह जंगल में गुरुवार को महुदा सीआईएसएफ एवं महुदा पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में जंगल की झाड़ियों में छिपाकर रखा गया लगभग 40 टन अवैध कोयला जब्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, कोयला तस्करों द्वारा अवैध खनन कर निकाले गए कोयले को मुचराइडीह जंगल की झाड़ियों में छिपाकर रखा गया था। सूचना मिलने के बाद

सीआईएसएफ और महुदा पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सघन अभियान चलाया और अवैध कोयला बरामद कर लिया। जब्त किए गए कोयले को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मुनीडीह कोलियरी प्रबंधन के सुपुर्द कर दिया गया। छापेमारी अभियान का नेतृत्व सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर बीरेंद्र कुमार कर रहे थे। अभियान में पोस्ट कमांडर राकेश रॉकी सहित सीआईएसएफ एवं महुदा पुलिस के अन्य जवान भी शामिल थे। संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस और सीआईएसएफ ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं कोयला तस्करी के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

बोकारो चैंबर ने चलाया एसआईआर के प्रति जन-जागरूकता अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यों ने बोकारो इस्पात नगर एवं चास क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी होने के कारण उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा की अपील पर सिटी सेंटर में जन-जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए पोस्टर एवं पंपलेट वितरित किए गए तथा आम नागरिकों को एस.आई.आर. की

प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया गया। चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने सभी मतदाताओं से अपील की कि जिनका विशेष गहन पुनरीक्षण अभी तक नहीं हुआ है, वे अपने संबंधित बी.एल.ओ. से प्रपत्र प्राप्त कर उसे सही ढंग से भरकर शीघ्र जमा करें। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने बताया कि यदि किसी मतदाता का विवरण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में उपलब्ध नहीं है, तो वह प्रपत्र के उस भाग को रिक्त छोड़कर केवल नीचे दिए गए कॉलम में वर्तमान मतदाता सूची का विवरण भरकर प्रपत्र जमा कर सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि एस.आई.आर. की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भी पूरी की जा सकती है। इस जन-जागरूकता अभियान में संजय अग्रवाल, राजकुमार प्रिय, कमलेश जायसवाल, मुन्ना सिंह, प्रकाश कोठारी, ब्रह्मदेव प्रसाद, ओम प्रकाश गुप्ता सहित चैंबर के अनेक सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स के संस्थापक सदस्य एवं वरिष्ठ समाजसेवी पी. ए. जकारिया का निधन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के प्रतिष्ठित उद्योगपति, समाजसेवी, बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स के संस्थापक सदस्य तथा वरिष्ठ रोटेरियन पी. ए. जकारिया (85 वर्ष) का रांची में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही बोकारो के सामाजिक, औद्योगिक एवं व्यावसायिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। श्री जकारिया वर्ष 1968 में केरल से बोकारो आए थे और अपने कार्य जीवन की शुरूआत अशोक लीलैंड कंपनी से की। वे लगभग 40 वर्षों तक रोटरी से जुड़े रहे तथा रोटरी क्लब के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उनका निधन बोकारो के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

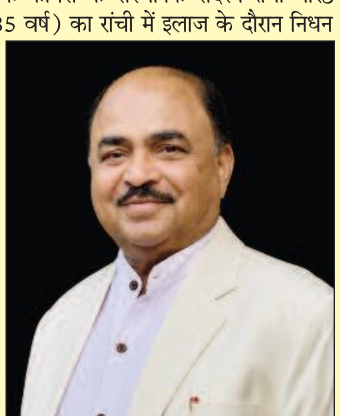

चेंबर के अशोक तनेजा, अशोक जैन, प्रदीप सिंह,मनोज चौधरी, संजय बैद,कमल तनेजा, बिनोद चोपड़ा, राजकुमार जायसवाल,कुमार अमरदीप, सिद्धार्थ पारख, सिद्धार्थ सिंह माना, मुकेश अग्रवाल, नरेंद्र सिंह,बिनय सिंह सहित विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की उपायुक्त ने की समीक्षा

पुलिस लाइन मैदान में होगा मुख्य समारोह, 8 अगस्त से शुरू होगा परेड का पूर्वाभ्यास

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल, भव्य एवं गरिमामय आयोजन को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह से संबंधित विभिन्न तैयारियों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप हों सभी तैयारियां

उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव एवं सम्मान का प्रतीक है। ऐसे में समारोह से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था उच्च गुणवत्ता, अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

मुख्य समारोह पुलिस लाइन मैदान में, आधारभूत तैयारियों की समीक्षा

उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष भी मुख्य समारोह का आयोजन सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में किया जाएगा। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन से मैदान के समतलीकरण, मोरम बिछाने एवं अन्य आधारभूत तैयारियों की प्रगति की जानकारी ली। बीएसएल प्रबंधन ने बताया कि कार्य तेजी से चल रहा है तथा सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व पूरी कर ली जाएंगी।

साफ-सफाई, सुरक्षा एवं ध्वजारोहण व्यवस्था पर विशेष निर्देश

बैठक में समारोह स्थल के साथ-साथ सभी सरकारी कार्यालय परिसरों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने, राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानजनक एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप ध्वजारोहण सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए। पुलिस केंद्र के परिचारी प्रवर को आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि सभी तैयारियों के नियमित निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का दायित्व अनुमंडल पदाधिकारी चास को दिया गया।

11 प्लाटून करेंगी मार्च पास्ट, 8 से 13 अगस्त तक होगा पूर्वाभ्यास

बैठक में जानकारी दी गई कि 8 अगस्त से 13 अगस्त तक परेड का पूर्वाभ्यास आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष समारोह में कुल 11 प्लाटून भाग लेंगी, जिनमें जिला सशस्त्र बल, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, गृह रक्षा वाहिनी, एनसीसी, चौकीदार दल तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की प्लाटून शामिल होंगी। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को पूर्वाभ्यास एवं मुख्य समारोह के दौरान बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, थीम आधारित होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

उपायुक्त ने सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह को थीम आधारित स्वरूप में आयोजित करने के लिए उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार को उपयुक्त थीम निर्धारित करने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त रहेंगी समारोह की वरीय प्रभारी

उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की समग्र तैयारियों के समन्वय, पर्यवेक्षण एवं सफल संचालन की जिम्मेदारी उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार को सौंपी। उन्होंने सभी विभागों को वरीय प्रभारी के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया।

कुपोषण के खिलाफ सशक्त अभियान : किशोरियों के पोषण एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हर बच्चा स्वस्थ हो, हर मां सुरक्षित रहे और हर परिवार कुपोषण से मुक्त जीवन जी सके - इसी संकल्प के साथ बोकारो जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। इसी दिशा में गुरुवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में ई-टेलीमेडिसिन एवं मोबाइल पोषण वैन कार्यक्रम की प्रगति का समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज कुमारी फाउंडेशन द्वारा गोमिया एवं पेटरवार प्रखंडों में संचालित कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य सेवाएं गांव-गांव तक, बच्चों के चेहरे पर लौट रही मुस्कान

समीक्षा के दौरान बताया गया कि गोमिया एवं पेटरवार प्रखंड के 27 आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषक क्षेत्रों में मोबाइल पोषण एवं ई-टेलीमेडिसिन कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। अब तक 828 बच्चों की पोषण जांच की गई है, जिनमें से कुछ बच्चों को गहन पोषण देखभाल (इंटेंसिव केयर पाथवे) से जोड़ा गया है। वहीं 653 लोगों को टेली-मेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। नियमित पोषण आहार, स्वास्थ्य परामर्श और सतत निगरानी के कारण अल्प अवधि में ही बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में उत्साहजनक सुधार दर्ज किया गया है।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता

उपायुक्त ने कहा कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को सुरक्षित करने का अभियान है। उन्होंने नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सक्षम बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने का निर्देश दिया।

एमटीसी के प्रति बढ़े भरोसा, समय पर मिले उपचार

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि बेरमो स्थित माल्न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर (एमटीसी) में कई अभिभावक बच्चों को भर्ती कराने से हिचकिचाते हैं। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने कहा कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर एमटीसी में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने एवं केंद्रों के प्रति विश्वास बढ़ाने के निर्देश दिए।

स्थानीय भोजन से ही बनेगा स्वस्थ बोकारो

उपायुक्त ने कहा कि बच्चों और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी हमारे गांवों में उपलब्ध पारंपरिक एवं स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों में ही निहित है। उन्होंने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के बजाय स्थानीय पोषक आहार को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर जोर दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, डीएमओ रवि कुमार,जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, झारखंड प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु पदाधिकारी, फाउंडेशन के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय ने हत्यारोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम फहीम किरमानी के न्यायालय ने दहेज के लिए हत्या के मामले में पेटरवार थाना क्षेत्र के ओरदाना निवासी अभियुक्त देवशरण महतो को दोषी पाने के बाद आजीवन कारावास कारावास की सजा सुनाई। बताते चले कि ओरदाना निवासी नीरज कुमार महतो ने पेटरवार थाना प्रभारी के पास बयान दर्ज कराया कि 5 जून 2023 को उसके पिता उपेंद्र महतो घर के छत पर सोए हुए थे, वह भी सोया हुआ था। रात में लगभग 12 बजे तेज आवाज सुनकर उठ कर देखा कि अभियुक्त देवशरण महतो ने धारदार हथियार से उसके पिता पर प्रहार कर दिया था, जिससे उनके बाएं कनपटी से काफी खून बह रहा था।हमला कर वह भाग गया। तेजधार हथियारनके प्रहार से उसके पिताजी की मौत हो गई। उक्त बयान के आधार पर पेटरवार थाना कांड संख्या 79/2023 दर्ज किया गया। आरोप पत्र समर्पित होने के बाद सत्रवाद संख्या 422/2023 मामला स्थानांतरित होकर जिला जज प्रथम फहीम किरमानी की न्यायालय में आया। न्यायालय में उपलब्ध गवाह एवं दोनों पक्षों के अधिवक्ता के बहस

सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त देवशरण महतो हत्या करने के आरोप में दोषी पाने के बाद आजीवन कारावास एवं पच्चीस हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई। सजा सुनाई जाने के बाद अभियुक्त देवशरण महतो महतो को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सर्वेश आनंद सिंह ने बहस की एवं उनके साथ सूचक के अधिवक्ता चेतना नंद प्रसाद ने भी बहस किया।

10 मीटर एयर रायफल एवं एयर पिस्टल का तीन दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर 26 जुलाई से

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 3सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शुटिंग रेंज में 26 से 28 जुलाई तक तीन दिवसीय 10 मीटर एयर रायफल एवं एयर पिस्टल का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में वैपन, पैलेट्स और टारगेट पेपर निःशुल्क दिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र सौ रुपये रखा गया है। प्रशिक्षण शिविर में एक सीमित संख्या को ही प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीट भरने के बाद नामांकन नही होगा। इस शिविर के बाद जिन खिलाड़ियों को जिला, राज्य, राष्ट्रीय स्तर या विद्यालय या यूनिवर्सिटी स्तर के प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए तैयारी करना हो तो वह लगातार अभ्यास के लिए अपना नामांकन करवा सकते हैं। अगर कोई स्कूल या कॉलेज अपने स्कूल व कॉलेज रायफल शूटिंग का टीम बनाना चाहते हैं, तो बोकारो रायफल क्लब और यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन टीम बनाने में सहयोग करेगा। शिविर में भाग लेने के लिए सरस्वती विद्या मंदिर 3सी के सिक्युरिटी रूम से फार्म प्राप्त कर सकते हैं और यहीं पर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा वाट्सएप नंबर 9229899842 से फार्म ले सकते हैं और वाट्सएप के माध्यम से जमा भी कर सकते हैं। प्रशिक्षण का समय अपराह्न 03:00 से 04:00 बजे, 04:10 से 05:10 बजे 05:20 से 06:20 बजे एवं 06:30 से 07:30 बजे तक निर्धारित है।

भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस मना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध बियाडा औद्योगिक मजदूर संघ द्वारा आज भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष महेश प्रसाद राय ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं यूनियन पदाधिकारियों द्वारा भारत माता, बाबा विश्वकर्मा एवं बीएमएस के संस्थापक श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सेप्टिक टैंक बनाने के दौरान जहरीली गैस से दो मजदूरों की मौत

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाघमारा थाना क्षेत्र के केशरगढ़ पंचायत अंतर्गत सदरियाडीह गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में सेप्टिक टैंक के अंदर जहरीली गैस की चपेट में आने से एक राजमिस्त्री और एक मजदूर की दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सदरियाडीह में करीब एक माह पहले 12 फीट गहरे नवनिर्मित सेप्टिक टैंक की ढलाई की गई थी। गुरुवार सुबह टैंक की सेंटरिंग खोलने के लिए राजमिस्त्री और मजदूर उसके अंदर उतरे। इसी दौरान टैंक में जमा जहरीली गैस की चपेट में आने से दोनों की तबीयत बिगड़ गई और दम घुटने से वे बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल बाहर निकालकर बाघमारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अंधारी बस्ती निवासी दिलीप महतो (45 वर्ष) और सदरियाडीह निवासी राजेश महतो (25 वर्ष) के रूप में हुई है।

प्रिंस खान गैंग की बड़ी साजिश नाकाम, दो बदमाश हथियार और जिंदा बम के साथ गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस ने कुख्यात प्रिंस खान गिरोह की एक बड़ी आपराधिक साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर भूली ओपी क्षेत्र के बी पॉलिटेक्निक के पास जंगल में छापेमारी कर पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक दोनों किसी स्थानीय जमीन कारोबारी और होटल व्यवसायी की हत्या की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के पास से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, दो जिंदा बम और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष छापामारी दल ने बी पॉलिटेक्निक के समीप जंगल में कार्रवाई की। मौके से शोएब कुरैशी और गुलाम गौस उर्फ छोटू कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों कुख्यात प्रिंस खान गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और हत्या की वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से वहां एकत्र हुए थे। तलाशी के दौरान गुलाम गौस उर्फ छोटू कुरैशी के पास से दो जिंदा बम, 'मेड इन इटली' अंकित एक अवैध पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं शोएब कुरैशी के पास से 'किंग केजीएफ' अंकित एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस जब्त किए गए। बरामद कारतूस पर केएफ 7.65 अंकित है। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे प्रिंस खान गिरोह से जुड़े हैं और एक स्थानीय जमीन कारोबारी व होटल व्यवसायी की हत्या की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार गुलाम गौस ने यह भी बताया कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से गोपी खान और प्रिंस खान के लगातार संपर्क में था। इस मामले में भूली ओपी थाना क्षेत्र में भारतीय न्याय संहित, आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क और फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

किशोरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी पहुंचे उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी पहुंचकर किशोरों के स्वास्थ्य की स्थिति एवं उपलब्ध चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं संबंधित अधिकारियों से किशोरों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी में कुल 43 किशोर रह रहे हैं। चिकित्सकीय जांच के उपरांत 16 किशोर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 15 किशोर चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ पाए जाने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। एक किशोर को एहतियातन चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। इसके अतिरिक्त ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी परिसर में स्थापित विशेष चिकित्सा शिविर में दो किशोर को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। शिविर में एक शिशु रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) एवं एक जनरल फिजिशियन की टीम लगातार किशोरों के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। सिविल सर्जन की सलाह के अनुरूप सभी किशोरों को संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से आवश्यक प्रोफिलैक्टिक (प्रतिरोधात्मक) दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ऑब्जर्वेशन होम सह प्लेस ऑफ सेफ्टी परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक जांच करने एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रारंभिक चिकित्सकीय आकलन के अनुसार यह मामला मौसमी परिवर्तन के कारण उत्पन्न संक्रमण से संबंधित प्रतीत होता है। वर्तमान में संक्रमण के किसी अन्य संभावित कारण के संबंध में कोई विशिष्ट शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले पर सतत निगरानी बनाए हुए हैं तथा स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है।

रोटरी क्लब चास ने मनाया 25वां स्थापना दिवस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब चास का 25वाँ पदस्थापना समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं निष्णा रस्तोगी द्वारा गणेश वंदना के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पीडीजी रो. संजीव ठाकुर ने प्रेरणादायक संबोधन में रोटरी के सेवा, नेतृत्व एवं मानवीय मूल्य पर प्रकाश डालते हुए कहा की रोटरी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। क्लब के अध्यक्ष रो. मुकेश अग्रवाल ने सभी आगंतुको का स्वागत करते हुए क्लब की आगामी योजनाओं की जानकारी दी तथा सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान सचिव रो. श्वेता रस्तोगी ने स्लाइड शो के माध्यम से क्लब द्वारा पिछले वर्ष किए गए सेवा कार्यों, सामाजिक परियोजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया, जिसकी सभी उपस्थितजनों ने सराहना की। सहायक मंडल अध्यक्ष रो. पूजा बैद ने अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के अध्यक्ष के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोटेरियनों को ऐसे सेवा कार्य करने चाहिए जिनका समाज पर स्थायी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़े। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पाल रो. राजन गंडोत्रा ने रोटरी के आदर्श वाक्य "स्वयं से ऊपर सेवा की व्याख्या करते हुए कहा कि निस्वार्थ सेवा ही रोटरी की वास्तविक पहचान है और इसी भावना से समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। पदस्थापना समारोह में महेश केजरीवाल,निरूपमा सिंह, प्रियदर्शी जरूहार ,संजय बैद, नरेंद्र सिंह,बिनय सिंह, मनोज चौधरी, विपिन अग्रवाल, कमल तनेजा,संजय रस्तोगी, चनप्रीत सिंह, धनेश बंका,शैल रस्तोगी, पूर्वी केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल,अर्चना सिंह, पूनम अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, मनप्रीत कौर, कविता मल्लिक, ऊषा कुमार, हरबंस सिंह, अमन मल्लिक,बोकारो रोटरी क्लब,धनबाद रोटरी क्लब, रोटरी मिड टाउन कपल के सदस्यों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com